रांची, सोमवार
30.03.2026
वर्ष : 11, अंक : 117, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रुपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

टेली-लॉ पहल न्याय सुलभ बनाने का सशक्त माध्यम: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने टेली-लॉ पहल पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यक्रम में कहा कि न्याय तक पहुंच लोकतंत्र की आधारशिला है और यह सुनिश्चित करना सामूहिक जिम्मेदारी है कि न्याय कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं बल्कि सभी के लिए उपलब्ध अधिकार बने। उपराष्ट्रपति ने रविवार को यहां विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा दिशा योजना के अंतर्गत आयोजित टेली-लॉ पहल पर राष्ट्रीय परामर्श को संबोधित किया। इस अवसर पर विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर टेली-लॉ पहल को कानूनी सेवाओं का लोकतंत्रीकरण करने वाला सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए, खासकर महिलाओं, ग्रामीण क्षेत्रों और वंचित वर्गों के लिए। यह राष्ट्रीय परामर्श न्याय प्रणाली को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करना ही सच्चे अर्थों में लोकतंत्र को मजबूत करता है।

पूर्व प्रधानमंत्री ओली पांच दिनों की पुलिस रिमांड पर

काठमांडू। अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली तथा पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक को हिरासत में रख कर जांच आगे बढ़ाने का आदेश दिया है। जिला अदालत काठमांडू के न्यायाधीश आनंद प्रसाद श्रेष्ठ की इजलास ने रविवार को 5 दिनों की रिमांड की अनुमति दी। सरकारी वकील ने 10 दिनों की हिरासत की मांग की थी। जेन-जी आंदोलन के दौरान ओली प्रधानमंत्री थे, जबकि रमेश लेखक गृहमंत्री थे। उस आंदोलन में हुए दमन की जांच के लिए गठित आयोग ने ओली और लेखक के खिलाफ आपराधिक मामले में कार्रवाई की सिफारिश की थी। उसी सिफारिश के आधार पर आवश्यक गिरफ्तारी वारंट जारी कर शनिवार सुबह ओली और लेखक को गिरफ्तार किया गया था। आज अदालत में रमेश लेखक स्वयं उपस्थित हुए, जबकि ओली बीमार होने के कारण शिक्षण अस्पताल से वर्चुअल रूप से पेश हुए।

ऊर्जा संकट पर अफवाहों से बचने और एकजुटता का आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संघर्ष की वैश्विक स्थिति और ऊर्जा संकट पर चिंता जताते हुए रविवार को मन की बात कार्यक्रम से एक बार फिर देशवासियों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और एकजुटता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि अंतराष्ट्रीय संघर्ष के कारण पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता प्रभावित हो रही है। ऐसे समय में अफवाहों से दूर रहना और आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 132वें एपिसोड में आज उक्त बातें कहीं। उन्होंने खाड़ी देशों के संघर्ष के बीच वहां रह रहे भारतीयों को संभालने के लिए दिए सहयोग पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि दुनिया की ऊर्जा आवश्यकताएं इस क्षेत्र से जुड़ी हैं, जिससे मौजूदा संघर्ष का असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों का उपयोग कर स्थिति का सामना कर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस विषय पर राजनीति करने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह 140 करोड़ लोगों से जुड़ा मुद्दा है और इसमें स्वार्थ की राजनीति का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को देश के लिए हानिकारक बताया और नागरिकों से अपील की कि वे केवल सरकारी जानकारी पर भरोसा करें। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे कई देशों में ईंधन संकट की स्थिति बनी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश की पांडुलिपि धरोहर के संरक्षण में जनभागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि ज्ञान भारतम पहल के तहत पांडुलिपियों का संरक्षण और उनसे जुड़ी जानकारी एकत्र की जा रही है। इसके लिए एक ऐप भी विकसित किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने पास सुरक्षित पांडुलिपियों की जानकारी साझा करें।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में देश में खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह और उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने आईसीसी टी-20 विश्व कप में भारतीय पुरुष टीम की जीत और रणजी ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक उपलब्धि की चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश के एथलीट कुलवीर सिंह की उपलब्धि का जिक्र किया, जिन्होंने न्यूयॉर्क सिटी हाफ मैराथन में तीसरा स्थान प्राप्त किया। वह एक घंटे से कम समय में हाफ मैराथन पूरा करने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने अनाहत सिंह द्वारा स्क्वैश ऑन फायर ओपन जीतने और 8 मार्च को अस्मिता महिला लीग के आयोजन का भी उल्लेख किया और कहा कि देश में नारी शक्ति खेलों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रधानमंत्री ने हर बार की तरह इस बार भी स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने नियमित व्यायाम, योग और संतुलित आहार की आवश्यकता पर बल दिया। इस प्रसंग में उन्होंने बताया कि उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक कंटेंट क्रिएटर युवराज दुआ के अनुरोध का उत्तर दिया, जिसका उनके पिता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा और उन्होंने शुगर का सेवन कम कर दिया।

उन्होंने बेंगलुरु के प्रयोग इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन रिसर्च के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह संस्थान बच्चों को विज्ञान के व्यावहारिक अनुभव से जोड़ रहा है। इसके साथ ही उन्होंने नागा समुदाय की मोरुंग प्रणाली का उल्लेख किया, जो परंपरा और आधुनिक शिक्षा का समन्वय प्रस्तुत करती है।

प्रधानमंत्री ने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने त्रिपुरा के वांगमुन गांव, छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले और तेलंगाना के मुधिगुंटा गांव के उदाहरण दिए, जहां वर्षा जल संचयन और भूजल संरक्षण के प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने मछुआरों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में नवाचार हो रहे हैं और मछुआरे भाई-बहन आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने डिब्रूगढ़ जिले के तिंगखोंग और सोनारी विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा को किया संबोधित

आदिवासी कमजोर नहीं हैं, सत्ता बनाना और सत्ता को बदलना भी जानते हैं : हेमंत

बिभा संवाददाता

असम/डिब्रूगढ़/तिंगखोंग/सोनारी/रांची : असम चुनाव प्रचार के दूसरे दिन मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सह झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष ने डिब्रूगढ़ जिले के तिंगखोंग एवं सोनारी विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के प्रत्याशी महावीर बासके और बलदेव तेली के पक्ष में विशाल जनसभा को सम्बोधित किया।

अपने संबोधन में हेमन्त सोरेन ने कहा कि असम का चाय बागान समुदाय जो लगभग 200 वर्षों से असम की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा है, आज भी अपने बुनियादी अधिकारों से वंचित है। असम में चाय बागान श्रमिकों को मात्र 250 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी मिलती है, जबकि अन्य राज्यों जैसे कर्नाटक में यह लगभग 600 रुपये प्रतिदिन है। उन्होंने आगे कहा कि चाय बागान श्रमिकों को आज भी भूमि अधिकार, सम्मानजनक आवास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। वर्षों से विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा इस समुदाय का केवल वोट बैंक के रूप में उपयोग किया गया है, परंतु उनके जीवन स्तर में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने आदिवासी समुदाय के साथ हो रहे वज्रपात की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय का लगातार शोषण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार हर बार आदिवासियों का केवल उपयोग करती है और काम निकल जाने के बाद उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है। आदिवासी समाज को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, जबकि उन्हें उनके मूलभूत अधिकारों से वंचित रखा जाता है। अब समय परिवर्तन का है और आदिवासी समाज अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर संघर्ष करेगा। जिस प्रकार झारखण्ड में हमारे पूर्वजों ने संघर्ष के बल पर राज्य हासिल किया, उसी प्रकार अब असम में भी अपने हक और सम्मान के लिए संघर्ष किया जाएगा।

आदिवासी समाज की शक्ति पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासी कमजोर नहीं हैं, बल्कि वे सत्ता बनाना भी जानते हैं और जरूरत पड़ने पर सत्ता को बदलना भी जानते हैं। आदिवासी समाज अपने अधिकार लेकर रहेगा और इसके लिए निरंतर संघर्ष करेगा।

अपने संबोधन में उन्होंने झारखण्ड के वीर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि जिस प्रकार पूर्वजों ने तीर-धनुष के बल पर अपने अधिकारों की रक्षा की उसी मार्ग पर चलते हुए इस चुनाव में भी आदिवासी समाज अपनी ताकत का परिचय देगा। उन्होंने चाय बागान एवं आदिवासी समुदाय से एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया तथा आगामी विधानसभा चुनाव में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशियों को विजयी बनाने की अपील की।

असम के सोनारी विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी बलदेव तेली के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए हेमन्त सोरेन ने कहा झारखण्ड की तरह यहाँ भी युवाओं को अवसर, मेहनतकशों को सम्मान और आदिवासी-स्थानीय समाज को उनका अधिकार मिलना चाहिए। विकास का मतलब केवल आंकड़े नहीं, बल्कि हर घर तक पहुँचती खुशहाली है। असम के सोनारी विधानसभा में असम की महान जनता को अब बदलाव चाहिए - ऐसा बदलाव जो सिर्फ़ वादों में नहीं, जमीनी हक़ीकत में दिखे।

इस अवसर पर झारखण्ड सरकार के कई कैबिनेट मंत्री एवं पार्टी के वरिष्ठ विधायक भी उपस्थित रहे। जनसभा में हजारों की संख्या में चाय बागान श्रमिक, आदिवासी समुदाय के सदस्य एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

राजग की बढ़ती लोकप्रियता केरल में बदलाव का संदेश : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि केरल में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और यह राज्य में बदलाव का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले समय में केरल में राजग की सरकार बनने पर तेज विकास होगा। केरल के पलक्कड़ में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने वाम दलों के नेतृत्व वाले एलडीएफ और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दोनों गठबंधनों को भ्रष्ट और सांप्रदायिक करार देते हुए कहा कि उनकी राजनीति केवल वोटबैंक तक सीमित है और उन्हें राज्य के विकास की चिंता नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा, एलडीएफ और यूडीएफ की नीतियां सिर्फ वोटबैंक पॉलिटिक्स पर आधारित हैं। मैं केरलम की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि राजग की सरकार बनने पर राज्य का तेज विकास होगा। यह मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा, केरलम लंबे समय से एलडीएफ और यूडीएफ के बीच फंसा हुआ है, लेकिन अब राज्य में बदलाव का माहौल बन रहा है। प्रधानमंत्री के अनुसार, राज्य के युवा, महिलाएं और किसान अब भाजपा और राजग के प्रति भरोसा जता रहे हैं, जो एक उभरते जनआंदोलन का रूप ले रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने एलडीएफ और यूडीएफ के बीच बी टीम की लेकर चल रही बयानबाजी का जिक्र करते हुए कहा कि इससे साफ होता है कि दोनों ही गठबंधन भाजपा को एक मजबूत विकल्प मानने लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दोनों दल एक-दूसरे के खिलाफ केवल बयान देते हैं, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं करते।

झारखंड में कहीं तेज धूप, तो कहीं बारिश, 31 मार्च और 2 अप्रैल को येलो अलर्ट

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची सहित झारखंड के विभिन्न जिलों में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला-बदला नजर आ रहा है। कहीं तेज धूप से गर्मी का असर है, तो कहीं बारिश के कारण लोगों को ठंड का एहसास हो रहा है। पिछले दो-तीन दिनों तक रांची में हुई बारिश के बाद अब तेज धूप निकल रही है, जबकि राज्य के अन्य हिस्सों में अभी भी बारिश की स्थिति बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में राज्य के कई इलाकों में गर्जन के साथ बारिश और वज्रपात की संभावना है। 31 मार्च को उत्तर-पश्चिमी जिलों को छोड़कर लगभग पूरे राज्य में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं 2 अप्रैल को दक्षिणी जिलों और उससे सटे मध्यवर्ती क्षेत्रों में गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना जताई गई है। इसके साथ ही इन इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने का अनुमान है। मौसम विभाग ने इसे देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में तापमान में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। डाल्टनगंज में अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सबसे अधिक रहा, जबकि गुमला में न्यूनतम तापमान 17.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की 284 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल विधानसभा की 294 में से 284 सीटों के लिए रविवार को उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी जिसमें पूर्व सांसद अधीर रंजन चौधरी को बहरामपुर तथा मौसम नूर को मालतीपुर विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा गया है। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी 17वीं लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता भी रहे हैं। पूर्व सांसद मौसम नूर को मालतीपुर से टिकट दिया गया है।

कांग्रेस ने भवानीपुर से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव की सीट से प्रदीप प्रसाद को प्रत्याशी बनाया है। इस सीट पर भाजपा की सुवेंदु अधिकारी भी चुनाव लड़ रहे हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए इस बार दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होना है और 4 मई को परिणाम घोषित किए जाएंगे। पिछले कुछ सालों से राज्य में छह, सात या आठ चरणों में मतदान होते रहे हैं।

पश्चिम बंगाल चुनाव में मुख्य मुकाबला सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस लगातार चौथे कार्यकाल के लिए चुनाव मैदान में है। पिछले विधानसभा चुनाव में तृणमूल ने 213 सीटें जीतीं और सुश्री ममता बनर्जी लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं। भाजपा 77 सीटें जीतकर मुख्य विपक्षी पार्टी बनी। कांग्रेस तथा उसके गठबंधन को इस चुनाव में एक सीट नहीं मिली थी।

पश्चिम एशिया संकट: देश में ईंधन आपूर्ति सामान्य, पर्याप्त स्टॉक

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद रहने के बीच केंद्र सरकार ने कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है और आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। सरकार ने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और घबराहट में खरीदारी से बचने की अपील की है।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, देशभर के सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं। पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। घरेलू मांग को देखते हुए रिफाइनरियों से एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया है।

मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। साथ ही घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए डीजल पर 21.5 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया गया है।

घरेलू पाइप्ड गैस और सीएनजी-ट्रांसपोर्ट के लिए 100 प्रतिशत आपूर्ति जारी है। औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को उनकी औसत खपत का लगभग 80 प्रतिशत गैस मिल रही है, जबकि उर्वरक संयंत्रों को 70 से 75 प्रतिशत आपूर्ति दी जा रही है। आपूर्ति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त एलएनजी और आरएलएनजी की व्यवस्था की जा रही है। मार्च महीने में 2.9 लाख से अधिक नए पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं।

एलपीजी आपूर्ति भी सामान्य बनी हुई है। एक दिन में 55 लाख से अधिक घरेलू सिलेंडर वितरित किए गए हैं और किसी भी डीलर के पास गैस खत्म होने की सूचना नहीं है। ऑनलाइन बुकिंग 94 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड आधारित वितरण 53 प्रतिशत से बढ़कर 84 प्रतिशत हो गया है। कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर अब पूर्व स्तर के लगभग 70 प्रतिशत तक पहुंचाया गया है। 14 मार्च से अब तक 39,368 मीट्रिक टन वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति की गई है, जबकि एक दिन में लगभग 64,000 छोटे सिलेंडर बेचे गए।

सरकार ने राज्यों को अतिरिक्त 48,000 किलोलीटर मिट्टी तेल आवंटित किया है और कोयले की अतिरिक्त आपूर्ति भी सुनिश्चित की है, ताकि एलपीजी पर दबाव कम किया जा सके। जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्ती करते हुए देशभर में करीब 2900 छापे मारे गए हैं और लगभग 1000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। तेल विपणन कंपनियों ने 1200 से अधिक पेट्रोल पंप और गैस एजेंसियों का निरीक्षण किया है तथा अब तक 480 नोटिस जारी किए हैं।

समुद्रीय परिवहन में 18 भारतीय ध्वज वाले जहाज, जिनमें 485 नाविक सवार हैं, पश्चिमी फारस की खाड़ी क्षेत्र में मौजूद हैं। दो एलपीजी जहाज लगभग 94,000 मीट्रिक टन गैस लेकर भारत की ओर बढ़ रहे हैं, जिनमें से एक 31 मार्च को मुंबई और दूसरा 1 अप्रैल को न्यू मंगलुरु पहुंचेगा। देश के सभी बंदरगाहों पर संचालन सामान्य है और कहीं भी जाम की स्थिति नहीं है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि खाड़ी और पश्चिम एशिया में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। दूतावास 24 घंटे सक्रिय हैं और हेल्पलाइन के माध्यम से सहायता प्रदान की जा रही है। 28 फरवरी से अब तक करीब 5.24 लाख भारतीय स्वदेश लौट चुके हैं। विभिन्न देशों से भारत के लिए उड़ानें जारी हैं और जिन स्थानों पर हवाई क्षेत्र बंद है, वहां वैकल्पिक मार्गों से यात्रियों को लाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में मुठभेड़, पांच लाख का ईनामी नक्सली कमांडर मूचाकी कैलाश ढेर

एजेंसी

सुकमा। सुकमा जिले के पोलमपल्ली थाना क्षेत्र के जंगलों में रविवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। मुठभेड़ में 5 लाख का ईनामी नक्सली कमांडर मारा गया है। सुकमा के एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि माओवादियों की मौजूदगी की सूचना पर डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। इसी दौरान जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में जवानों और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर फायरिंग हुई। मुठभेड़ के बाद इलाके की तलाशी लेने पर एक नक्सली का शव हथियार सहित बरामद किया गया। मृत नक्सली की पहचान 5 लाख रुपये के इनामी पीपीसीएम कैडर के प्लाटून नंबर 31 के सेक्शन कमांडर मूचाकी कैलाश के रूप में हुई है। वह पूलनपाड़ गांव, चिंतलनार थाना क्षेत्र का निवासी था।

पुलिस के अनुसार, मूचाकी कैलाश कई बड़ी नक्सली वारदातों में शामिल रहा था, जिनमें नागरिकों की हत्या, सुरक्षाबलों पर हमले और आईईडी विस्फोट की साजिशें शामिल हैं। वहीं बस्तर रेंज के आईजी सुन्दरराज पट्टलिंगम ने कहा कि माओवादी कैडरों के पास आत्मसमर्पण और पुनर्वास का अवसर अब अंतिम चरण में है। उन्होंने नक्सलियों से अपील की कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटें और शांतिपूर्ण जीवन अपनाएं।

खूंटी में धूमधाम से मनाया गया खिजुर पर्व, पुण्य सप्ताह की हुई शुरूआत

बिभा संवाददाता

खूँटी । चालीस दिनों के लेंट उपवास के बाद रविवार को मसीही समुदाय ने श्रद्धा और उल्लास के साथ खिजुर पर्व मनाया। इस पर्व के साथ ही ईसाई धर्मावलंबियों के पुण्य सप्ताह (होली वीक) का शुभारंभ हो गया।

इस अवसर पर रोमन कैथोलिक, जीईएल, सीएनआई समेत विभिन्न चर्चों के श्रद्धालु खिजुर (पाम) की डालियां लेकर चर्च पहुंचे। जहां पुरोहितों और पादरियों द्वारा खिजुर की डालियों को आशीष प्रदान की गई। आशीष के उपरांत श्रद्धालु खिजुर लहराते हुए प्रभु यीशु मसीह का जयघोष करते हुए चर्च में प्रवेश किए। ह्लदाऊद के पुत्र की जयह्ल के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।

चर्च में उपस्थित पुरोहितों ने बताया कि आज के दिन येरुशलम की सड़कों पर प्रभु यीशु मसीह का राजा के रूप में स्वागत किया गया था। नगरवासियों ने उनके स्वागत में सड़कों पर खिजुर की डालियां और अपने वस्त्र बिछाए थे, जिससे वे उन्हें अपना आध्यात्मिक राजा मानते थे।

बाइबिल के अनुसार, यीशु मसीह ने विनम्रता का संदेश देते हुए गधे की सवारी कर येरुशलम में प्रवेश किया था। उनके साथ किसी प्रकार का राजसी तामझाम, सैनिक या शाही काफिला नहीं था, बल्कि सादगी और प्रेम का संदेश था।

खूँटी जिले में इस अवसर पर लगभग 5000 से अधिक श्रद्धालुओं ने चर्च पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त किया। संत मिखाईल विद्यालय मैदान से भव्य जुलूस निकाला गया, जो महागिरजा पहुंचकर समाप्त हुआ। इस दौरान बिशप विनय कण्डुलना ने अपने संदेश में कहा कि समाज में शांति, एकता और प्रेम का संदेश फैलाना ही इस पर्व का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में बिशप हाउस, विभिन्न पल्ली के सदस्य और जेसुइट फादरगण सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ट्रांसफार्मर खराब होने से 50 से अधिक घर में छाया अंधेरा

खूँटी । जिले के मुरहू प्रखण्ड अंतर्गत गनालोया गाँव के ट्रांसफार्मर खराब हो जाने के कारण पचास से अधिक घर रात को अंधेरे में बिताने को मजबूर हैं। पूर्व पंचायत समिति सदस्य भाजपा नेत्री उर्मिला देवी ने बताई कि गनालोया गांव में 100केवी का ट्रांसफार्मर लगा था। जिससे घर-घर विद्युत आपूर्ति होती थी लेकिन चार दिन पूर्व आंधी व बिजली कड़कने के साथ बारिश हुई थी। जिसके बाद से गाँव का ट्रांसफार्मर खराब हो गया है। तब से पचास से अधिक घर अंधेरा में है। इस कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों की पढ़ाई और काम-धाम में परेशानी हो रही है। वहीं ग्रामीणों ने नया ट्रांसफार्मर लगाने की मांग की है।

सरकारी चालक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पारिवारिक कलह की जताई आशंका

बिभा संवाददाता

सिल्ली : मुरी ओपी अंतर्गत फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार प्रखंड मुख्यालय स्थित सरकारी क्वार्टर में शनिवार देर रात सिल्ली अंचल अधिकारी अरुणिमा एक्का के सरकारी चालक राजकुमार गोंझू (35) ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना रात लगभग 12.00 बजे से 1.00 के बीच की बताई जा रही है। रविवार सुबह मुरी ओपी ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स, रांची भेज दिया। बताते चले की राजकुमार लंबे समय से पारिवारिक कलह और आर्थिक दबाव के बीच जूझ रहा था। पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होते थे, जिसके चलते दोनों एक ही क्वार्टर में अलग-अलग कमरों में रहने को विवश थे। आशंका जताई जा रही है कि लगातार तनाव ने उसे यह खौफनाक कदम उठाने के लिए मजबूर कर दिया। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब उसके छह वर्षीय पुत्र ने रात में शोर मचाया। बच्चे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और कमरे का दृश्य देखकर सन्न रह गए। देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मुरी ओपी प्रभारी राहुल कुमार ने बताया कि मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि संभवतः मृतक किसी मानसिक तनाव में था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी हुई है ।इस बीच यह भी जानकारी सामने आई है कि राजकुमार ने हाल ही में सिंगपुर मौजा में 5 डिसमिल जमीन खरीदने के लिए करीब 2 लाख रुपये नकद भुगतान किया था। रविवार को जमीन की मापी होनी थी, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित था। शनिवार शाम वह अपने दोस्तों को पुरी जाने के लिए मुरी स्टेशन छोड़ने गया था, लेकिन जमीन की मापी को प्राथमिकता देते हुए उनके साथ नहीं गया ।सोसोबेड़ा गांव निवासी राजकुमार अपने परिवार का मुख्य सहारा था। चार बहनों के बीच वह इकलौता भाई था और मजदूरी व ड्राइवरी कर पूरे परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में मातम पसरा हुआ है और हर कोई इस घटना से स्तब्ध है।

संक्षिप्त खबरें

हरिनाम संकीर्तन में संजीव सरदार शामिल हो कर की सुख-समृद्धि की कामना

जमशेदपुर(बिभा): पोटका प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में इन दिनों अखण्ड हरिनाम संकीर्तन का आयोजन भक्ति और आस्था के वातावरण में किया जा रहा है। वंही टाँगराइन पंचायत के केरकेटा ग्राम स्थित हरि मंदिर प्रांगण में सार्वजनिक अखण्ड हरिनाम संकीर्तन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विधायक संजीव सरदार ने भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हरिनाम संकीर्तन से मन की शुद्धि होती है और क्रोध, लोभ जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियां दूर होती हैं। कार्यक्रम में सोसो प्रधान, हेमंतो महाकुड, लाल बहादुर पुराण, रंजीत महाकुड, सुभाष पुराण सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। सानग्राम पंचायत स्थित जगन्नाथ मंदिर में चल रहे हरिनाम संकीर्तन कार्यक्रम में भी विधायक शामिल हुए और पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के कल्याण की कामना की। इस अवसर पर शंभूनाथ मिश्रा, तपन मंडल, निवारण मंडल, अभिषेक सरदार, पीयूष मंडल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शंकरदा पंचायत में श्री श्री सर्वजनिन अखण्ड हरिनाम संकीर्तन राधा गोविन्द संकीर्तन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विधायक संजीव सरदार ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और एकता का संचार करते हैं। मौके पर गणेश भगत, ईश्वर भगत, चांदीचरण गोप, समीर कुमार गोप, बादल भगत सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

सिविल डिफेंस ने राम नवमी विसर्जन जुलूस में जिले के विभिन्न स्थानों पर लगाया फर्स्ट ऐड कैम्प

जमशेदपुर(बिभा)। नागरिक सुरक्षा जमशेदपुर के उप नियंत्रक सह धालभूम अनुमण्डल पदाधिकारी अर्णव मिश्रा के निर्देश पर रामनवमी विसर्जन जुलूस में फर्स्ट ऐड कैम्प लगाया गया । सिविल डिफेंस के प्रधान सहायक सुरेश प्रसाद ने बताया कि इस अवसर पर साकची गोलचक्कर, मानगो गोलचक्कर, रंकिणी मंदिर कदमा, मानगो गांधी मैदान / हनुमान मंदिर में आदि जगहों में फस्टेड कैम्प तथा स्वर्णरेखा नदी मानगो एवं खरकई नदी दो मुहानी घाट, सोनारी, बेली बोधनवाला घाट बिष्टुपुर में नागरिक सुरक्षा के गोताखोर को एवं फस्टेड कैम्प लगाया गया । साथ ही नागरिक सुरक्षा के सभी स्वयं सेवकों एवं गोताखोर ने रामनवमी के शुभ अवसर पर शांति पूर्वक जुलूस को विसर्जन कराने के लिये विधि-व्यवस्था में जिला प्रशासन के सहयोग हेतु विभिन्न नदी घाटों, स्थानों पर प्रतिनियुक्ति की गई थी , जहां सभी स्वयं सेवक एवं गोताखोर अनुशासन वद्य पूर्वक अपने कार्यों को सफलता पूर्वक निर्वहन किया ।

2 अप्रैल को धूमधाम से मनाई जाएगी हनुमान जयंती

खलारी(बिभा)। गुलजारबाग में युगेश्वर राम की अध्यक्षता में रविवार को ग्रामीणों की एक बैठक हुई ।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 2 अप्रैल (गुरुवार) को हनुमान जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी ।बैठक में बताया गया कि जयंती कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 11:00 बजे से होगी ।इस अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद के रूप में खिचड़ी का वितरण किया जाएगा ।साथ ही सभी सनातन धर्मावलंबियों से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं ।वहीं बैठक में ग्रामीणों ने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित करते हुए यह निर्णय लिया कि प्रत्येक मंगलवार को शाम 7:00 बजे नियमित रूप से हनुमान आरती का आयोजन किया जाएगा ।बैठक में जिला परिषद सदस्य सरस्वती देवी, वार्ड सदस्य बेबी देवी, सुषमा देवी सहित विनीता देवी, कमला देवी, सुक्रमानी देवी, प्रतिमा देवी, अनीता देवी, प्रभा देवी, सुनीता देवी, संगीता देवी, इंद्री देवी, निशा देवी, लक्ष्मी देवी, सविता कुमारी, शंभू सिंह, आरके यादव, सोनू सिंह, मुकेश कुमार, रामदास नायक, बसंत कुमार साहू, राहुल प्रजापति, विजय कुमार रजक, बसंत मुंडा, मनोज विश्वकर्मा, लादू मुंडा, सुदुलारा, विंध्याचल राम, राम अयोध्या श्रीवास्तव, जितेंद्र सिंह सहित गुलजारबाग, जेहलाटांड़ कुम्हार बस्ती सहित आसपास के ग्रामीण उपस्थित थे।

सोसो में विहिप का कार्य विस्तार, लक्ष्मण सिंह बने कर्रा प्रखंड मंत्री

तोरपा(बिभा) । विश्व हिंदू परिषद द्वारा कार्य विस्तार के उद्देश्य से रविवार को सोसो गांव में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विभिन्न गांवों से पहुंचे सैकड़ों सनातनियों ने भाग लिया और हिंदू हित रक्षा के लिए शपथ ली। मौके पर विहिप के संगठन मंत्री उमेश मांझी एवं जिला मंत्री एमपी सिंह ने संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए कई लोगों को विहिप और बजरंग दल की सदस्यता दिलाई तथा उन्हें दायित्व भी सौंपे। कार्यक्रम में सोटेया निवासी लक्ष्मण सिंह को कर्रा प्रखंड मंत्री का दायित्व दिया गया। इस अवसर पर संगठन विस्तार को लेकर व्यापक चर्चा की गई और आने वाले समय में प्रखंड स्तर पर संगठन को मजबूत करने की बात कही गई।

मुरी में सरहुल मिलन समारोह का भव्य आयोजन, आदिवासी संस्कृति की झलक

बिभा संवाददाता

मुरीः रेलवे आदिवासी परिवार,मुरी शाखा द पू रेलवे के तत्वावधान में सरहुल बागान (मुरी रेलवे हॉस्पिटल के सामने) में सरहुल मिलन समारोह सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन हर्षोल्लास एवं पारंपरिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ ।कार्यक्रम में आदिवासी समाज की समृद्ध परंपरा, संस्कृति एवं प्रकृति-पूजा के प्रतीक सरहुल पर्व को उत्साहपूर्वक मनाया गया।

यह आयोजन डॉ. झरिया कच्छप के मार्गदर्शन में कुसुम मुंडा, डी.के. बड़ाइक,विशुन हेमरोम, निरंजन बाघवार, एलिजाबेथ जोसेफ,अरुण कुमार भगत, रतन साउंड, बलबीर सिंह, शिबू पहान,अशिम तिर्की, एस.ए. एक्का, एम.पी. तिर्की, आनंद तिर्की, अशिम तिर्की, अमित कुजूर, एम एल मांझी, प्रकाश उरांव, सहित अन्य जुझारू कार्यकताओं के सामूहिक प्रयास से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हटिया, रांची से कार्यक्रम की सफलता में एस.सी./एस.टी. एसोसिएशन के मंडल सचिव विनोद उरांव एवं सदस्यों - हेमलाल लकड़ा,रवि तिर्की, रमेश महली, सकलू उरांव, चुलवा उरांव, प्रदीप तिर्की, लालदेव उरांव, आर.के. उरांव, डी.एस. मुंडा, अरुण खलखो, अमर तिर्की, ए.जे. किंडो,भूषण मिंज, छोटेलाल बेदिया आदि का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिसमें उर्सलाइन स्कूल की प्रिंसिपल सरिता सिस्टर्स बोदरा , सिस्टर्स एवं छात्र-छात्राओं का दल, हिंदी मीडियम स्कूल छात्रा, अंग्रेजी मीडियम छात्रा, केंद्रीय सरना समिति (सिल्ली) अध्यक्ष गंदुरा उरांव , मांगरा पहान, भवानी मुंडा, नलिन मुंडा, बिरसा उरांव, एतवा उरांव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं समाचार मीडिया प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही ।इस अवसर पर मुख्य सहायक मंडल अभियंता मुरी,रांची मंडल,विशिष्ट अतिथि, एम. मिंज आरपीएफ प्रभारी,प्रिंसिपल सिस्टर्स सरिता बोदरा एवं समस्त सिस्टर्स की टीम एवं अन्य गणमान्य अतिथियों मुरी स्टेशन प्रबंधक, स्टेशन मास्टर, यार्ड मास्टर की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के संचालन निरंजन बाघवार ने किया। कार्यक्रम में पारंपरिक नृत्य, लोकगीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं सामूहिक सरहुल मिलन के माध्यम से आदिवासी संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत की गई। साथ ही रेलवे के विभिन्न विभागों–टीटीई, एसएसई, जेई, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर, टीआरडी, इंजीनियरिंग विभाग, मेडिकल विभाग,कॉमर्शियल विभाग आदि अन्य विभागों के सैकड़ों कर्मचारियों,स्थानीय दुकानदारों, आम जनमानस एवं युवा पीढ़ी की उपस्थिति ने आयोजन को ऐतिहासिक एवं यादगार बना दिया।

सड़क हादसे में सहिद अंसारी की दर्दनाक मौत

बिभा संवाददाता

बेड़ो/नरकोपी: बेड़ो थाना क्षेत्र में एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। करांजी से अपने घर लौट रहे सहिद अंसारी की रतनटोली के पास हुई भीषण दुर्घटना में मौत हो गई। यह हादसा कल शाम चार बजे हुआ, जब वे अपने ससुराल से भोगला टोली स्थित घर वापस आ रहे थे।

बताया जाता है कि हादसा इतना भीषण था कि सहिद अंसारी को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इस आकस्मिक दुर्घटना ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां पलभर में छीन लीं। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और पूरे गांव में मातम पसर गया। आसपास के क्षेत्रों में भी शोक की लहर दौड़ गई।

रविवार को दोपहर करीब चार बजे सहिद अंसारी का अंतिम संस्कार गमगीन माहौल में किया गया। अंतिम यात्रा में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण, परिजन और शुभचिंतक शामिल हुए। हर आंख नम थी और हर दिल दुख से भरा हुआ था। लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। इस दुखद घड़ी में बेड़ो प्रखंड के उपप्रमुख मुदस्सिर हक भी मौके पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में पूरा समाज परिवार के साथ खड़ा है और हर संभव मदद की जाएगी।

वहीं, कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के निर्देश पर मृतक की पत्नी को आर्थिक सहायता प्रदान की गई, ताकि इस विपत्ति की घड़ी में परिवार को कुछ राहत मिल सके।

तोरपा के धोवी सोसो में धूमधाम से मनाया गया रामजन्मोत्सव, सैकड़ों श्रद्धालुओं की सहभागिता

बिभा संवाददाता

तोरपा । प्रखंड अंतर्गत धोवी सोसो गाँव में रविवार को रामजन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर आसपास के गाँवों सहित विभिन्न जिलों से निमंत्रित सैकड़ों सनातनी श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए। पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा और लोगों ने इसे पर्व की तरह मनाया।

कार्यक्रम का संचालन दिलीप सिंह और लक्ष्मण सिंह ने किया। मौके पर, गुमला से आये विकास कुमार ने रामायण काल, महाभारत युग और वर्तमान समय की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। सोटेया निवासी लक्ष्मण सिंह ने वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए उपद्रवियों से किसी प्रकार का लेन-देन न करने और उन्हें गांव में प्रवेश न देने की अपील की।

विश्व हिंदू परिषद के एमपी सिंह ने गाँवों में एकता और सामाजिक समरसता पर जोर दिया, जबकि संगठन मंत्री उमेश मांझी ने संगठन विस्तार पर चर्चा करते हुए पंचायत स्तर पर समिति गठन की आवश्यकता बताई। इस दौरान दिलीप सिंह को पंचायत अध्यक्ष और लक्ष्मण सिंह को कर्रा प्रखंड मंत्री का दायित्व सौंपा गया। साथ ही सैकड़ों महिला-पुरुषों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की।

अंत में उमेश मांझी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। ग्रामीणों के अनुरोध पर हिंदी और नागपुरी भजनों के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। आयोजन की सफलता से क्षेत्र में संगठन के विस्तार और सामाजिक एकता को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। कार्यक्रम को सफल बनाने में अशोक सिंह, राजेश सिंह, सबल सिंह, विरेश्वर सिंह, अभिषेक सिंह, रामावतार सिंह, फागु साहु, शिवनारायण सिंह समेत चांपी, मिटकोरा, इचा, गरगंजी, जरीया, जम्हार, गुमडु, सोटेया और तिरला गांव के बजरंगी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। जिसटर प्रेस विज्ञप्ति जारी कर महेश प्रसाद सिंह ने जानकारी दी।

डकरा में धूमधाम से मनाया गया सरहुल महोत्सव, पारंपरिक नृत्य-संगीत से गूंजा इलाका

बिभा संवाददाता

खलारी। एनके एरिया सरना समिति के तत्वावधान में डकरा में सरहुल महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर डकरा स्थित सरना स्थल पर पाहन शिवचरण गंझू द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। पूजा के बाद विभिन्न गांवों से आए खोड़हा दलों ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर नृत्य-गान करते हुए आकर्षक सरहुल शोभायात्रा निकाली ।शोभायात्रा महाप्रबंधक कार्यालय के समीप मुख्य सड़क से होते हुए केडीएच सरना क्लब पहुंची, जहां सरहुल गीत एवं नृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एनके एरिया महाप्रबंधक दिनेश कुमार गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में कई जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता लालचंद विश्वकर्मा ने की, जबकि संचालन रंथू उरांव एवं सूरज मुंडा ने संयुक्त रूप से किया।

इस दौरान विभिन्न टीमों ने पारंपरिक आदिवासी नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दलों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।

सरहुल आदिवासी समाज का प्रमुख प्रकृति पर्व है, जो वसंत ऋतु के आगमन और नई फसलों की शुरूआत का प्रतीक माना जाता है। इस पर्व में खासतौर पर साल वृक्ष की पूजा की जाती है, जिसे प्रकृति और जीवन का आधार माना जाता है। पाहन (पुजारी) द्वारा गांव की सुख-समृद्धि, अच्छी बारिश और फसल के लिए ईश्वर से प्रार्थना की जाती है ।सरहुल में लोग नए कपड़े पहनते हैं, घरों की सफाई करते हैं और सामूहिक रूप से नृत्य-गान में भाग लेते हैं। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजती हैं, जबकि पुरुष ढोल, नगाड़ा और मांदर बजाते हैं। पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल रहता है और लोग एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं।

सरहुल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का माध्यम भी है। इस तरह के आयोजन से नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं और संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिलता है। डकरा में आयोजित यह कार्यक्रम भी आदिवासी संस्कृति की समृद्ध परंपरा और सामूहिकता की भावना को दर्शाता है।

जे-टेट 2026 में भूमिज भाषा की वापसी, मातृभाषा में परीक्षा का मौका मिलने से समाज में खुशी

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर/पोटका : झारखंड अधिविद्य परिषद द्वारा आयोजित शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 (जे-टेट) में जनजातीय भाषा भूमिज को पुनः शामिल कर लिया गया है। यह निर्णय पोटका के विधायक संजीव सरदार के लगातार प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है। इस संबंध में झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (प्राथमिक शिक्षा निदेशालय) द्वारा अधिसूचना संख्या 487/26.03.2026 जारी कर दी गई है, जिससे भूमिज समाज में खुशी की लहर दौड़ गई है।

तेंतला में आयोजित वार्ता में भूमिज विशेषज्ञ हरिश चंद्र सिंह भूमिज, जुड़ी पंचायत के मुखिया सुकलाल सरदार एवं भारतीय आदिवासी भूमिज समाज के प्रदेश अध्यक्ष रथु सिंह सरदार ने बताया कि जे-टेट 2012 और 2016 के बाद भूमिज भाषा को परीक्षा से हटा दिया गया था। इस मामले को लेकर विधायक संजीव सरदार ने मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री एवं विभागीय अधिकारियों से लगातार संवाद और पत्राचार किया। भूमिज समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि अब समाज के शिक्षित युवा अपनी मातृभाषा भूमिज में परीक्षा देकर अपने भविष्य को बेहतर बना सकेंगे। इसके लिए रांची, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों को परीक्षा केंद्र के रूप में नामित किया गया है। इस निर्णय से समाज के युवाओं में उत्साह का माहौल है और इसे उनके शैक्षणिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

विधायक संजीव सरदार एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही तत्कालीन शिक्षा मंत्री दिवंगत रामदास सोरेन के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समाज के लोगों ने बताया कि जल्द ही स्वागत एवं आभार यात्रा निकालकर विधायक संजीव सरदार, घाटशिला विधायक सोमेश सोरेन, जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी, विधायक समीर कुमार महंती एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा। मुख्य रूप से सतीश सरदार, पंसस मंजु सरदार, रामेश्वर सरदार, अमल सिंह, मनोरंजन सरदार, ईश्वरलाल सरदार, भृगुराम सरदार, अरूप सरदार, कृष्ण सिंह सरदार, विष्णु पद सरदार, सागर सरदार, लाल सरदार, अशीष सरदार आदि उपस्थित थे.

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन व आरके सिंह फैंस क्लब द्वारा साकची में लगाया गया सहायता शिविर

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन एवं आरके सिंह फैंस क्लब के सौजन्य से साकची गोलचक्कर के पास रामनवमी के अवसर पर सहायता शिविर लगाया गया। शिविर में श्रद्धालुओं के बीच शर्बत, चना का घुघनी का वितरण किया गया। हजारों श्रद्धालु शिविर में आकर चना के घुघनी एवं शर्बत का सेवन किये। यहां प्राथमिक उपचार भी किया गया।

शिविर में टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, महामंत्री आरके सिंह, एच एस सैनी, एस एन सिंह, एमके सिंह, अनिल शर्मा, प्रकाश विश्वकर्मा, प्रवीण कुमार, आरके सिंह फैंस क्लब के अध्यक्ष रवि सिंह, महामंत्री अजय सिंह बब्बू ,क्लब के कार्यकारी अध्यक्ष सुभाष चौधरी समेत अन्य पदाधिकारी, कमेटी मेंबर आदि मौजूद थे। शिविर में अध्यक्ष शशि भूषण प्रसाद, महामंत्री आरके सिंह समेत अन्य आगंतुक अतिथियों को अंगवस्त्र तथा पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। महामंत्री आरके सिंह ने कहा कि शहर की जनता एवं जिला प्रशासन रामनवमी के सौहार्दपूर्ण आयोजन में सहयोग के लिए बधाई के पात्र हैं। मैं भगवान श्रीराम जी से कामना करता हूं कि हम राम भक्तों पर इसी तरह कृपा बनाएं रखें।

लूट और डकैती की घटनाओं को अंजाम देने वाले 10 अपराधी गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में लूट और डकैती की घटनाओं को अंजाम देकर दहशत फैलाने वाले गिरोह पर रांची पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। रांची पुलिस टीम ने गिरोह के 10 अपराधियो को एक साथ गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार अपराधियों में जहीर उर्फ खान, फरहान खान उर्फ बब्लु, शेख जीमल, अरसलान खान, मो फैजान, सोएब अंसारी, सहबाज सलमान, कासिफ युसूफ, शेख मुज्जमिल उर्फ माखन और राजा खान उर्फ खानता शामिल हैं। इनके पास से एक देसी रिवाल्वर, चार गोली, दो आई फोन, चार अन्य कंपनी के मोबाईल, छह चाकू, एक टूल बॉक्स, दो स्कूटी, एक बाइक, एक कार सहित अन्य सामान बरामद किये गये है।

डोरंडा में अपना मार्ट में लूट, पुंदाग में पेट्रोल पंप में डकैती, उसके बाद रांची के बीआईटी में दो पेट्रोल पंप, टाटीसिलवे स्थित पेट्रोल पंप में डैकती के बाद ओरमांझी में एक दुकानदार को लूट के क्रम में चाकू मार कर इस गिरोह ने रांची में दहशत फैला दिया था।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए रांची के एसएसपी राकेश रंजन ने अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए एक एसआईटी का गठन किया। एसआईटी में रांची के ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर और सिटी एसपी पारस राणा के सहयोग से बेहतरीन काम करते हुए गिरोह के 10 अपराधियो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियो के पास से हथियार ,लूट के पैसे भी बरामद किए गए हैं।

इस मामले को लेकर रविवार को रांची के ग्रामीण एसपी और सिटी एसपी ने संयुक्त रूप से जानकारी दी। ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि रांची जिलान्तर्गत विगत दिनों में विभिन्न थाना क्षेत्र में घटित लूट-पाट की घटनाओं का उद्भेदन, संलिप्त गिरोह के 10 अपराधकर्मी गिरफ्तार किए गए हैं।

एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों ने पूछताछ में बताया कि पुन्दाग पेट्रोल पंप, बीआईटी ओपी क्षेत्र के दो पेट्रोल पंप, टाटीसिल्वे गेल सीएनजी पंप पर लूटपाट, डोरंडा थाना क्षेत्र के एक दुकान में लूटपाट और ओरमांझी थाना क्षेत्र के मेहता होटल के पास के एक दुकान में लूटपाट और दुकानदार को चाकू मारने की बात स्वीकार की है। इस घटना में संलिप्त अन्य चिन्हित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए सघन छापामारी की जा रही है।

गैंगस्टर प्रिंस खान का शूटर गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। रांची पुलिस कुख्यात अपराधी प्रिंस खान गैंग पर नकेल कसने के लिए लगातार कारवाई कर रही है। इसी क्रम में प्रिंस खान के खास शूटर सचिन यादव को रांची पुलिस के जरिये गिरफ्तार किया है। सचिन यादव टिटोस रेस्त्रां में हुई गोलीबारी में शामिल था। इस वारदात में रेस्त्रां के एक वेटर की गोली लगने की वजह से मौत हो गई थी।

रांची पुलिस ने प्रिंस खान गिरोह के कुख्यात अपराधी सचिन यादव को गिरफ्तार कर लिया है। 08 मार्च को टिटोस रेस्त्रां में हुई गोलीबारी में सचिन यादव भी शामिल था। सचिन यादव ने ही प्रतिष्ठान पर फायरिंग की थी, जिसमें मनीष गोप नाम के वेटर की मौत हो गई थी।

रांची सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि पिछले साल 27 दिसंबर को ग्राम लोधमा स्थित टिटोस रेस्त्रां के मालिक राजकुमार गोप, उनके दो साथी पुष्कर महतो और पिंटु कच्छप को संगठित आपराधिक गिरोह प्रिंस खान के जरिये इंटरनेट कॉल के माध्यम से ऑडियो मैसेज भेज कर एक करोड़ रुपए रंगदारी की मांग की गई। पैसे नहीं देने पर लगातार धमकियां दी जा रही थी। इसी क्रम में जब रंगदारी के पैसे नहीं मिले तो अपने गिरोह के लड़कों के माध्यम से 08 मार्च 2026 को टिटोस रेस्टोरेंट में फायरिंग करवायी गई थी, जिसमें रेस्टोरेंट के एक स्टाफ को गोली लगी, जिससे उसकी मृत्यु हो गई थी। इस मामले का खुलासा करने के लिए एक एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल चार अपराधियों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

अनुसंधान के क्रम में घटना को अंजाम देने वाले प्रमुख शूटर के रुप में सचिन यादव की पहचान की गयी थी। जिसके विरुद्ध लागातर छापेमारी करते हुए एसआईटी ने सचिन यादव को गिरफ्तार किय। पूछताछ के क्रम में उसकी निशानदेही पर घटना के समय पहने हुए कपड़ा और आर्म्स बरामद किया गया है। बरामद हथियार के सबंध में अलग से एयरपोर्ट थाना कांड सं-15/26 दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

सिटी एसपी ने बताया कि सचिन यादव को रेस्टोरेंट पर फायरिंग करने के लिए एक लाख रुपये मिलने वाले थे। लेकिन फायरिंग के बाद भी उसे एक लाख रुपये नहीं मिले।

एसपी ने बताया कि सचिन यादव धनबाद के पुटकी का रहने वाला है। इसका पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है।

संक्षिप्त खबरें

श्री राधा- कृष्ण प्रणामी मंदिर में अन्नपूर्णा महाप्रसाद का हुआ आयोजन

रांची (बिभा): डा. संत शिरोमणी स्वामी सदानंद महाराज जी के सानिध्य में श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर पुंदाग राँची मे 259 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री राधा रानी जी का दिव्य आकर्षक आभूषणों से अलंकृत कर अलौकिक श्रृंगार किया गया। तत्पश्चात महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई। मंदिर परिसर में उपस्थित 2 हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। तत्पश्चात भजन- संध्या में ट्रस्ट के भजन गायकों ने अपने मनमोहक सुमधुर भजनों श्रोताओं को खूब झुमाया। तथा श्री राधा कृष्ण के जयकारा से पूरा वातावरण कृष्णमय एवं भक्तिमय बन गया। ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि श्री राधा कृष्ण मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा तथा 4 हजार से अधिक श्रद्धालुओं में दर्शन किये। इस अवसर पर-डूंगरमल अग्रवाल,राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान,मनोज कुमार चौधरी,पूरणमल सर्राफ,सुरेश अग्रवाल,नंदकिशोर चौधरी, संजय सर्राफ,सुरेश भगत, पवन पोद्दार, ज्ञान चंद्र शर्मा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

डीसीए प्रीमियर लीग: हाटिया क्रिकेट अकादमी की शानदार जीत

रांची(बिभा) : धुर्वा क्रिकेट अकादमी द्वारा आयोजित डीसीए प्रीमियर लीग में हाटिया क्रिकेट अकादमी और गोस्वामी क्रिकेट अकादमी के बीच मुकाबला खेला गया। टॉस जीतकर गोस्वामी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए गोस्वामी क्रिकेट अकादमी ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 109 रन बनाए। टीम की ओर से अध्यांश चौधरी ने शानदार 61 रनों की पारी खेली। गेंदबाजी में आरोन राज मुर्मू ने 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए हाटिया क्रिकेट अकादमी ने 18.3 ओवर में 4 विकेट खोकर 110 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। टीम की ओर से अंश आंजनेय ने 31 रनों का योगदान दिया। अंश आंजनेय को उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

युवक का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

रांची(बिभा)। पुलिस ने नामकुम थाना क्षेत्र से एक युवक का शव बरामद किया है। मृत युवक की पहचान लोवाडीह निवासी राहुल कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि राहुल सुबह अपने दोस्तों के साथ मारासिली पहाड़ गया था। इसके बाद वहां बेहोशी अवस्था में पड़ा मिला। लोगों ने मामले की जानकारी नामकुम थाने की पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और अस्पताल भेजा, जहां उसकी मौत हो गई। नामकुम थाना प्रभारी ने बताया कि घटनास्थल पर खून गिरा हुआ मिला है। उन्होंने कहा कि यह मामला खुदकुशी का प्रतीत हो रहा है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हत्या के सही वजह के बारे में पता चल पाएगा। पुलिस इस पूरे मामले की गहन जांच पड़ताल कर रही है।

श्याम मन्दिर में श्रद्धा भाव से मना कामदा एकादशी उत्सव

रांची(बिभा)। रांची के अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में रविवार को कामदा एकादशी उत्सव अत्यंत श्रद्धा भाव के वातावरण में आयोजित किया गया ।प्रातः से ही श्री श्याम प्रभु का दर्शन करने के लिए की भारी भीड़ इस पावन दिवस पर उमड़ पड़ी। इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को सुंदर नवीन वस्त्र (बागा) पहनाकर स्वर्ण आभूषणों से अलंकृत कर जूही , बेला , रजनीगंधा , गुलाब , एवम तुलसी दल की मालाओं से अत्यंत मनमोहक श्रृंगार किया गया। साथ ही मन्दिर में विराजमान बजरंगबली एवं शिव परिवार का भी इस अवसर पर विशेष श्रृंगार किया गया ।रात्रि में श्री श्याम प्रभु के जयकारों की बीच पावन ज्योत प्रज्वलित कर श्री श्याम मण्डल के सदस्यों द्वारा भावपूर्ण संकीर्तन किया गया। इन भजनों की लय पर भक्त झूमते रहे। इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को विभिन्न प्रकार के मेवा फल, खीर, चूरमा और केसरिया दूध का भोग अर्पित किया गया। वहीं रात्रि में महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ओम जोशी, रमेश सारस्वत, चन्द्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, मनोज , प्रदीप अग्रवाल , नितेश केजरीवाल सहित अन्य का सहयोग रहा ।

राज्यपाल ने निर्माणाधीन अत्याधुनिक पुस्तकालय का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को रांची के मोरहाबादी स्थित निमार्णाधीन अत्याधुनिक पुस्तकालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अभियंताओं और कर्मियों से निर्माण कार्य की प्रगति की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान राज्यपाल ने कहा कि यह परियोजना केवल एक भवन नहीं, बल्कि ज्ञान, अध्ययन और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) और कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) के तहत दिए गए योगदान की सराहना की।

राज्यपाल ने विश्वास जताया कि रांची को जल्द ही एक वर्ल्ड क्लास मॉडर्न लाइब्रेरी मिलेगी। उन्होंने बताया कि यह छह मंजिला पुस्तकालय अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जहां एक साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययन कर सकेंगे। यह पुस्तकालय न केवल रांची बल्कि पूरे झारखंड के युवाओं के लिए ज्ञान और आत्मविकास का प्रमुख केंद्र बनेगा।

राज्यपाल ने कहा कि यह लाइब्रेरी प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए एक उत्कृष्ट वातावरण प्रदान करेगी और उनके सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राज्यपाल ने यह भी बताया कि उनके कार्यकाल के दौरान बरेली में भी इसी तरह की आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक मॉडल लाइब्रेरी स्थापित की गई थी।

इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि यह पहल खासकर ग्रामीण और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी, जिन्हें अक्सर संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय के प्रथम तल पर देश के वीर सपूतों के चित्र और उनकी जीवनियां प्रदर्शित की जाएंगी, ताकि छात्र-छात्राएं उनसे प्रेरणा ले सकें।

संजय सेठ ने कहा कि यह आधुनिक पुस्तकालय देश के चुनिंदा लाइब्रेरी में शामिल होगा और इसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी अलग से अध्ययन और बैठने की व्यवस्था की जाएगी।

हज यात्रियों का पहला जत्था 18 अप्रैल से होगा रवाना : इरफान

बिभा संवाददाता

रांची। मंत्री सह हज कमेटी के अध्यक्ष इरफान अंसारी ने कहा कि पहला जत्था 18 अप्रैल को कोलकाता से प्रस्थान करेगा। 18 से 23 अप्रैल तक वे स्वयं कोलकाता एयरपोर्ट पर मौजूद रहकर हाजियों को विदा करेंगे। मंत्री रविवार को रांची के कडरू स्थित हज हाउस में रविवार को हज यात्रियों के लिए आयोजित एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम में बोल रहे थे। मंत्री ने कहा कि इस वर्ष लगभग 1530 हाजियों को हज यात्रा पर भेजा जाएगा, जिनमें 250 मुंबई, 246 दिल्ली और 1036 कोलकाता से रवाना होंगे। उन्होंने हाल के दिनों में खाड़ी देशों की परिस्थितियों को लेकर फैल रही अफवाहों पर विराम लगाते हुए कहा कि स्थिति पूरी तरह सामान्य है। उन्होंने बताया कि वे भारत सरकार और संबंधित एजेंसियों के संपर्क में हैं। अबतक कोई ऐसी आधिकारिक गाइडलाइन जारी नहीं हुई है, जिससे हज यात्रा प्रभावित हो। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हाजियों के लिए सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हैं। किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी।

मौके पर आफताब अहमद, हाजी शम्स तबरेज, इकराम अंसारी सहित बड़ी संख्या में हाजी मौजूद थे।

एचईसी की समस्याओं को लेकर संघ ने रक्षा राज्य मंत्री से की मुलाकात

बिभा संवाददाता

रांची। हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) की समस्याओं को लेकर एचईसी मजदूर संघ के कार्यकताओं ने रविवार को संघ के महामंत्री रमाशंकर प्रसाद के नेतृत्व में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने एचईसी की समस्याओं से मंत्री को जानकारी दी।

रमाशंकर प्रसाद ने बताया कि एचईसी लंबे समय से आर्थिक, प्रशासनिक और उत्पादन संबंधी कठिनाइयों से जूझ रहा है। उन्होंने कर्मचारियों के बकाया वेतन का भुगतान संहिता ने समस्याओं की ओर सेठ का ध्यान आकृष्ट कराया।

प्रतिनिधिमंडल ने सेठ से एचईसी के पुनर्जीवन के लिए ठोस और त्वरित कदम उठाने की मांग की।

मौके पर रक्षा राज्य मंत्री ने मजदूरों की बातों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि सरकार इस दिशा में सकारात्मक पहल करेगी और संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर समस्याओं के समाधान का प्रयास किया जाएगा।

हटिया कामगार का सम्मेलन 12 अप्रैल को

रांची। हटिया कामगार यूनियन कार्यालय, धुर्वा में कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक रविवार को आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केपी साहु ने की, जबकि नेतृत्व उपाध्यक्ष लालदेव सिंह ने किया। बैठक में यूनियन के सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से 12 अप्रैल 2026 को यूनियन का सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए लालदेव सिंह ने बताया कि सम्मेलन में केवल यूनियन के सदस्य ही शामिल होंगे। इसके लिए सदस्यता अभियान तुरंत शुरू कर आठ अप्रैल तक एचईसी क्षेत्र में चलाया जाएगा। यूनियन ने बताया कि कोई भी मजदूर 50 रुपये देकर सदस्य बन सकता है और सम्मेलन में नए पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव करेगा। मौके पर एचईसी के कई मजदूर और कर्मी मौजूद थे।

रांची में दर्दनाक सड़क हादसा: अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आए दो चचेरे भाई, मौके पर मौत

बिभा संवाददाता

रांची : रांची जिले के अनगड़ा थाना क्षेत्र में रविवार को एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया, जहां एक अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया। इस भीषण हादसे में दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार, अनगड़ा थाना क्षेत्र के चमघाटी के पास नवाडीह निवासी चचेरे भाई प्रभात महतो और अनिल महतो बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, ट्रक काफी तेज गति में था और उसका ब्रेक फेल हो गया था, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा। हादसे के बाद ट्रक सड़क से नीचे जा गिरा और उसका एक पहिया भी अलग होकर दूर जा गिरा।

घटना की सूचना मिलते ही अनगड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स अस्पताल भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है।

डीएसपी सिल्ली अनुज ने बताया कि अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से दोनों युवकों की मौत हुई है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जैसे ही हादसे की खबर मृतकों के घर पहुंची, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजन और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए, जहां माहौल गमगीन हो गया।

ट्रेड फेयर में उमड़ी भारी भीड़, इंटरनेशनल स्टॉल बना मुख्य आकर्षण का केंद्र

बिभा संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर और जीएस मार्केटिंग के संयुक्त तत्वावधान में मोरहाबादी मैदान में आयोजित ट्रेड फेयर में रविवार को लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली।

छुट्टी के दिन का लाभ उठाते हुए बड़ी संख्या में शहरवासियों ने मेले का रुख किया।

ट्रेड फेयर में पहुंचे लोगों ने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण किया और घरेलू उपयोग की वस्तुओं से लेकर सजावटी सामान, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक आइटम सहित कई उत्पादों की खरीदारी की। परिवार और बच्चों के साथ पहुंचे लोगों ने खरीदारी के साथ-साथ मनोरंजन का भी आनंद लिया।

मेले में लगाए गए स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहे। खासतौर पर इंटरनेशनल स्टॉल पर लोगों को अधिक भीड़ दिखी। अफगानिस्तान के ड्राई फ्रूट की पूरी रेंज उपलब्ध है। अफगानिस्तान के स्टॉल पर भी लोग ड्राई फ्रूट्स की खरीदारी करते नजर आए। थाईलैंड का फुटवेयर भी लोगों को भा रहा है। यहां फुटवेयर 700 रुपये में मिल रहे हैं। फुटवेयर के स्टॉल पर सबसे अधिक भीड़ लड़कियों की हो रही है। बंग्लादेश कि साड़ी भी लोगों को खूब पसंद आ रही है। यहां साड़ी दो से 10 हजार रुपए तक में बिक रहा है।

ट्रेड फेयर में तीन हजार रुपए की खरीदारी करने पर एक आकर्षक उपहार दिया जा रहा है। गिफ्ट काउंटर पर बिल दिखाने के बाद उपहार ले सकते हैं। वहीं, कई स्टॉल में उत्पादों पर छूट मिल रहा है। फर्नीचर आइटम पर भी भारी डिस्काउंट दिया जा रहा है। वहीं, रसोई में प्रयोग होने वाले 150 से अधिक उत्पाद बिक रहे हैं।

इसे लेकर झारखंड चेंबर के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि इस बार ट्रेड फेयर को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। रविवार को उम्मीद से कहीं अधिक भीड़ उमड़ी, जिससे यह साफ है कि लोग ऐसे आयोजनों का इंतजार करते हैं। इस मेले में स्थानीय व्यापारियों के साथ-साथ देश-विदेश के विक्रेताओं को भी एक बेहतर मंच मिला है। इससे न सिर्फ व्यापार को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि शहर के लोगों को एक ही स्थान पर विविध उत्पादों की खरीदारी का अवसर मिल रहा है। आने वाले दिनों में भी हम और अधिक भीड़ और बेहतर कारोबार की उम्मीद कर रहे हैं।

इस अवसर पर चेंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष प्रवीण लोहिया, राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, उपसचिव नवजोत अलंग, रोहित पोद्दार, कोषाध्यक्ष अनिल अग्रवाल सहित कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे।

अखिल भारतीय सुंडी शौंडिक समाज की वर्चुअल बैठक सम्पन्न

बिभा संवाददाता

राँची : अखिल भारतीय सुंडी शौंडिक समाज की वर्चुअल बैठक रविवार को देर रात 10 बजे तक चली। बैठक की अगुवाई का मुख्य केंद्र बिंदु छत्तीसगढ़ प्रदेश की राजधानी रायपुर से शिवरतन प्रसाद गुप्ता जी कर रहे थे। इस बैठक में नेपाल से परमेश्वर महासेठ अध्यक्ष नेपाल सुंडी महासंघ एवं महामंत्री राम उद्धार महासेठ जी शुरू से अंत तक बैठक में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए अपने सांगठनिक अनुभव को साझा किए। मुंबई से रमेश राउत जी, दिल्ली से रंजन कुमार जी, बिहार मधुबनी से सुमन महासेठ जी, प्रहलाद पूर्वे जी,पटना हाजीपुर से श्यामसुंदर प्रसाद जी, आसाम से रामनाथ सुंडी जी झारखंड प्रदेश से बीरेंद्र साहु जी, सनत मंडल जी, उड़ीसा से विक्रम साहु जी, पुणे से संजय गुप्ता जी ने वर्चुवल उपस्थित होकर अखिल भारतीय स्तर पर पूरे देश में सुंडी शौंडिक समाज को एक छतरी,एक संगठन, एक पहचान, एक प्रतीक चिन्ह, एवं आगामी कार्य योजना विस्तृत रूप से चर्चा की गई । जल्द ही अगली बैठक झारखंड प्रदेश में कहीं भौतिक व्यवस्था करने हेतु गहन विचार मंथन किया जा रहा है। वर्छुवल बैठक में अपने समाज से नेपाल देश के नवनियुक्त प्रधानमंत्री श्री बालेंद्र शाह जी एवं सुंडी शौंडिक समाज से उनके मंत्रिमंडल में शामिल श्री दीपक शाह, सांसद रविन महतो, श्री किशोरी शाह जी के साथ ही वैश्य समाज से अन्य 11 सांसदों को निर्वाचित होने पर श्री परमेश्वर महासेठ जी के द्वारा टेलीफोनिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम का वर्चुवल संचालन शिवरतन प्रसाद गुप्ता ने किया एवं अंत में सभी सम्मानित साथियों को वर्चुअल बैठक में शामिल होने पर धन्यवाद ज्ञापन बीरेंद्र साहु ने कर बैठक की अगली व्यवस्था तक स्थगित किया गया ।

राष्ट्र-निर्माण में जिम्मेदार भागीदारी हो शिक्षा का मूल उद्देश्य : डीआईजी आनंद प्रकाश

बिभा संवाददाता

बोकारो : 'शिक्षा का उद्देश्य केवल पढ़-लिखकर अच्छी नौकरी पा लेना ही नहीं, बल्कि एक अच्छा इंसान, अंदर से अच्छा व्यक्तित्व और समाज व देश के प्रति एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में तैयार होना है। बच्चे एक लक्ष्य तय कर उसे प्राप्त करने की दिशा में पूरी लगन, मेहनत, पूर्ण क्षमता व निरंतरता के साथ आगे बढ़ें तथा राष्ट्र-निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाएं।' उक्त बातें कोयला क्षेत्र (बोकारो) के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) आनंद प्रकाश (भापुसे) ने कहीं। शनिवार को डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) बोकारो में पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षांत सम्मान समारोह (ग्रेजुएशन सेरेमनी) को वे बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों द्वारा किए गए परिश्रम को स्मरणीय बनाने तथा उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस समारोह में ग्रेजुएशन गाउन पहने कुल 272 छात्र-छात्राओं को विधिवत ग्रेजुएट कैप और लाल फीते में लिपटा सर्टिफिकेट व रिपोर्ट कार्ड देकर सम्मानित किया गया। उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डीआईजी श्री प्रकाश ने समग्र विकास के लिए सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी सक्रिय सहभागिता तथा निरंतर सीखते रहने की प्रेरणा भी दी। उन्होंने डीपीएस बोकारो की शैक्षणिक उत्कृष्टता की चर्चा करते हुए सम्मानित विद्यार्थियों सहित समस्त विद्यालय परिवार को आगामी माणिक जयंती के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर प्राइमरी छोड़कर सीनियर इकाई में जाने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में उनके कनीय छात्र-छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। रंग-बिरंगे पोशाकों में सजे-धजे बच्चों ने नृत्य और संगीत का सुंदर संगम दिखाकर सबकी भरपूर सराहना पाई। अतिथियों के स्वागत एवं दीप-प्रज्जवलन के उपरांत स्वागत गान आओ गाएं शुभ गान... एवं विद्यालय गीत आया है नया सवेरा... के सुरीले सामूहिक गायन से बच्चों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद कक्षा 3 व 4 के छोटे-छोटे विद्यार्थियों ने आर्केस्ट्रा में सम्मिश्रित प्रेरक गीतों पर सुर, ताल और लय मेंआपसी सामंजस्य का ऐसा अनूठा प्रदर्शन किया कि सभी मंत्रमुग्ध हो उठे। सामूहिक गायन, एक साथ कई नन्हे तबलावादकों व ढोलकवादकों की प्रस्तुति तथा की-बोर्ड, गिटार, क्लैप बॉक्स व अन्य वाद्ययंत्रों पर उनकी मजबूत पकड़ ने उनकी प्रतिभा को बखूबी प्रदर्शित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में विद्यार्थियों ने मनभावन राजस्थानी लोकनृत्य की प्रस्तुति से वहां की संस्कृति का जीवंत मंचन कर सबकी भरपूर तालियां बटोरीं।

रील की बजाय रीयल लाइफ पर फोकस करें बच्चे : प्राचार्य

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने मुख्य अतिथि सहित सभी विद्यार्थियों व अभिभावकों का स्वागत किया। इसके बाद प्राइमरी से सीनियर विंग में आने के परिवर्तनकारी पड़ाव को विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण अध्याय बताया। उन्होंने आज के तकनीकी व डिजिटल दौर की महत्ता रेखांकित करते हुए बच्चों को रील लाइफ की बजाय रियल लाइफ पर ज्यादा फोकस करने को कहा। उन्हें कम स्क्रीन टाइम, घर के बाहर खेलने-कूदने, किताबें पढ़ने और परिवार के सदस्यों के साथ मजबूत जुड़ाव बनाए रखने की प्रेरणा दी। अभिभावकों को भी अपने बच्चों के साथ समय व्यतीत करने पर उन्होंने बल दिया। साथ ही, अनुशासन व ईमानदारी का पाठ पढ़ाते हुए अपने परिश्रम व लगन से विद्यालय के गौरवपूर्ण अतीत व गरिमामयी यात्रा को अविरल बनाए रखने का आह्वान भी किया। इस क्रम में प्राचार्य ने मुख्य अतिथि को स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। पूरे आयोजन के दौरान बच्चों का उत्साह देखते ही बन पड़ रहा था। इस अवसर पर विद्यालय परिसर की साज-सज्जा और रंग-बिरंगे गुब्बारों की सजावट आकर्षण का केंद्र रही। बच्चों और उनके अभिभावकों ने सेल्फी प्वाइंट में खूब तस्वीरें खींची और खिंचवाईं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

चास पुरुलिया रोड शनि ठाकुर बाड़ी में भोग वितरण का 200वां सप्ताह धूमधाम से मनाया गया

बिभा संवाददाता

बोकारो : चास पुरुलिया रोड स्थित श्री श्री शनि ठाकुर बाड़ी में शनि सेवकों द्वारा आयोजित भोग वितरण का गौरवपूर्ण 200वां सप्ताह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विशेष पूजा और संध्या में विशेष आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोकारो उपायुक्त श्री अजय नाथ झा और पुलिस अधीक्षक श्री हरविंदर सिंह ने पूजा-अर्चना कर भंडारे की शुरूआत की। विशिष्ट अतिथियों में चास डीएसपी श्री प्रवीण सिंह और डॉ. परिंदा सिंह शामिल रहे, जिन्होंने शनि सेवकों को सम्मानित कर उनके सामाजिक कार्यों की सराहना की। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शनि सेवकों का योगदान सराहनीय रहा। यह आयोजन स्थानीय समुदाय की धार्मिक निष्ठा और सेवा भावना को दशार्ता है।

चुआड़ विद्रोह के नायक रघुनाथ महतो की मूर्ति का भूमिपूजन, 5 अप्रैल को अनावरण

बिभा संवाददाता

चंदनकियारी (बोकारो): चुआड़ विद्रोह के नायक बलिदानी रघुनाथ महतो के बलिदान दिवस के अवसर पर आगामी 5 अप्रैल को चंदनकियारी के अस्पताल मोड़ के समीप उनकी आदमकद मूर्ति का अनावरण समारोह आयोजित होगा। इसकी तैयारी को लेकर रविवार को समारोह स्थल पर ग्रामीणों ने भूमिपूजन किया। जेएलकेएम के केंद्रीय महासचिव अर्जुन रजवार के नेतृत्व में स्थानीय ग्रामीणों और पार्टी कार्यकताओं ने भूमिपूजन कर मूर्ति स्थापना की प्रक्रिया शुरू की। अर्जुन रजवार ने कहा, ₹रघुनाथ महतो के संघर्ष की गाथा अनुकरणीय है। समाज उत्थान में उनका योगदान अतुलनीय है।₹ उन्होंने बताया कि मूर्ति का अनावरण जेएलकेएम सुप्रीमो व डुमरी विधायक जयराम महतो द्वारा किया जाएगा। मौके पर गुणाराम महतो, विद्युत कुमार, सीमंत रजक, बिरू महतो, चंदन कुमार बाऊरी, पटेल चंद्र महतो, शमशुद्दीन अंसारी, इस्त्राइल अंसारी, गुरूपद महतो, परमेश्वर महतो, शांतिराम महतो, सुरेंद्र महतो, अश्विनी कुमार महतो, अजय कुमार महतो सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

चिन्मय मिशन चास: श्रीराम दूध हनुमान मंदिर के चौथे वार्षिक उत्सव का कलश यात्रा से भव्य शुभारंभ

चास (बोकारो)(बिभा) : चिन्मय मिशन चास द्वारा श्रीराम दूध हनुमान मंदिर के चौथे वार्षिक उत्सव का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ धूमधाम से हुआ। 6 अप्रैल तक चलने वाले इस सात दिवसीय उत्सव में कानपुर से पधारे स्वामी राघवानंद जी और अकोला (महाराष्ट्र) से आए स्वामी केशवानंद जी के प्रवचनों से ज्ञान अमृत की वर्षा होगी। सुबह 6:30 बजे श्रीराम दूत हनुमान मंदिर परिसर, भोजपुर कॉलोनी से प्रारंभ हुई कलश यात्रा में हजारों महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। यात्रा सेक्टर वन खटाल, तिरंगा पार्क (जहां विधिवत पूजन हुआ), कैंप-2, चेक पोस्ट और गुजरात कॉलोनी होते हुए वापस मंदिर पहुंची। चिन्मय मिशन के युवा, वृद्ध और महिलाओं ने भक्तिमय योगदान दिया। कार्यक्रम में चिन्मय मिशन के अध्यक्ष श्री राजू पांडे, श्री बृज बिहारी मिश्रा, कोषाध्यक्ष श्री विनोद कुमार, संदीप तिवारी, देवेश त्रिपाठी, टुनटुन मिश्रा, पंकज मिश्रा, रेणु देवी, कंचन देवी, पद्मा पांडे, नीता देवी, विभा तिवारी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे। मिशन के सचिव श्री बृज भूषण त्रिपाठी ने बताया कि 5 अप्रैल को सेक्टर-1बी के मैदान में विराट हनुमत यज्ञ होगा। चिन्मय मिशन के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इसमें करीब पांच हजार लोग सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और ज्ञान यज्ञ में भाग लेंगे।

सेल्फी के चक्कर में युवक की करंट से मौत, साथी घायल

बोकारो(बिभा): रेलवे गुड शेड के डम्प यार्ड में सेल्फी और रील बनाने का क्रेज दो युवकों को महंगा पड़ गया। हाई टेंशन तार की चपेट में आने से एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से झुलस गया। जानकारी के मुताबिक, बारी को-ऑपरेटिव निवासी कौशिक शर्मा और सेक्टर-12 के अभिमन्यु चटर्जी सहित सात युवक रविवार को बोकारो रेलवे गुड शेड के हम्प यार्ड पहुंचे थे। अभिमन्यु ट्रेन पर चढ़कर फोटो ले रहा था, तभी 25 हजार वोल्ट के हाई टेंशन तार से वह करंट की चपेट में आ गया। उसे बचाने पहुंचे कौशिक भी तार के संपर्क में आ गए और बुरी तरह झुलस गए। आरपीएफ ने घायलों को तत्काल बोकारो जनरल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने कौशिक को मृत घोषित कर दिया बताया जा रहा है कि मृतक पेंटाकोस्टल स्कूल का छात्र था। अभिमन्यु का इलाज जारी है। आरपीएफ एएसआई अरुणा उरांव ने बताया कि बाकी पांच युवक सुरक्षित हैं, लेकिन इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद के पंचांगयुक्त कैलेण्डर का लोकार्पण

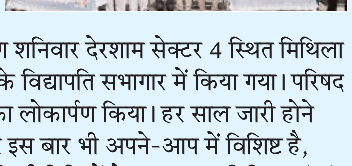

बोकारो(बिभा)। बोकारो में मैथिलों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की ओर से तैयार वार्षिक पंचांगयुक्त कैलेण्डर 2026-27 का लोकार्पण शनिवार देरशाम सेक्टर 4 स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के विद्यापति सभागार में किया गया। परिषद के पदाधिकारियों ने इसका लोकार्पण किया। हर साल जारी होने वाला परिषद का कैलेंडर इस बार भी अपने-आप में विशिष्ट है, क्योंकि इसमें अंग्रेजी व हिन्दी तिथियों के साथ-साथ मिथिला पंचांग भी समाहित है। परिषद के महासचिव नीरज चौधरी ने कहा कि वर्ष 2026-27 के लिए प्रकाशित इस वार्षिक कैलेंडर में मिथिला पंचांग, परिषद की सामाजिक, साहित्यिक व सांस्कृतिक गतिविधियों तथा पर्व-त्योहार के साथ-साथ विवाह, उपनयन, मुंडन सहित विभिन्न तिथियों की उपयोगी जानकारी भी दी गई है। उक्त अवसर पर महासचिव श्री चौधरी के अलावा मुख्य रूप से मिथिला सांस्कृतिक परिषद के कोषाध्यक्ष मिहिर मोहन ठाकुर, सांस्कृतिक कार्यक्रम निदेशक अरुण पाठक, मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार, सचिव दिलीप झा, परिषद के निदेशक मंडल सदस्य विजय कुमार झा, के सी झा, मिथिला महिला समिति की अध्यक्ष पूनम मिश्रा, सचिव आभा झा आदि उपस्थित रहे।

वन विभाग की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे लोग: डॉ नीरा

बिभा संवाददता

कोडरमा। जिले में हाथियों के आतंक से लोग दहशत में हैं और वन विभाग की लापरवाही का खामियाजा लोगों को जान देकर चुकाना पड़ रहा है।

कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने कोडरमा जिले में हाथियों की ओर से लगातार लोगों पर हमला करने, उनको मार देने की घटना के लिए पूरे तौर पर वन विभाग और इसके अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि रविवार को मरकच्चो के जामू स्थित हरलाडीह गांव में महुआ चुनने गई एक महिला सीता देवी को हाथी ने मार दिया। कोडरमा में बीते एक साल में 12 लोगों की जान हाथियों ने ली है। अभी कुछ दिन पहले ही हाथी ने कोडरमा के मरियमपुर और बोनाकाली में दो लोगों की जान ली थी, वहीं जिले के झरीटांड और ढेबुआडीह जैसे ग्रामीण इलाकों में हाथियों ने पिछले तीन-चार दिनों में कई मवेशियों को मार डाला और गौशालाओं को तहस-नहस कर दिया। इन घटनाओं के बाद अब ग्रामीण रतजगा करने को मजबूर हैं। विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि कोडरमा जिले के वन्य प्राणी आश्रयणी सहित कई जंगली इलाकों में बाहर के लोग बस गए हैं। वन विभाग इन पर कार्रवाई नहीं कर रहा है। यही वजह है कि हाथी जंगल को छोड़कर गांव और शहरों की ओर जा रहे हैं। हाथी परंपरागत रूप से इन इलाकों में आते-जाते रहे हैं पर जब लोग बस गए या रहने लगे हैं तो उनके द्वारा मशाल जलाने या नगाड़ा बजाने से हाथी वहां से भाग कर दूसरे गावों की ओर जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस गंभीर मामले को उन्होंने विधानसभा में भी उठाया था पर इस अति संवेदनशील विषय पर भी वन विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है और लोग हाथी के हमले में मारे जा रहे हैं। विधायक डॉ नीरा यादव ने राज्य सरकार से हाथी के हमले से मारे गए लोगों को कम से कम 10 लाख रुपये मुआवजा देने और अन्य घटनाओं में भी हुए नुकसान को लेकर त्वरित कार्रवाई करते हुए मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

महावीर जी आश्रम सिंदूरपेटी में तीन दिवसीय पूजनोत्सव व कीर्तन का हुआ समापन

तलगड़िया (बोकारो)। चास प्रखंड के पंचायत बिजुलिया के सिंदूरपेटी में श्री श्री महावीर जी आश्रम, श्री श्री लक्ष्मी नारायण जी एवं तारकेश्वर जी मंदिर में तीन दिवसीय पूजनोत्सव सह अखण्ड हरिनाम संकीर्तन रविवार को कुंज मिलन का आयोजन का समापन हो गया। श्रदालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।इस अवसर पर चन्दनकियारी के बाटबिनोर से पहुचे मधुसूदन दास वैष्णव ने श्री राधा कृष्ण लीला किर्तनकी प्रस्तुति कर श्रदालुओं को भावविभोर कर दियान। नगर भ्रमण भी किया गया।श्रदालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।मौके पर सेवक पुर्व मुखिया समरेन्द्र नाथ पाठक,पंडित हरेन्द्र नाथ पाठक पंडित गौरीशंकर तिवारी, आदित्य नाथ झा , विजय पाठक, पंचानन पाठक, नंदलाल पाठक, महादेव पाठक, अधिवक्ता कामदेव पाठक, रामदेव पाठक्र, प्रियदेव पाठक जयदेव पाठक आदि ग्रामीण शामिल थे।

15 अप्रैल को होने वाले जिला सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प

बिभा संवाददाता

कसमार। झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट बोकारो जिला के तत्वावधान में आगामी 15 अप्रैल को आयोजित होने वाले जिला सम्मेलन की तैयारी को लेकर रविवार को जरीडीह प्रखंड के बहादुरपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कृष्णा चौधरी ने की। संचालन मिथलेश कुमार ने किया। बैठक में सम्मेलन को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई। वक्ताओं ने कहा कि बोकारो में आयोजित होने वाला यह सम्मेलन संगठन के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि पत्रकार तभी सशक्त होंगे, जब उनका संगठन मजबूत होगा। समाज और लोकतंत्र की मजबूती के लिए पत्रकारों की एकजुटता बेहद आवश्यक है। मौके पर सचिव वैद्यनाथ शर्मा, मो सबीर अंसारी, पंकज कुमार सिंहा, स्वरूप सहाय, राजकिशोर शर्मा, अविनाश कुमार, योगो पूर्ति, माणिक सिंह, राहुल कुमार बसु, संतोष रविदास, हेमंत कुमार महतो, राजीव नायक, राकेश कुमार प्रियदर्शी सहित अन्य शामिल थे। बैठक के अंत में स्वर्गीय नागेश्वर महतो और राजेंद्र कुमार महतो के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त किया गया।

फिटनेस और स्वास्थ्य के लिए बीएसएल ने किया साइक्लोथॉन का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। देशव्यापी फिट इंडिया मूवमेंट के आलोक में बोकारो स्टील प्लांट द्वारा 29 मार्च को सेल- बोकारो साइक्लोथॉन 2026 का आयोजन किया गया ।फिटनेस, एक्टिव मोबिलिटी और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बोकारो सहित अन्य शहरों से आए 600 से अधिक साइकिलिस्ट ने भाग लिया। साइक्लोथॉन को फ्लैग-ऑफ बीएसएल निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन ने किया। इस मौके पर अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) चित्त रंजन मिश्रा, अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं) अनीष सेनगुप्ता, अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त, अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. बिभूति भूषण करुणामय तथा अधिशासी निदेशक (खान) विकास मनवटी सहित विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक एवं अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे.

14 किलोमीटर की यह प्रतियोगिता प्रातः 6:30 बजे सेक्टर-4 स्थित आर्चरी ट्रेनिंग सेंटर के निकट से प्रारंभ हुई । प्रतिभागियों को निर्धारित मार्ग पर दो राउंड पूरे करने थे जिसमें पथरकट्टा चौक, राम मंदिरचौक, राजेंद्र चौक और गांधी चौक शामिल थे, और अंत में वे पुनः प्रारंभिक स्थल पर लौटे। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों की सुरक्षा, पेयजल और चिकित्सीय सुविधा के इंतेजाम किए गए थे. पुरुष और महिला प्रतिभागियों के लिए कुल श्रेणियों में आयोजित साइक्लोथॉन के समापन पर विजेताओं को मुख्य अतिथि निदेशक प्रभारी श्री प्रिय रंजन तथा अन्य वरीय अधिकारियों ने पुरस्कृत किया।

यह साइक्लोथॉन लोगों को साइकिलिंग को एक स्वस्थ और पर्यावरण अनुकूल परिवहन के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करेगा, साथ ही सामुदायिक भागीदारी और स्वस्थ जीवनशैली की संस्कृति को भी प्रोत्साहित करेगा।

पाम संडे... ईसाई समुदाय के लोग आराधना में हुए शामिल

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो के ईसाई समुदाय के लोग रविवारको येसु मसीह के यरूशलेम में प्रवेश के समय हुई घटना को याद करते हुए पाम संडे की आराधना में शामिल हुए। सभी ने खजूर की डालियों के साथ अपने मसीहा का स्वागत किया। चास और बोकारो के चर्च में कैथोलिक विश्वासी खजूर की डाली लिए पहुंचे। सुबह से ही गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया गया। श्रद्धालु अपने हाथों में खजूर की पत्तियां लेकर जुलूस के रूप में चर्च पहुंचे। पादरियों ने खजूर की डालियों को आशीषित किया और शांति, प्रेम एवं सेवा का संदेश दिया। यहां बाइबल से पाठ पढ़े गए। साथ ही बताया गया कि जब पहाड़ी पर उगे खजूर के पेड़ को गांव वालों की बातचीत से पता चलता है कि येसु यहां से गुजरने वाले हैं तब वह हवा से कहता है कि काश मैं भी उस दिन वहां जा पाता जहां से राजा गुजरेंगे। तब हवा ने कहा कि तुम चाहो तो वहां हो सकते हो और ऐसा ही हुआ, कुछ लोग पहाड़ी परआए और कई डालियों के साथ उस डाली को भी काटकर ले गए और जहां से राजागुजरते वहां बिछा दिया। उसके ऊपर से येसु गधे पर सवार होकर पार हो गए। हालांकि कुछ दिन के बाद वह डाली सुख गई, लेकिन वह एक मौका जहां वह येसु के लिए कामआई उसके जीवन का सबसे यादगार मौका बना। जिस तरह खजूर की उस डाल ने येसुका स्वागत किया हमें भी ऐसे ही उनका स्वागत करना चाहिए। हमारे हाथों में खजूर की डाली का होना इस बात का प्रतीक है कि हम भी येसु के दुखभोग की यात्रा में उनके साथ शामिल हो रहे है।

चास प्रखंड के कांड्रा ग्राम में बालाबांध धाम के मां वैष्णो देवी मंदिर में चैत्र नवरात्र महायज्ञ की पूर्णाहुति

बिभा संवाददाता

बोकारो : चास प्रखंड के कांड्रा ग्राम स्थित बालाबांध धाम के श्री श्री मां वैष्णो देवी मंदिर में 2018 से स्थापित मंदिर में वासंतिक चैत्र नवरात्र के अवसर पर आयोजित पंच-दिवसीय महायज्ञ एवं देवपूजन अनुष्ठान की 28 मार्च को भव्य पूणार्हुति हुई। मुख्य यजमान श्री प्रियदेव माहथा सपत्नीक श्रीमती माला माहथा के नेतृत्व में विद्वान पंडित आचार्य श्री त्रिवेणी पाण्डेय एवं अन्य पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्री श्री राधाकृष्ण जी की मूर्ति का विसर्जन भी किया गया। हजारों भक्तों की मौजूदगी में महाप्रसाद का वितरण भंडारे के माध्यम से किया गया।

विजयादशमी के शुभ अवसर पर सैकड़ों सुहागिन महिलाओं ने सिन्दूर खेला का आयोजन किया। नौ कन्याओं का पूजन व भोजन कराया गया, जो भक्ति भाव को और गहरा बनाया। परशुराम सेवा समाज बाईसी के संरक्षक मृत्युंजय शर्मा, अध्यक्ष उमेश चन्द्र शर्मा सहित भाजपा नेत्री परिंदा सिंह, विवेक सिंह, विक्रम महतो, झारखंड माहथा व अन्य नेताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रखंड के आसपास के गांवों से हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। यह आयोजन सामुदायिक एकता का प्रतीक बना।

रामनवमी जुलूस में पारंपरिक हथियारों के करतब के दौरान, 600 से अधिक घायल

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग में रामनवमी जुलूस मे पारंपरिक हथियार भुजाली और चाकू से करतब दिखाने के दौरान दो लोगों की मौत हो गई । जबकि 600 से अधिक लोग घायल हो गए । एक घायल को रिम्स रेफर कर दिया गया है। जबकि 16 लोग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती है। मृतकों में एक मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिलवार निवासी प्रिंस कुमार पिता शशि प्रसाद उर्फ रामसहाय प्रसाद और दूसरे व्यक्ति बड़ा बाजार क्षेत्र का 22 वर्षीय अभिषेक वर्मा उर्फ सोनू शर्मा उर्फ अभि वर्मा की मौत अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हुई। पोस्टमार्टम के बाद अभिषेक वर्मा के परिजनों ने शव के साथ जुलूस मार्ग को सरदार चौक के पास जाम कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही सदर एसडीओ आदित्य पाण्डेय घटनास्थल पर पहुंचे और न्याय का भरोसा दिलाया। उन्होंने परिजनों को समझा बूझकर जुलूस मार्ग खुलवाया। इस दौरान लगभग 4 से 5 बजे तक 1 घंटे जाम रहा। आधिकारिक और मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार शाम से रविवार दोपहर तक लगभग 600 से अधिक लोग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुँचे । इनमें से अधिकांश लोग तलवार और लाठी के करतब दिखाने के दौरान चोटिल हुए थे। जबकि शहर के जुलूस मार्ग में लगे हेल्थ कैंप में 2000 से अधिक लोगों ने अपने जख्मों का इलाज कराया। पिछले वर्ष के अनुपात में इस वर्ष घायलों की संख्या में काफी कमी आई। पिछले साल 1300 लोगों का इलाज एसबीएमसीएच अस्पताल में हुआ था। जबकि इस बार मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में पहुंचने वालों की संख्या आधी रही। घायलों के इलाज को लेकर मेडिकल कॉलेज के ट्रामा सेंटर में इमरजेंसी विभाग पूरी तरह से खोल दिया गया है। जहां एक साथ आठ डॉक्टर लोगों का इलाज कर रहे हैं जबकि एक दर्जन से अधिक स्वास्थ्य कर्मी और दर्जनों वार्ड बॉय मरीज के इलाज में लगे हैं। ट्रॉमा सेंटर के इंचार्ज डॉ अभिषेक कुमार लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

इधर, स्वास्थ्य विभाग के द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों पर 20 मेडिकल स्टाल लगाए गए थे। इसके अलावा चार दर्जन से अधिक समाजसेवी के मेडिकल स्टॉल थे। यहां भी आंशिक चोटिल हुए 2000 से अधिक लोगों का इलाज हुआ। जो जख्मी हुए इलाज कराए और फिर अपने काफिला में शामिल हो गए।

रामनवमी से निपटने के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के ब्लड बैंक में 80 यूनिट विभिन्न ग्रुप के रक्त रिजर्व रखे गए थे लेकिन अब तक किसी को ब्लड की आवश्यकता नहीं हुई।

उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने रामनवमी शोभा यात्रा के खूबसूरत पलों को कैमरे में किया कैद

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : रामनवमी के पावन अवसर पर निकाली गई भव्य शोभा यात्रा के दौरान जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय और सजग नजर आया। इसी क्रम में उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने शोभा यात्रा के दौरान विभिन्न आकर्षक झांकियों, श्रद्धालुओं की उमंग के खूबसूरत पलों को अपने कैमरे में कैद करते नजर आए शोभा यात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़, जय श्री राम के गगनभेदी नारों और भक्ति के रंग में रंगा पूरा शहर एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत कर रहा था। प्रशासनिक अधिकारियों ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की, बल्कि इस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आयोजन के यादगार क्षणों को सहेजने में भी विशेष रुचि दिखाई। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर विधि-व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों ने श्रद्धालुओं से शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील भी की। रामनवमी के इस पावन पर्व पर प्रशासन एवं जनता के बीच बेहतर समन्वय देखने को मिला, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशासन की तत्परता और लोगों के सहयोग से यह शोभा यात्रा न केवल भव्य रही, बल्कि अनुशासन और श्रद्धा का भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय एकल महिला साइक्लिस्ट आशा मालवीय का रामगढ़ जिला पुलिस ने स्वागत किया

रामगढ़(बिभा): राष्ट्रीय स्तर की एंड्योरेंस साइक्लिस्ट, पर्वतारोही एवं प्रेरक खिलाड़ी आशा मालवीय मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के एक छोटे से ग्राम की निवासी हैं। वे 100 एवं 200 मीटर दौड़ की राष्ट्रीय स्तर की एथलीट रह चुकी हैं तथा पर्वतारोहण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करते हुए बी.सी. रॉय (20,500 फीट) एवं तेनजिंग खान (19,500 फीट) शिखरों पर सफल आरोहण कर चुकी हैं। साथ ही वे नेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी अपना नाम दर्ज करा चुकी हैं। वर्तमान में वे एक राष्ट्रव्यापी साइक्लिंग अभियान पर हैं, जिसका उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, धैर्य, आत्मविश्वास तथा राष्ट्रीय एकता की भावना को प्रोत्साहित करना है। भारतीय सेना के सम्मान में 78वें भारतीय सेना दिवस के उपलक्ष्य में वे 11 जनवरी को जयपुर से इस विशेष अभियान के लिए रवाना हुई थीं। यह अभियान भारत के पश्चिम से पूर्व दिशा में अरुणाचल प्रदेश के कीबिथू लगभग 7,800 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए पूर्ण किया जाएगा। अब तक वे 5,200 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर रामगढ़ तक पहुँच चुकी हैं। देश के विविध एवं चुनौतीपूर्ण भूभागों में हजारों किलोमीटर की उनकी साइक्लिंग यात्राएँ उनके धैर्य, अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा महिला साइक्लिस्ट आशा मालवीय को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका हौसल बढ़ाया।

करियर गाइडेंस एवं एआई इन एजुकेशन विषय पर सेमिनार का आयोजन

रामगढ़(बिभा): श्री मारवाड़ी सतनारायण मंदिर एवं धर्मशाला संस्था तथा मोशन एजुकेशन के संयुक्त तत्वावधान में करियर गाइडेंस एवं एआई इन एजुकेशन विषय पर एक प्रेरणादायक सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। जिसका बच्चों एवं अभिभावकों ने लाभ उठाया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सही दिशा प्रदान करना तथा आधुनिक शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) की भूमिका से अवगत कराना था। इस अवसर पर मोशन एजुकेशन के निर्देशक कृष्णा अग्रवाल, सृष्टि डालमिया, नीरज कुमार, नदीम एवं उनकी संपूर्ण टीम, जो कोटा एवं रायपुर में मेडिकल एवं इंजीनियरिंग शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है, ने विद्यार्थियों को विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया। मोशन एजुकेशन की टीम ने छात्रों को यह भी बताया कि किस प्रकार अकआज के शिक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और कैसे इसका सही उपयोग करके विद्यार्थी अपने अध्ययन को और अधिक प्रभावी बना सकते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने भाग लिया और इस पहल की सराहना की। सेमिनार के माध्यम से छात्रों को न केवल करियर संबंधी स्पष्टता मिली, बल्कि उन्हें अपने भविष्य को लेकर एक नई दिशा और आत्मविश्वास भी प्राप्त हुआ। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इस प्रकार के मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर अतिथियों के रूप में डॉ एके बरेलिया, कमल बगड़िया, बिमल बुधिया, मुरारी लाल अग्रवाल, अमित गोयल, इंदर अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

रामनवमी में दिखी गंगा-जमुनी तहजीब, उपायुक्त ने जताया सभी का आभार

लोहरदगा(बिभा)। उपायुक्त डॉ ताराचंद ने रामनवमी-2026 को सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए सभी जिलावासियों का आभार जताया है। उपायुक्त ने कहा कि एक बार फिर लोहरदगा जिला वासियों ने आपसी एकजुटता और सौहार्द का संदेश दिया है और रामनवमी के त्यौहार को सम्पन्न कराया है। जुलूस के दौरान सभी धर्म-सम्प्रदाय के लोगों ने गंगा-जमुनी की तहजीब को कायम रखा है। यह सब सभी के प्रयास से ही सम्भव हो पाया। रामनवमी जैसे महत्वपूर्ण त्यौहार के अवसर पर जिला के प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी व सुरक्षा बलों का महत्वपूर्ण योगदान रहा जिन्होंने आपसी तालमेल के जरिये जुलूस व अन्य कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराया। समाज के बुद्धिजीवी व समाजसेवियों ने अभिभावक की तरह हर कदम पर साथ दिया और जिला प्रशासन को महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। मीडियाकर्मियों का विशेष रूप से विशेष धन्यवाद जिन्होंने जिला प्रशासन के कार्यों का लगातार कवरेज दिया और लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की भूमिका को भली-भांति निभाया। अंत में उन सभी का धन्यवाद जिन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से इस कार्य मे अपना सहयोग दिया। उन सामाजिक व धार्मिक संगठनों का भी धन्यवाद जिन्होंने रामनवमी को सम्पन्न कराने में हर कदम पर जिला प्रशासन का साथ दिया और आपसी समरसता व भाईचारे को बनाये रखा।

राम भक्तों के सेवा के लिए सांसद सेवा केंद्र का उद्घाटन, रामनवमी जुलूस के दौरान सक्रिय रहेगा सेवा केंद्र

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग रामनवमी-2026 का उत्साह चरम सीमा पर है। तब राम भक्तों को किसी तरह के परेशानी ना हो इसे देखते हुए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने शनिवार को अपने सांसद सेवा कार्यालय में सांसद सेवा केंद्र का स्थापना किया है। जिसका उद्घाटन भी हिंदूवादी युवा भैरव सिंह के साथ मिलकर उन्होंने किया। मौके पर सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, मेयर अरविंद कुमार राणा, डिप्टी मेयर अविनाश कुमार यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, बड़ा अखाड़ा के महंत विजयानंद दास, हजारीबाग के हिंदूवादी युवा इंजिनियर अमन कुमार मौजूद रहें। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य राम भक्तों को हर संभव मदद पहुंचाना है हजारीबाग के रामनवमी हर एक व्यक्ति की सहभागिता होती है। हर एक व्यक्ति जो सक्षम है वह कुछ ना कुछ कुछ ऐसा करना चाहता है ताकि वह भी इस पर्व में उसकी सहभागिता सुनिश्चित हो। हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने राम भक्तों की सुविधा के लिए प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी सांसद सेवा केंद्र का स्थापना किया है। सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि जब तक जुलूस रहेगा तब तक यह केंद्र सक्रिय रहेगा। जिसमें राम भक्तों को पेयजल, चना समेत अन्य सुविधा दी जाएगी। वहीं ग्रामीण लोगों को विशेष सुविधा का इंतजाम किया जा रहा है। कोई व्यक्ति अगर बीमार होता है तो उसे भाजपा के कार्यकर्ता और हमारे सहयोगी अस्पताल ले जाएंगे। यहां से रामभक्तों पर पुष्प वर्षा भी खुद सांसद मनीष जायसवाल ने किया। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि हजारीबाग का रामनवमी बेहद खास है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राम भक्तों की सेवा में यह कार्यालय सक्रिय है। सांसद मनीष जायसवाल ने राम भक्तों से अपील किया है कि अगर वह ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं और उनके साथ छोटे-छोटे बच्चे हैं तो उनके पॉकेट में अपना फोन नंबर और पता अवश्य लिख दें ताकि विकट परिस्थिति में मदद किया जा सके। उन्होंने राम भक्तों समेत पूरे हजारीबाग से अपील किया है उत्साह और उमंग के साथ रामनवमी पर्व मनाये। 36 घंटे तक पर्व का जुलूस सड़कों पर रहता है। राम भक्तों का जनसैलाब इस दौरान रहता है। इस कारण सावधानी भी बरतें साथ ही उत्साह पूर्वक मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम का जन्मोत्सव मनाएं ।

हजारीबाग में कई सामाजिक संगठन और सामाजिक कार्यकताओं के द्वारा भी इस तरह का शिविर लगाए गए हैं । जिसका एकमात्र उद्देश्य राम भक्तों को मदद पहुंचाना है ।

रामनवमी पर समाजसेवी राहुल खंडेलवाल परिवार ने श्रद्धालुओं को बांटा चना और शर्बत

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग में रामनवमी के पावन अवसर पर निकाली गई भव्य शोभा यात्रा के दौरान जहां एक ओर भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला, वहीं दूसरी ओर समाजसेवा की प्रेरणादायक मिसाल भी सामने आई। गोला रोड के समीप समाजसेवी राहुल खंडेलवाल एवं उनके परिवार द्वारा शोभा यात्रा में शामिल हजारों श्रद्धालुओं के लिए चना और शर्बत की निःस्वार्थ सेवा की गई।भीषण गर्मी के बीच इस सेवा शिविर ने श्रद्धालुओं को काफी राहत पहुंचाई। शोभा यात्रा में शामिल लोग जब गोला रोड के पास पहुंचे, तो राहुल खंडेलवाल परिवार द्वारा बड़े ही श्रद्धा भाव से उनका स्वागत किया गया और उन्हें चना एवं ठंडा शर्बत वितरित किया गया। सेवा कार्य में परिवार के सभी सदस्य बढ़-चढ़कर शामिल रहे, जिससे पूरे माहौल में अपनापन और सामाजिक एकता की भावना देखने को मिली।

श्रद्धालुओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सेवा कार्य न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत करते हैं, बल्कि समाज में सहयोग और भाईचारे का संदेश भी फैलाते हैं। कई लोगों ने इसे रामनवमी के वास्तविक अर्थ—सेवा, समर्पण और मानवता—का सजीव उदाहरण बताया।

इस अवसर पर राहुल खंडेलवाल ने कहा कि रामनवमी का पर्व हमें सेवा और परोपकार की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि हर वर्ष उनकी ओर से इस तरह का आयोजन किया जाता है और आगे भी इसे जारी रखा जाएगा।

इस तरह की सेवाभावना से न केवल श्रद्धालुओं को सुविधा मिली, बल्कि पूरे आयोजन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। गोला रोड का यह सेवा शिविर रामनवमी शोभा यात्रा का एक खास आकर्षण बन गया और लोगों के दिलों में अपनी अलग छाप छोड़ गया।

रामनवमी शोभा यात्रा में सजी भव्य झांकी, बाबा श्याम के दिव्य रूप ने मोहा मन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : रामनवमी के पावन अवसर पर निकाली गई भव्य शोभा यात्रा में इस वर्ष आकर्षक और मनमोहक झांकियों ने श्रद्धालुओं का विशेष ध्यान खींचा। खासकर बाबा श्याम की सजीव एवं भव्य झांकी श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बनी रही। फूलों से सुसज्जित इस झांकी को अत्यंत आकर्षक ढंग से तैयार किया गया था, जिसे देखने के लिए सड़क किनारे लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। झांकी में बाबा श्याम का शीश विराजमान था, जिसे रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया था। भक्ति गीतों और जयकारों के बीच जैसे ही यह झांकी आगे बढ़ी, पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालु भाव-विभोर होकर जय श्री श्याम के जयकारे लगाते नजर आए और दर्शन के लिए आगे बढ़ते रहे। खासकर श्याम प्रेमियों के लिए यह दृश्य अत्यंत अद्भुत और अविस्मरणीय रहा। इस झांकी की एक विशेषता यह भी रही कि बाबा श्याम के शीश के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के कटआउट भी लगाए गए थे। इनमें सांसद मनीष जायसवाल, सदर विधायक प्रदीप प्रसाद, महापौर, उपमहापौर सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों के कटआउट शामिल थे, जिसने लोगों के बीच अलग आकर्षण पैदा किया और चर्चा का विषय बना रहा। यह भव्य झांकी हजारीबाग नगर निगम क्षेत्र के छोटी ओकनी स्थित विशाल क्लब द्वारा प्रस्तुत की गई थी। झांकी के साथ चल रहे श्रद्धालु लगातार जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। कई लोग झांकी के साथ फोटो खिंचवाते नजर आए और बाबा श्याम का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरी शोभा यात्रा के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रशासन की मुस्तैदी के बीच कार्यक्रम शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। स्थानीय लोगों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की भव्य झांकियां धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता और उत्साह को भी मजबूती प्रदान करती हैं।

पंच मंदिर रामनवमी पूजा समिति की अनोखी पहल: पहली बार गंगा आरती बनी मुख्य आकर्षण, भक्तिमय हुआ हजारीबाग

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : रामनवमी के पावन अवसर पर इस वर्ष हजारीबाग में आस्था और भक्ति का ऐसा अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने शहरवासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पंच मंदिर रामनवमी पूजा समिति द्वारा पहली बार आयोजित की गई भव्य गंगा आरती पूरे आयोजन का मुख्य आकर्षण बन गई और देर रात तक इसकी चर्चा होती रही। संध्या होते ही जैसे ही आरती का शुभारंभ हुआ, पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर जब दीपों की लौ प्रज्वलित हुई, घंटियों की मधुर ध्वनि गूंजी और वैदिक मंत्रोच्चार शुरू हुआ, तो हर कोई उस दिव्य दृश्य को एकटक निहारता रह गया। पांच विद्वान पंडितों द्वारा विधिवत रूप से संपन्न कराई जा रही इस गंगा आरती ने ऐसा आभास कराया मानो स्वयं आस्था धरती पर अवतरित हो गई हो। आरती के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। महिलाएं, पुरुष, युवा और बच्चे सभी इस आध्यात्मिक आयोजन के साक्षी बनने के लिए उत्साहित नजर आए। दीपों की जगमगाहट और भक्ति भाव से सराबोर माहौल ने पूरे क्षेत्र को एक अलग ही ऊर्जा से भर दिया। समिति के सदस्यों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को भारतीय संस्कृति और सनातन परंपराओं से जोड़ना भी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में एकता, सकारात्मकता और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देते हैं।

स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की मुक्त कंठ से सराहना की। उनका कहना था कि हजारीबाग के इतिहास में पहली बार रामनवमी के अवसर पर इस तरह की भव्य गंगा आरती का आयोजन हुआ, जो शहर के लिए गौरव का विषय है। पहली ही बार में इस आयोजन की अभूतपूर्व सफलता को देखते हुए समिति ने इसे हर वर्ष और भी भव्य रूप में आयोजित करने का संकल्प लिया है।

श्री श्री चैत्र रामनवमी स्वागत समिति द्वारा रामभक्तों का पुष्प वर्षा कर किया भव्य स्वागत, हजारीबाग में दिखा भव्य नजारा

रामभक्तों में उत्साह का संचार पिछले वर्ष से भी ज्यादा रही; टोनी जैन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: चैत्र रामनवमी के पावन अवसर पर हजारीबाग में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्री श्री चैत्र रामनवमी स्वागत समिति द्वारा रामभक्तों के सम्मान में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पुष्पवर्षा एवं अल्पाहार वितरण के माध्यम से श्रद्धालुओं का हृदय से अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सांसद मनीष जायसवाल द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष टोनी जैन ने सांसद को अंगवस्त्र एवं तलवार भेंट कर सम्मानपूर्वक स्वागत किया। इस गरिमामयी अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद, उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह,पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन सर,पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय, महापौर अरविंद राणा, रांची से आए हिंदू नेता भैरव सिंह, प्रेस क्लब, सद्भावना समिति,फ्रेंड्स क्लब एवं सर्वेक्षण समिति के अध्यक्ष प्रशांत प्रधान सहित कई प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति का भी अंगवस्त्र तथा तलवार भेंटकर स्वागत किया गया ,

समिति द्वारा सैकड़ों रामभक्तों एवं अखाड़ाधारियों पर पुष्पवर्षा कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। साथ ही, श्रद्धालुओं के बीच अल्पाहार वितरण कर सेवा भाव का परिचय दिया गया।

अपने संबोधन में सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग की रामनवमी का अपना एक विशिष्ट महत्व है, जो इसे अन्य प्रदेशों के आयोजनों से अलग पहचान दिलाता है।

वहीं समिति के अध्यक्ष टोनी जैन ने कहा कि हमारे लिए यह परम सौभाग्य की बात है कि हम स्वागत समिति के माध्यम से रामभक्तों की सेवा कर पाते हैं। प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से हमारा उत्साह और भी बढ़ता है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के सदस्य – सुमन कुमार, सोनू गुप्ता, विशाल बाल्मीकि, अंकित अग्रवाल, अमित पांडेय, शेखर गुप्ता, मनीमीत अकेला, इंदर कुशवाहा, साक्षी राणा, रेनु गुप्ता, ज्योत्स्ना सिंह, पूनम मिश्रा, कोमल राज, मुकेश सिंह, अजय साहू, विनोद झुनझुनवाला, अनिल पांडेय सहित अनेक कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समग्र रूप से यह आयोजन भक्ति, सेवा और सामाजिक एकता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है, जिसने हजारीबाग की रामनवमी को और भी गौरवपूर्ण बना दिया।

लोहरदगा में ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार, 4 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद

बिभा संवाददाता

लोहरदगा: जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रविवार को पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक युवक को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है।जिला पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी को 28 मार्च 2026 की दोपहर सूचना मिली थी कि मैना बगीचा स्थित शनि मंदिर के पास एक युवक अवैध रूप से ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री कर रहा है।सूचना के सत्यापन के लिए थाना प्रभारी रत्नेश मोहन ठाकुर के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया।टीम ने अंचलाधिकारी की मौजूदगी में शनि मंदिर, मैना बगीचा क्षेत्र में छापेमारी की।इस दौरान एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगा,जिसे पीछा कर उसके घर से पकड़ा गया।पूछताछ में उसकी पहचान आर्यन भगत (22 वर्ष) के रूप में हुई।तलाशी के दौरान उसके कमरे से पलंग पर बिछी चादर के नीचे एक पीले रंग का पॉलिथीन और इलेक्ट्रॉनिक वेटिंग मशीन बरामद किया गया। पॉलिथीन में रखे ठोस पदार्थ एवं एल्युमिनियम फॉयल में लिपटी पुड़ियों की जांच करने पर वह ब्राउन शुगर पाया गया।वजन करने पर कुल मात्रा करीब 4 ग्राम निकली। छापामारी दल में थाना प्रभारी रत्नेश मोहन ठाकुर,पु.अ.नि.रवि रंजन कुमार,पु.अ.नि.पप्पू कुमार,स.अ.नि.चन्द्रदीप मेहता तथा लोहरदगा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

बीमा सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल

ललित गर्ग

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है।

बीमा का मूल उद्देश्य जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। यह व्यवस्था व्यक्ति को बीमारी, दुर्घटना या अन्य संकटों के समय आर्थिक सहारा देती है। परंतु आज के दौर में यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती हुई दिखाई दे रही है। विशेषकर स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में जो जटिलताएं, अपारदर्शिता और मनमानी देखने को मिल रही है, उसने आमजन के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। बीमा, जो सुरक्षा का माध्यम होना चाहिए था, वह कई बार शोषण का उपकरण बनता जा रहा है। वर्तमान समय में चिकित्सा सेवाओं की लागत अत्यधिक बढ़ चुकी है। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। सरकार के द्वारा रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराई भूमि पर बने अस्पताल आज गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक आवश्यक सुरक्षा कवच के रूप में उभरता है। बीमा कंपनियां भी इसी भय और भविष्य की अनिश्चितता का उपयोग कर लोगों को पॉलिसी खरीदने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन वास्तविक समस्या तब सामने आती है जब बीमा धारक को उसकी जरूरत होती है। दावों के निपटान के समय कंपनियां अनेक तकनीकी कारणों, शर्तों और अपवादों का हवाला देकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है। कई मामलों में अस्पताल अत्यधिक बिलिंग करते हैं और बीमा कंपनियां कम भुगतान करती हैं, जिससे मरीज को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। कई बार तो ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के कारण मरीज के शव को तक रोक लेते हैं, जो मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है।

यदि हम विकसित देशों की तुलना करें, तो वहां बीमा प्रणाली अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी है। दावों का निपटान समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से किया जाता है। भारत में भी भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जैसे नियामक संस्थान मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य बीमा क्षेत्र को नियंत्रित और संतुलित करना है।

लेकिन व्यावहारिक स्तर पर इनकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते रहे हैं। नियामक तंत्र की निष्क्रियता या सीमित हस्तक्षेप के कारण बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए सबसे पहले बीमा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। पॉलिसी दस्तावेजों को आम भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि एक सामान्य व्यक्ति भी उसकी शर्तों को समझ सके। इसके साथ ही, बीमा एजेंटों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे ग्राहकों को पूरी और सही जानकारी दें। गलत जानकारी देकर पॉलिसी बेचने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है-दावा निपटान प्रक्रिया का सरलीकरण। बीमा दावों के लिए एक मानकीकृत और समयबद्ध प्रक्रिया लागू की जानी चाहिए। यदि कोई दावा खारिज किया जाता है, तो उसके स्पष्ट और उचित कारण बताए जाएं। इसके लिए एक स्वतंत्र अपीलीय तंत्र भी होना चाहिए, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसे त्वरित न्याय मिल सके। तीसरा, अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उपचार की लागत को नियंत्रित करने के लिए एक मानक दर प्रणाली लागू की जा सकती है। इससे अनावश्यक बिलिंग और वित्तीय शोषण पर रोक लगेगी। साथ ही, कैशलेस उपचार की सुविधा को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया जाना चाहिए ताकि मरीज को तत्काल आर्थिक राहत मिल सके। चौथा, सरकार को इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। एक राष्ट्रीय स्तर की निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जो बीमा कंपनियों और अस्पतालों की गतिविधियों पर नजर रखे। समय-समय पर ऑडिट और जांच के माध्यम से अनियमितताओं को उजागर किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पांचवां, बीमा साक्षरता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बीमा की शर्तों, अधिकारों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। विशेष रूप से गरीब और अशिक्षित वर्ग के लिए सरल मार्गदर्शिका और सहायता केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। निश्चित तौर पर बीमा व्यवसाय को केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। जब तक इस क्षेत्र में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक आमजन का विश्वास बहाल नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि बीमा प्रणाली को पुनर्गठित कर उसे जनहितकारी बनाया जाए। सरल प्रक्रियाएं, स्पष्ट नियम, सशक्त नियामक तंत्र और जागरूक उपभोक्ता-ये चार स्तंभ ही बीमा क्षेत्र को उसकी वास्तविक दिशा में ले जा सकते हैं। यदि समय रहते इन सुधारों को लागू नहीं किया गया, तो बीमा का यह महत्वपूर्ण साधन आम आदमी के लिए सुरक्षा के बजाय संकट का कारण बना रहेगा।

चिकित्सा और बीमा-दोनों ही ऐसे क्षेत्र हैं जो मूलतः मानव जीवन की सुरक्षा, राहत और सेवा से जुड़े हुए माने जाते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि आज ये दोनों क्षेत्र आमजन के लिए सबसे अधिक जटिल, महंगे और अविश्वसनीय होते जा रहे हैं। एक ओर रियायती जमीन पर बने निजी अस्पताल गरीबों को मुफ्त इलाज देने के अपने दायित्व से बचते नजर आते हैं, वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य बीमा के नाम पर बीमा कंपनियां ऐसी शर्तें और प्रक्रियाएं थोप देती हैं कि जरूरत के समय मरीज को बीमा का लाभ मिलना कठिन हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि संवेदनहीन व्यवस्था का प्रतीक बनती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली के रियायती जमीन पर बने अस्पतालों को नोटिस जारी करना केवल एक प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि व्यवस्था को आईना दिखाने जैसा है। जब अस्पताल रियायती जमीन लेते समय गरीबों के इलाज का वायदा करते हैं, तो वह केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व होता है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि लाभ तो निजी अस्पताल उठा रहे हैं और दायित्व निभाने से बच रहे हैं। यही स्थिति बीमा क्षेत्र में भी दिखाई देती है, जहां पॉलिसी बेचते समय बड़े-बड़े वायदे किए जाते हैं, लेकिन क्लेम के समय छोटी-छोटी तकनीकी वजहों से दावे खारिज कर दिए जाते हैं।

आम आदमी सालों तक प्रीमियम भरता रहता है, लेकिन जरूरत के समय उसे राहत नहीं मिलती। इस स्थिति में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता एक सकारात्मक संकेत है। जिस प्रकार अदालत ने अस्पतालों से जवाब मांगा है, उसी प्रकार बीमा कंपनियों की कार्यप्रणाली पर भी सख्त निगरानी और स्पष्ट नियम बनने चाहिए, ताकि बीमा वास्तव में सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल। सरकारों की जिम्मेदारी केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनके क्रियान्वयन की सख्त निगरानी भी होनी चाहिए। यदि रियायती जमीन लेने वाले अस्पताल गरीबों का मुफ्त इलाज नहीं करते तो उनसे जमीन का बाजार मूल्य वसूला जाना चाहिए या उनकी मान्यता पर पुनर्विचार होना चाहिए। इसी तरह बीमा कंपनियों को भी क्लेम प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनानी चाहिए। स्वास्थ्य और बीमा दोनों ही आम आदमी की जीवन सुरक्षा से जुड़े विषय हैं, इसलिए इनमें मुनाफाखोरी की मानसिकता पर नियंत्रण आवश्यक है। यदि सरकार, न्यायपालिका और नियामक संस्थाएं मिलकर सख्ती और पारदर्शिता सुनिश्चित करें, तो चिकित्सा और बीमा दोनों क्षेत्रों में आमजन का विश्वास फिर से स्थापित हो सकता है। अन्यथा सेवा के ये क्षेत्र केवल व्यवसाय बनकर रह जाएंगे और गरीब आदमी इलाज और बीमा दोनों के बीच पिसता रहेगा।

(खक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

भारत में 'तेल आपातकाल' नहीं

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के मुख्यमंत्रियों के साथ, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संवाद और विमर्श किया। यह हमारे लोकतंत्र का संघीय चरित्र है। प्रधानमंत्री ने ईरान युद्ध से उपजे पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि वैश्विक हालात पर चर्चा की होगी। ऐसे ही संघीय संवाद कोरोना महामारी के दौरान भी किए गए थे। तब एक खास किस्म का विषैला, जानलेवा संक्रमण दुनिया भर में फैला था। भारत में लॉकडाउन के साथ-साथ कई सख्त कदम भी उठाए गए थे। हमारी अर्थव्यवस्था नकारात्मक हो गई थी। बेहद भयावह माहौल और हालात थे। बहरहाल आज वैसे हालात नहीं हैं। तेल-गैस, उर्वरक आदि की आपूर्ति अवरुद्ध हुई है, लिहाजा किल्लत महसूस हो रही है। कुछ संकट का दौर तो है। अफवाहों और दुष्प्रचार की ह्यकाली भेड़ोंह्न ने लॉकडाउन की फर्जी खबरें चलाना भी शुरू कर दिया है। मीडिया के एक वर्ग में यह विश्लेषण भी छापा गया कि देश में तेल-गैस का स्टॉक मात्र 7-9 दिन का है। शायद उसी से आम आदमी घबराया है और पेट्रोल पंपों पर जन-सैलाब की स्थितियां हैं। मारा-पीटी भी हुई है। पुलिस पर भी प्रहार किया गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने हकीकत का खुलासा किया है कि देश में पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस (एलपीजी) का 60 दिन का स्टॉक सुरक्षित है। अगले 60 दिन के कच्चे तेल की बुकिंग सरकार ने कर ली है। करीब 8 लाख टन एलपीजी कार्गो सुरक्षित कर लिए गए हैं। वे रूस, अमरीका, ऑस्ट्रेलिया आदि कई देशों से आ रहे हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, रूस आदि देशों से कच्चा तेल आ रहा है। यह आपूर्ति 60 दिन के लिए सुनिश्चित कर ली गई है। देश के एक लाख पेट्रोल पंपों में से एक पर भी पेट्रोल-डीजल खत्म नहीं हुए हैं। लगातार सप्लाई जारी है। देश में करीब 3.3 करोड़ मीट्रिक टन एलपीजी की सालाना खपत होती है और हमारी रिफाइनरियां हररोज औसतन 50,000 टन एलपीजी का उत्पादन कर रही हैं। उत्पादन 40 फीसदी बढ़ाया गया है। यदि जमाखोर, कालाबाजारी, मुनाफाखोर, चोर-लुटेरे, देश-विरोधी लोग सरकार के इस खुलासे से आश्वस्त नहीं हैं, तो देश में दूसरा कौनसा वैकल्पिक माध्यम है, जो तेल-गैस की अपडेट वस्तुस्थिति देश को बता सके? आप सरकार-विरोधी, प्रधानमंत्री-विरोधी, नीति-विरोधी हो सकते हैं, लेकिन राजनीतिक दुराग्रह भारत-विरोध की हद तक नहीं पहुंचना चाहिए।

चिंतन-मनन

मृत्यु का अर्थ

मृत्यु एक शात सत्य है। यह अनुभूति प्रत्यक्ष प्रमाणित है, फिर भी इसके संबंध में कोई दर्शन नहीं है। अब तक जितने ऋषि-महर्षि या संत-महंत हुए हैं, उन्होंने जीवन दर्शन की चर्चा की है। जीवन के बारे में ऐसी अनेक दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनसे जीवन को सही रूप में समझा जा सकता है और जिया जा सकता है। किंतु मृत्युक को एक अवश्यंभावी घटना मात्र मानकर उपेक्षित कर दिया गया। मृत्यु के पीछ भी कोई दर्शन है, इस रहस्य को अधिक लोग पकड़ ही नहीं पाए। यही कारण है कि जीवन दर्शन की भांति मृत्यु दर्शन जीवन में उपयोगी नहीं बन सका।

जैन दर्शन एक ऐसा दर्शन है जिसने जीवन को जितना महत्व दिया, उतना ही महत्व मृत्यु को दिया। बशत्रे कि वह कलात्मक हो। कलात्मक जीवन जीने वाला व्यक्ति जीवन की सब विसंगतियों के मध्य जीता हुआ भी उसका सार तत्व खींच लेता है। इसी प्रकार मृत्यु की कला समझने वाला व्यक्ति भी मृत्यु से भयभीत न होकर उसे चुनौती देता है। जैन दर्शन में इसका सवार्गीण विवेचन उपलब्ध है।

मृत्यु का अर्थ है- आयुष्य प्राण चुक जाने पर जीव का स्थूल शरीर से वियोग।इसके कई प्रकार हैं। उन सबका संक्षिप्त वर्गीकरण किया जाए तो मृत्यु के दो प्रकार होते हैं- बाल मरण और पंडित मरण. असंयम और असमाधिमय मरण बाल मरण है। अकाल मृत्यु, आत्महत्या, अज्ञान मरण आदि सभी प्रकार के मरण बाल मरण में अंतर्निहित हैं। संयम और समाधिमय मृत्यु पंडित मरण है। जीवन के अंतिम क्षणों में भी संयम और समाधि का स्पर्श हो जाए तो वह मरण पंडित मरण की गणना में आ जाता है। कुछ व्यक्ति मौत के नाम से ही घबराते हैं।

वे जीवन को महत्व देते हैं। अपना-अपना चिंतन है। मुझे इस संबंध में अपने विचार देने हों तो मैं मृत्यु को वरीयता दूंगा। क्योंकि जीवन की सार्थकता भी मृत्यु पर ही निर्भर करती है। किसी व्यक्ति ने तपस्या की है और जागरुकता के साथ धर्म की आराधना की है, तो उसका फल समाधिमय मृत्यु ही है।

आसमान से गिरे, खजूर में अटके ट्रंप

सनत जैन

बड़बोले ट्रम्प को ईरान ने दिखाया आईनाह्न राजनीति में ताकत का प्रदर्शन ही सबसे बड़ी रणनीति माना जाता है। इतिहास गवाह है, अति-आत्मविश्वास कई बार सबसे बड़ी कमजोरी और नुकसान का करण बन जाता है। वर्तमान में कुछ ऐसी ही स्थिति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संदर्भ में देखने को मिल रही है। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद जिस तरह से उन्होंने दुनिया के देशों को टैरिफ युद्ध के माध्यम से हड़काकर स्वयंभू शांतिदूत के रूप में सारी दुनिया में स्थापित होना चाह रहे थे। 1 साल में ही वह ह्लआसमान से गिरे, खजूर में अटकेह्न वाली कहावत को चरितार्थ करते नजर आ रहे है। ट्रंप ने अपने कार्यकाल में खुद को एक आक्रामक और निर्णायक नेता के रूप में सारे विश्व के देशों पर अपना वर्चस्व बनाने की कोशिश कर रहे थे। वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहे थे। मध्य-पूर्व देशों की जटिल राजनीति में उनका यह रवैया पिछले 1 वर्ष में चचाओं में बना रहा। इजराइल और फिलिस्तीन की लड़ाई में वह इजरायल के पक्ष में खड़े थे। गाजा में हजारों मासूम बच्चों और महिलाओं की हत्या हुई। रूस और यूक्रेन के युद्ध में वह नाटो देश और अमेरिका के मित्र देशों के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे थे, इसका असर सारी दुनिया के देशों में देखने को मिला। इसराइल और ईरान के बीच बढ़ते हुए तनाव और इजराइल के साथ उनकी नजदीकी ने हालात को पेचीदा बना दिया है। इजराइल और ईरान के युद्ध मे अमेरिका को झोंक देने के कारण समय-समय पर तरह-तरह की बयानबाजी करने से आज ट्रंप सारी दुनिया में अलग-थलग पढ़ते चले जा रहे हैं।

कहा जाता है, ह्लऊंट जब पहाड़ के नीचे आता है तब उसे अपनी असलियत समझ आती है। ट्रंप के साथ भी कुछ ऐसा ही होता दिख रहा है। जो नेता खुद को विश्व राजनीति का निर्णायक मानकर अहंकार दिखा रहा था, अपने आपको दुनिया का सर्वशक्तिमान मानकर चल रहा था, आज वही ट्रम्प ऐसी स्थिति में फंस गये हैं, जहां से वह आगे भी नहीं बढ़ पा रहे हैं और नाही पीछे हट पा रहे हैं। पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह स्थिति ह्लधोबी का कुत्ता, न घर का न घाट काह्न जैसी होती हुई दिख रही है।

मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष ने सवाल खड़ा कर दिया है। क्या अमेरिका अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए अपनी रणनीति के तहत आगे बढ़ रहा है, या वह इजरायल के हितों के कारण स्वयं और अमेरिका को उलझाता जा रहा है। ईरान की ओर से हाल ही में मुस्लिम देशों को दिया गया संदेश इस पूरे परिदृश्य मे अमेरिका की स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है। अरब देशों के साथ अमेरिका का कई दशकों से सुरक्षा संबंधी समझौता था। खाड़ी के अधिकांश देशों में अमेरिका ने अपने सैन्य अड्डे बनाए हुए थे। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का पूरा कारोबार डॉलर मुद्रा में होता था, जिसके कारण अमेरिका का एकाधिकार था। ईरान ने जिस तरह से खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को तबाह किया है, उसने असलियत सामने ला दी है। खाड़ी देशों को ईरान ने चेतावनी दी है वे अमेरिका की मदद नहीं करें। ईरान ने इस्लामी ब्रदरहुड की भावना को जागृत करते हुए कहा है जो देश अपनी जमीन को ईरान के ऊपर हमला करने के लिए उपलब्ध नहीं कराएंगे उनसे ईरान की कोई दुश्मनी नहीं है। हम सब मिलकर काम करेंगे। अमेरिका की दादागिरी नहीं सहेंगें। अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं या आक्रामक बयानों से नहीं चलती है। इसमें संतुलन, कूटनीति और दीर्घकालिक सोच और लाभ-हानि की आवश्यकता से जुड़ी होती है। ट्रंप की नीतियाँ, उनके तरह-तरह के बयान, धमकी तथा अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हुए जो दादागिरी और अहंकार कर रहे थे, ईरान ने अब उस पर तगड़ा वार किया है। अमेरिका ने जिन देशों को सुरक्षा देने का वचन दिया था वह सुरक्षा तो अमेरिका कर नहीं पाया। इस स्थिति में उठ रहे सवाल इसी बात की ओर इशारा करते हैं। केवल शक्ति प्रदर्शन से ना तो किसी देश पर कब्जा किया जा सकता है, नाही किसी समस्या का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है।

अमेरिका और इजरायल ने क्या सोचकर ईरान के ऊपर हमला किया था यह तो अमेरिका और इजराइल ही जानते हैं लेकिन अब जिस तरीके की स्थिति बन गई है, उसमें ट्रंप ना तो वहां से निकल पा रहे हैं और आगे बढ़ने के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं। वर्तमान स्थिति का घटनाक्रम अहंकारी राजनेताओं को महत्वपूर्ण सीख देता है। राजनीति और सत्ता के वैश्विक मंच पर हर कदम को सोच-समझकर उठाना जरूरी होता है। बड़बोलेपन और अहंकार की राजनीति लंबे समय तक टिक नहीं पाती है। जब हकीकत सामने आती है, तो सबसे ताकतवर अमेरिका और उसके राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भी असहज स्थिति में फंसते हैं। इस युद्ध के कारण जिस तरह से अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है, अमेरिका में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। अमेरिका का आर्थिक संकट बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में अब उन्हें अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी से चुनौती मिलना शुरू हो गई है। उनके लिए अब राष्ट्रपति पद पर बने रहने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। युद्ध के लिए अर्थतंत्र को मजबूत करने के लिए प्रयास करना पड़ रहा है। ईरान जैसे छोटे से देश से उन्हें इस तरह की चुनौती मिलेगी इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो यह दोनों कहावतें सत्य होती प्रतीत हो रही हैं।

भगवान महावीर का जिओ और जीने दो का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक

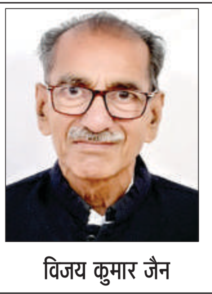

विजय कुमार जैन

अहिंसा के अवतार युगदृष्टा भगवान महावीर का 2625 वाँ जन्मोत्सव हम चैत्र शुक्ल 13 दिनांक 30 मार्च दिन सोमवार को मना रहे हैं। भगवान महावीर का 2552 वाँ निवाणोत्सव हमने कार्तिक कृष्णा अमावस्या 21अक्टूबर 25 मंगलवार को मनाया है। भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग दृष्टा, एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिये जिओ और जीने दो का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के जन्मोत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखें तो विगत वर्षों सारी दुनिया कोरोना से पीड़ित रही है। कहते हैं चीन में आम आदमी ने जहरीले जीव जन्तुओं को अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने उनका वेरहमी से भक्षण किया, यह भी आरोप है कि कोरोना महामारी का शुभारंभ सन 2019 में चीन से हुआ, और यह महामारी सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। सभी ओर से आबाज थी, हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारी से बचा जा सकता हैं। इस महामारी से लड़ने भगवान महाबीर का अहिंसा शाकाहार सिद्धांत प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिये यह सुखद संदेश है कोरोना महामारी से पीड़ित दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है।

विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था। हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान जीतकर उस पर कव्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया।

भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा-आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध,लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है।

विश्व वंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रिय जन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है। भगवान महावीर ने कहा है त्याग व तपस्या से जीवन महान बनता है। श्रावकों को अपने आचरण में अहिंसा तथा जीवन में अपरिग्रह रखना चाहिए।

युग दृष्टा, अहिंसा, करुणा, परोपकार की पावन प्रेरणा देने वाले भगवान महावीर के 2625 वे जन्मोत्सव के पुनीत अवसर पर हमे चिंतन करने की आवश्यकता है। वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध,मध्य पूर्व में चल? रहे भयाभय युदू,विश्व में बढ़ रहे अलगाववाद, आतंकवाद, सम्प्रदायवाद, हिंसा की निरंतर बढ़ती प्रवृत्ति, अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प की एकाधिकार नीति से पूरी दुनिया पर निरंकुश भावना पर अंकुश लगाने भगवान महावीर के सिद्धांत प्रासंगिक हैं। महावीर के सिद्धांत प्राणीमात्र के लिए हितकारी हैं।आज हम त्याग, सेवा, परोपकार के मार्ग पर चलने के बजाय अपने-अपने स्वार्थों को पूरा करने में लिप्त हो गये हैं। वर्तमान में नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार देने के स्थान पर उन्हें गुमराह किया जा रहा है, नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों से विमुख होकर पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही है। समाज का नेतृत्व करने बाले ही पतन के मार्ग चलने लगे तो नई पीढ़ी को कैसा आदर्श मिलेगा। क्रांतिकारी जैन संत समाधिस्थ मुनि तरुण सागर जी महाराज ने कड़वे प्रवचन करते हुए कहा था भगवान महावीर को जैन मंदिर की चार दीवारी से बाहर निकाल कर नगर के मुख्य चौराहे पर लाना होगा, तभी जनमानस भगवान महावीर जीवन दर्शन को समझ सकेगा।

दुनिया में सुख शांति की स्थापना करने के लिये हमें हर कीमत पर भगवान महावीर के बताये मार्ग पर चलना होगा। तभी भारत की प्राचीन संस्कृति और विरासत की रक्षा होगी। भारत ने कभी हिंसा में विश्वास नहीं किया। हमारा विश्वास भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलकर दूसरों की जान लेकर जीने में नहीं वरन अपनी जान की बाजी लगाकर दूसरों की रक्षा करने में है। अलगाव वाद,साम्राज्यवाद, तानाशाही से विश्व मुक्त हो इस हेतु भगवान महावीर द्वारा बताये मार्ग का अनुशरण करने में ही हम सबका कल्याण होगा। भगवान महावीर का जन्मोत्सव एवं निवाणोत्सव मनाकर हम आज औपचारिकता ही कर रहे हैं। आवश्यकता है उनके द्वारा बताये मार्ग पर चलने की।

भगवान महावीर के उपदेश को जैन धर्म की मेरी भावना नामक सुप्रसिद्ध विनती की निम्न पंक्तियां सार्थक करती हैं:-

मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवों से नित्य रहे,
दीन दुखी जीवों पर मेरे उर से करुणा स्त्रोत वहें।

(लेखक स्थायी अधिमान्य स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक है)

वास्तु दोष दूर करता है मोरपंख

मोर बेहद खूबसूरत पंछी है। ज्योतिष, वास्तु, धर्म, पुराण और संस्कृति में मोर का अत्यधिक महत्व माना गया है। मोर पंख घर में रखने से अमंगल टल जाता है। आइए जानें 25 अनूठी बातें मोर पंख के बारे में.

- मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी –दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं।
- मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।
- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- अगर आपके वैवाहिक जीवन में तनाव है तो अपने शयनकक्ष में मोरपंख रखें, इससे पति पत्नी के बीच प्यार बढ़ता है।
- यदि शत्रुता समाप्त करनी हो या कि शत्रु तंग कर रहे हो, तो मोरपंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिंदूर से उस शत्रु का नाम मंगलवार या शनिवार रात्रि में लिखकर उसे घर के पूजा स्थल में रखें व सुबह उठकर उसे चलते पानी मे प्रवाहित कर आएं।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर की दक्षिण दिशा में स्थित तिजोरी में खड़ा करके रखने से कभी भी धन की कमी नहीं होती है।
- राहु का दोष होने पर मोरपंख घर की पूर्वी और उत्तर पश्चिम की दीवार पर लगाएं।
- अगर आपके घर में मोरपंख है तो आपके घर में कोई भी बुरी शक्ति प्रवेश नहीं कर पाती है। यह घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- वास्तुशास्त्र के अनुसार मोरपंख को घर में रखने से आपके घर के सारे दोष दूर हो जाते है।
- यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार मे या अपनी जेब व डायरी मे रखा हो तो राहू कभी भी परेशान नहीं करता है। मोरपंख की पूजा करे या हो सके तो उसे हमेशा अपने पास रखे। मोरपंख को घर में रखने से परिवार के सदस्यों की सेहत भी अच्छी रहती है।
- ग्रहों के अशुभ प्रभाव होने पर मोरपंख पर 21 बार ग्रह का मंत्र बोलकर पानी का छींटें दें, और इसे श्रेष्ठ स्थान पर स्थापित करें जहां से यह दिखाई दे।
- आर्थिक लाभ के लिए किसी मंदिर में जाकर मोरपंख को राधा कृष्ण के मुकुट में लगाएं और 40 दिन बाद इसे लॉकर या तिजोरी में रख दें।
- बुरी नजर से बच्चों को बचाने के लिए नवजात बालक को मोरपंख चांदी के ताबीज में पहनाएं।
- घर के मुख्य द्वार पर 3 मोरपंख लगाकर ऊँ द्वारपालाय नम: जाग्रय स्थापयै स्वाहा मंत्र लिखें और नीचे गणेश जी की मूर्ति लगाएं।
- आग्नेय कोण में मोरपंख लगाने से घर के वास्तु दोष को ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा ईशान कोण में कृष्ण भगवान की फोटो के साथ मोरपंख लगाएं।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।
- यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।

सुंदर कांड देता है मन को शांति, बढ़ाता है शुभ ऊर्जा

महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण पर आधारित महाकाव्य श्रीरामचरितमानस का पंचम सोपान है सुंदर कांड। इसमें रामदूत, पवनपुत्र हनुमान का यशोगान किया गया है, इसलिए सुंदर कांड के नायक श्री हनुमान को माना जाता हैं।

सुंदर कांड का पाठ मन को शांति देने तथा शुभ ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है। सुंदर कांड का नाम सुंदर कांड क्यों रखा गया...

दरअसल, जब हनुमान जी, सीता जी की खोज में लंका गए थे और लंका त्रिकुटांचल पर्वत पर बसी हुई थी। त्रिकुटांचल पर्वत यानी यहां 3 पर्वत थे। पहला सुबैल पर्वत, जहां के मैदान में युद्ध हुआ था। दूसरा नील पर्वत, जहां राक्षसों के महल बसे हुए थे। तीसरे पर्वत का नाम है सुंदर पर्वत, जहां अशोक वाटिका निर्मित थी। इसी वाटिका में हनुमान जी और सीता जी की भेंट हुई थी। सुंदर पर्वत पर ही सबसे प्रमुख घटना घटित होने के कारण इसका नाम सुंदर कांड रखा गया। सुंदर पर्वत पर ही अशोक वाटिका थी और इसी अशोक वाटिका में ही हनुमान और सीता जी का मिलन हुआ था इसीलिए इस कांड का नाम सुंदर कांड रखा गया। कहा जाता हैं कि यहां की घटनाओं में हनुमान जी ने एक विशेष शैली अपनाई थी।

वास्तव में श्रीरामचरितमानस के सुंदर कांड की कथा सबसे अलग है। संपूर्ण श्रीरामचरितमानस भगवान श्रीराम के गुणों और उनके पुरुषार्थ को दर्शाती है। सुंदर कांड एकमात्र ऐसा अध्याय है, जो श्रीराम के भक्त हनुमान की विजय का कांड है। धार्मिक शास्त्रों के अनुसार सुंदर कांड का पाठ हम सभी को सुनना और पढ़ना चाहिए क्योंकि यह पाठ सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला तथा किसी भी प्रकार की परेशानी या संकट से आप घिरे हुए हो तो सुंदर कांड पाठ पढ़ने या सुनने से यह संकट तुरंत दूर हो जाता है। इतना ही नहीं यह प्रभु श्रीराम के परमभक्त श्री बजरंग बली की विजय का कांड होने से हम पर प्रभु श्रीराम, माता सीता तथा हनुमान जी की अनन्य कृपा प्राप्त होती है तथा हमारे मन को शांति मिलती है।

हनुमान जी जल्द ही प्रसन्न होने वाले देवता माने जाते हैं, अत- प्रतिदिन सुंदर कांड का पाठ करने वाले मनुष्य के जीवन से नकारात्मक शक्तियां भाग जाती है तथा यह पाठ बल, बुद्धि, एकाग्रता, आत्मविश्वास बढ़ता है तथा जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलते हैं और हमारे अंदर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है इसके अलावा भी सुंदर कांड पाठ पढ़ने के बहुत सारे लाभ हैं। विद्यार्थियों को यह पाठ अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इसका विशेष लाभ मिलता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाकर एकजाम में अच्छे अंक दिलाने में मददगार है। यह मानसिक परेशानियां, व्याधियां, गृह क्लेश, ऋण/ कर्ज मुक्ति आदि कई समस्या में भी लाभदायी है।

श्री कोत्तानकुलांगरा देवी मंदिर जहां पुरुषों को करना पड़ता है महिलाओं की तरह सोलह श्रृंगार

धर्म को लेकर हमारे देश में जहां तरह-तरह के प्रतबिंध लगाए गए हैं। देश में बहुत से मंदिर ऐसे हैं जिनमें महिलाओं का प्रवेश करने पर रोक होती है। ये मंदिर देश भर में इस तरह के लिए जाना जाता है कि यहां प्रवेश करने और पूजा करने के इच्छुक पुरुषों को बकायदा महिलाओं की ड्रेस में आना पड़ता है। इस मंदिर में उन्हें पूजा करने के लिए महिलाओं, किन्नरों पर कोई रोक नहीं है, लेकिन पुरुष अगर इस मंदिर में पूजा अर्चना करना चाहता है तो उसे महिलाओं की तरह पूरा सोलह श्रृंगार करना पड़ता है। यह खास मंदिर केरल के कोल्लम जिले में हैं जहां पर श्री कोतानकुलांगरा देवी मंदिर में हर साल चाम्याविलक्कू त्यौहार मनाया जाता है। इस त्योहार में हर साल हजारों की संख्या में पुरुष श्रद्धालु आते हैं। उनके तैयार होने के लिए मंदिर में अलग से मेकअप रूम बनाया जाता है। पुरुष महिलाओं की तरह न केवल साड़ी पहनते है, बल्कि जूलरी, मेकअप और बालों में गजरा भी लगाते है। इस उत्सव में शामिल होने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। यही नहीं ट्रांसजेंडर भी इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए आते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में देवी की मूर्ति स्वयं प्रकट हुई थी। अपनी खास परंपरा के लिए दुनियाभर में मशहूर इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं हैं। इस राज्य का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है जिसके गर्भगृह के ऊपर छत या कलश नहीं हैं। ऐसी मान्यता है कि कुछ चरवाहों ने महिलाओं के कपड़े पहनकर पत्थर पर फूल चढ़ाए थे, जिसके बाद उस पत्थर से दिव्य शक्ति निकलने लगी। इसके बाद इसे मंदिर का रूप दिया गया। एक मान्यता यह भी है कि कुछ लोग पत्थर पर नारियल फोड़ रहे थे और इसी दौरान पत्थर से खून निकलने लग गया जिसके बाद से यहां देवी की पूजा होने लगी।

इन 6 जगहों पर भूलकर भी न पहनकर जाएं रुद्राक्ष

रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आंसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है।

रुद्राक्ष का अर्थ है रुद्र का अक्ष। यानी भगवान रुद्र की आंखें। माना जाता है कि रुद्राक्ष की उत्पति भगवान शिव के अश्रुओं से हुई है। उन्होंने कठोर तप के बाद जब आंखें खोली तो उनके आंखों से जो आसू भूमि पर गिरे उसे से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई। रुद्राक्ष को पहने के नियम भी है। कहते हैं कि 6 जगहों पर रुद्राक्ष पहकर गए तो शिवजी नाराज हो जाएंगे।

- श्मशान – रुद्राक्ष की माला या रुद्राक्ष को किसी भी रूप में धारण करके शमशान नहीं जाना चाहिए। जो शमशान के संत होते हैं वे रुद्राक्ष के नियमों का पालन करते हैं।
- मृत्यु वाले घर – जहां पर किसी की मृत्यु हो गई हो वहां पर भी रुद्राक्ष पननकर न जाएं। यदि आपके घर में किसी परिजन की मृत्यु हो गई है तो रुद्राक्ष को उतारकर किसी उचित स्थान पर रख दें।
- शौचालय या स्नानघर – टॉयलेट या बाथरूम में रुद्राक्ष पहनकर नहीं जाते हैं। ऐसा करने से घोर पाप लगता है। यह शिवजी का अपमान माना जाएगा।
- मांस मदिरा सेवन के समय – रुद्राक्ष पहकर कर मांस भक्षण करना या शराब पीना वर्जित है। इसी के साथ ही बूचड़खाने में जाना या किसी शराब की दुकान पर जाना भी वर्जित है। जहां पर मुर्गा, बकरा आदि कटना या बनता है उस स्थान से भी दूर रहें।
- बालक के जन्म पर – जहां पर किसी बच्चे का जन्म हुआ हो और प्रसूता रहती हो वहां पर रुद्राक्ष पहनकर जाना वर्जित है। एक माह तक नियम का पानल करना चाहिए। ऐसी जगह पहनकर जाने से रुद्राक्ष निस्तेज हो जाता है।
- शयन कक्ष – सोने से पहले रुद्राक्ष को उतारकर उचित स्थान पर रख देना चाहिए। सोने के दौरान जहां रुद्राक्ष के टूटने का अंदेशा रहता है वहीं इससे रुद्राक्ष अशुद्ध और निस्तेज हो जाता है।

चन्द्र घात के समय नहीं करना चाहिए कोई महत्वपूर्ण कार्य

चंद्र घात विचार वैसे तो बहुत विस्तृत विषय है परंतु यहा पर आप संक्षिप्त में जान लें। पहले के समय में जन्म पत्रिका या कुंडली बनाते समय में घात चक्र का विवरण या सारणी भी दी जाती थी, परंतु आजकल नहीं दी जाती है। हालांकि इसको अब कोई महत्व भी नहीं देता है।

- किस राशि के लिए कौन नक्षत्र, मास, तिथि, वार, प्रहर चन्द्र आपके लिए शुभ है या अशुभ है यह जानना ही चंद्र घात के अंतर्गत आता है।
- किसी राशि विशेष के लिए एक ही दिन तीन से ज्यादा घात मिले तो उस दिन सावधानी बरतनी चाहिए।
- इन सब प्राचीन घात सूत्रों को ध्यान में रखने से घटना को कुछ हद तक टाला जा सकता है या उस घटना की भयावता को कम किया जा सकता है।
- सिंह राशि के लिए तृतीया तिथि एवं उस दिन शनिवार विशेष घातक माना गया है।
- जीवन में जन्म से तृतीय, पंचम, सप्तम दशाएं कष्टकारक होती है। उसे ध्यान में रखकर ही कोई कार्य करें।
- मेष की पहली, वृष की पांचवीं, मिथुन की नौवीं, कर्क की दूसरी, सिंह की छठी, कन्या की दसवीं, तुला की तीसरी, वृश्चिक की सातवीं, धनु की चौथी, मकर की आठवीं, कुम्भ की ग्यारहवीं, मीन की बारहवीं घड़ी घात चन्द्र मानी जाती है।
- कहते हैं कि चंद्र घात में यात्रा करने पर, युद्ध में जाने पर, कोर्ट कचहरी में जाने पर, खेती कार्य आरंभ करने पर, व्यापार शुरू करने पर, घर की नींव लगाने पर घात चन्द्र वर्जित मानी गई है।
- घात चन्द्र में रोग होने पर मौत, कोर्ट में केस दायर करने पर हार और यात्रा करने पर सजा या झूठा आरोप और विवाह करने पर वैधव्य होने की शंका व्यक्त की जाती है।
- मेषादि द्वादश राशियों के लिए क्रमश: 1, 5, 9, 2, 6, 10, 3, 7, 4, 8, 11, 12 घात चन्द्र दोष होता है। जैसे मेष राशि वालों के लिए मेष का, वृषभ राशि वालों के लिए वृषभ से पंचम कन्या का शेष इसी प्रकार घात चन्द्रमा होता है।
- मेषादि राशियों के लिए क्रमश: कृत्तिका, चित्रा, शतभीषा, मघा, धनिष्ठा, आर्दा, मूल, रोहिणी, पूर्वाभाद्रपदा, मघा, मूल और पूर्वाभाद्रपदा नक्षत्रों के क्रमश: 1-2-3-3-1-3-2-4-3-4-4 और 4 चरण नक्षत्र घात चरण होते हैं। राज सेवा, युद्ध और विवाद में घात चन्द्रमा वर्जित है।

हरसिंगार का घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है

हरसिंगार के फूल बहुत ही सुंदर और सुगंधित होते हैं। यह घर आंगन की सुदरता में चार चांद लगा देता है। इसका घर के आसपास होने बहुत ही शुभ माना गया है। बहुत ही आसानी से आप इसे किसी भी नर्सरी से खरीदकर अपने घर आंगन में लगाएं और जीवन में सुख, शांति और समृद्धि को निमंत्रण दें। आओ जानते हैं कि इसे घर आंगन में लगाने से क्या होगा।

- हरसिंगार का वृक्ष जिसके भी घर के आसपास होता है उसके घर के सभी तरह के वास्तुदोष दूर हो जाते हैं।
- हरसिंगार के फूलों को खासतौर पर लक्ष्मी पूजन के लिए इस्तेमाल किया जाता है लेकिन केवल उन्हीं फूलों को इस्तेमाल किया जाता है, जो अपने आप पेड़ से टूटकर नीचे गिर जाते हैं। जहां यह वृक्ष होता है वहां पर साक्षात लक्ष्मी का वास होता है।
- हरसिंगार के फूलों की सुगंध आपके जीवन से तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भर सकने की ताकत रखते हैं। इसकी सुगंध आपके मस्तिष्क को शांत कर देती है। घर परिवार में खुशी का माहौल बना रहता है और व्यक्ति लंबी आयु प्राप्त करता है।
- हरसिंगार के ये अद्भुत फूल सिर्फ रात में ही खिलते हैं और सुबह होते-होते वे सब मुरझा जाते हैं। यह फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है।
- ह्रदय रोगों के लिए हरसिंगार का प्रयोग बेहद लाभकारी है। इस के 15 से 20 फूलों या इसके रस का सेवन करना ह्रदय रोग से बचाने का असरकारक उपाय है, लेकिन यह उपाय किसी आयुर्वेदिक डॉक्टर की सलाह पर ही किया जा सकता है। इसके फूल, पत्ते और छाल का उपयोग औषधि के रूप में किया जाता है।
- हरसिंगार के फूल जिसके भी घर-आंगन में खिलते हैं, वहां हमेशा शांति और समृद्धि का निवास होता है। इसके फूल तनाव हटाकर खुशियां ही खुशियां भरने की क्षमता रखते हैं।

तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिर की छत गिरी, महिला श्रद्धालु की मौत, दो घायल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के त्रिची में प्रसिद्ध सामयापुरम मरियम्मन मंदिर के मंडपम में सो रही एक महिला श्रद्धालु की छत का हिस्सा गिरने से मौत हो गई। सामयापुरम मरियम्मन मंदिर तमिलनाडु के सबसे बड़े शक्ति मंदिरों में से एक है। दूर-दूर से श्रद्धालु पैदल चलकर यहां आते हैं, रात को मंडपम में रुकते हैं और सुबह माता मरियम्मन के दर्शन करते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक थंजावुर जिले से अपने परिजनों के साथ आई नथिया (32) अन्य श्रद्धालुओं के साथ मंडपम में सो रही थी। रात को अचानक छत का एक बड़ा हिस्सा टूटकर तीन महिलाओं पर आ गिर गया। नथिया को भी इस हादसे में गंभीर चोटें आईं उसकी मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दो अन्य महिलाओं को वहां मौजूद दूसरे श्रद्धालुओं ने बचाया और अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। यह सवाल उठ रहे हैं कि इतने बड़े और प्रसिद्ध मंदिर में इमारत की नियमित जांच क्यों नहीं होती और श्रद्धालुओं की सुरक्षा का जिम्मा कौन लेगा। यह हादसा उस वक्त हुआ जब मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। एक तरफ जहां लोग आस्था लेकर आते हैं वहीं इस तरह की घटनाएं मंदिर प्रशासन की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

पटना के दलदली रोड में भीषण अग्निकांड, मकान में फंसे 4 लोग, फायरकर्मियों ने किया रेस्क्यू

पटना (एजेंसी)। राजधानी के गांधी मैदान थाना क्षेत्र अंतर्गत दलदली रोड में शनिवार देर रात एक आवासीय मकान में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह घटना रात करीब 2:30 बजे की है, जब प्रेम कुमार नामक व्यक्ति के मकान में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि महज पांच मिनट के भीतर पूरी बिल्डिंग धू-धू कर जलने लगी। आग की तेज लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के घरों के लोग और दुकानदार जान बचाकर बाहर की ओर भागे। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि संकरी गलियां और पतले रास्ते होने के कारण दमकल वाहनों को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल कर्मियों ने करीब ढाई घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया हालांकि, जब तक आग बुझाई जा सकी, तब तक मकान के भीतर रखा सारा कीमती सामान जलकर राख हो चुका था। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन संपत्ति का भारी नुकसान हुआ है। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है, प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और ब्लैकमेलिंग मामले का आरोपी गिरफ्तार

नूंह (एजेंसी)। हरियाणा के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 28 मार्च को सिटी थाना फिरोजपुर झिरका में मामला दर्ज किया गया। यह केस हरियाणा धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2022 और भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। इस संबंध में शिकायतकर्ता महिला, जो पंजाबी समुदाय से बताई जा रही है, ने आरोप लगाया है, कि आरोपी जाहिर पुत्र यूनुस ने पहले उससे ऑनलाइन दोस्ती की। बाद में शादी का झांसा देकर उसे मेवात क्षेत्र में बुलाया, जहां एक होटल में उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया गया। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने घटना के दौरान अश्लील वीडियो बना लिया और बाद में उसी के जरिए उसे ब्लैकमेल करने लगा। आरोप है कि आरोपी लगातार धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालता रहा और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की गई। शिकायत में यह भी उल्लेख है कि आरोपी ने महिला को धमकाकर वहां से भगा दिया। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस से संपर्क कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी और न्याय की मांग की। पुलिस ने आरोपी की पहचान जाहिर पुत्र यूनुस, निवासी फिरोजपुर झिरका के रूप में की है और उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी अजायब सिंह ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा कि आरोपी को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा सके। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बीजेपी सांसद और विधायक ने किया कई विकास परियोजनाओं का शुभारंभ

-पालम की बदलेगी तस्वीर, भविष्य की योजनाओं पर होगा तेजी से काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और विधायक कुलदीप सोलंकी ने शनिवार को 12 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का औपचारिक शुभारंभ किया। इन योजनाओं के तहत क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं, जैसे सड़कों, गलियों, नालियों और पार्कों को आधुनिक और बेहतर बनाया जाएगा। एक शिलान्यास समारोह के दौरान बिधूड़ी और सोलंकी ने विकास कार्यों की नींव रखी। इस बजट से पालम गांव में होगी सड़क और ड्रेनेज (जल निकासी) व्यवस्था का सुदृढ़ीकरण, क्षेत्र के पार्कों में दो नए जिम और बच्चों के लिए लगाए जाएंगे झूले, राजनगर की गलियों का पुनर्निर्माण, गोकल गार्डन की सड़क, शिक्षा भारती से रामफल चौक तक की सड़क, सेक्टर-7 की मुख्य रोड और वर्धमान माल से दादा देव श्मशान घाट तक की सड़क का निर्माण कार्य शामिल है। सांसद बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जानकारी दी कि दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने पूरे पालम विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए कुल 187 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। उन्होंने पिछले एक साल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि दिल्ली में आरोग्य मंदिर, इलेक्ट्रिक बसें, अटल कैंटीन और स्कूलों में कंप्यूटर जैसी सुविधाओं पर तेजी से काम हुआ है। उन्होंने भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में यमुना की सफाई, सीवर मास्टर प्लान और पानी की पुरानी पाइपलाइनों को बदलने जैसी बड़ी परियोजनाएं शुरू हो रही हैं। इन कार्यों के पूरा होने से दिल्ली तेजी से विकास के पथ पर दौड़ती नजर आएगी।

पुरुलिया रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा...

बंगाल में अगर बीजेपी आई तो लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में आयोजित एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, कि यदि बीजेपी राज्य में सत्ता में आती है, तो वह बंगाल की पारंपरिक खान-पान संस्कृति पर रोक लगा सकती है। बीजेपी के आने पर लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा पाएंगे।

रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा ऐसे विचारों को बढ़ावा देती है, जिनमें मछली, मांस और अंडे जैसे खाद्य पदार्थों के सेवन पर प्रतिबंध की बात कही जाती है। उन्होंने दावा किया कि यह बंगाल की सांस्कृतिक पहचान पर सीधा हमला होगा। उन्होंने भाजपा पर धार्मिक और जातीय विभाजन करने के साथ ही दंगे भड़काने के आरोप भी लगाए।

टीएमसी सुप्रीमो ममता ने बीजेपी शासित राज्यों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां आदिवासियों का शोषण होता है और महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठते हैं। अपने भाषण में ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी सीधा निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं द्वारा टीएमसी के खिलाफ जारी की गई 'चार्जशीट' निराधार है और असल में भाजपा को अपने पिछले रिकॉर्ड का जवाब देना चाहिए। उन्होंने गुजरात के दंगों का जिक्र करते हुए बीजेपी की आलोचना की।

इसके साथ ही ममता बनर्जी ने राज्य सरकार की 'लक्ष्मी भंडार' योजना की सराहना करते हुए कहा कि इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी चुनाव से पहले लाभ देने का वादा करती है, लेकिन बाद में योजनाओं को बंद कर देती है।

चुनाव आयोग की प्रक्रिया 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) पर भी सवाल उठाते हुए उन्होंने दावा किया कि करीब 1.2 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें उनके समर्थक शामिल हैं। साथ ही, उन्होंने आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादलों को लेकर भी असंतोष जताया। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की 294 सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

भारत की पाकिस्तान-बांग्लादेश बॉर्डर पर एंटी ड्रोन-सेंसर से निगरानी : चीन सीमा पर पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर और गलवान झड़प के बाद सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है। पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा पर एंटी-ड्रोन, सेंसर और लेजर की मदद से निगरानी की जा रही है। वहीं, लद्दाख में चीन सीमा पर 29 नए आउटपोस्ट तैयार किए गए हैं। साथ ही भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की पेट्रोलिंग 3 गुना बढ़ा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की सालना रिपोर्ट 2024-25 के मुताबिक, भारत-पाकिस्तान सीमा पर जम्मू क्षेत्र और भारत-बांग्लादेश सीमा पर धुबरी में 5-5 किमी इलाके में 'कंप्रीहेंसिव इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम' (सीआईबीएमएस) के दो पायलट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं। सीआईबीएमएस कई तकनीकों और संसाधनों का एक नेटवर्क है। वहीं, म्यांमार सीमा पर अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर में 'हाइब्रिड सर्विलांस सिस्टम' पर काम जारी है। सीमाओं पर ड्रोन के बढ़ते खतरे को देखकर सुरक्षा बलों को स्पेशल ट्रैनिंग और मॉडर्न उपकरणों से लैस किया जा रहा है। यह सिस्टम अवैध हवाई घुसपैठ का पता लगाने और खत्म करने में प्रभावी है। जीआईएस लेयर और पीएम गति शक्ति पोर्टल का इस्तेमाल सीमावर्ती बुनियादी ढांचे की सटीक मैपिंग और रणनीतिक योजना बनाने के लिए हो रहा है। यह संवेदनशील इलाकों की निगरानी सुनिश्चित करता है। आईटीबीपी ने 2022 से 2024 के बीच 29 नए बॉर्डर आउटपोस्ट बनाए हैं। इससे कुल संख्या 209 हो गई है। यह बढ़ोतरी जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद की गई है। तब आईटीबीपी के 180 आउटपोस्ट थे। नए आउटपोस्ट बनने से दूर-दराज के हाई-एल्टीट्यूड इलाकों में आईटीबीपी की सालभर मौजूदगी बनी रहेगी। साथ ही फॉरवर्ड पोस्ट के बीच कनेक्टिविटी बेहतर हुई है। मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, 2017-18 में आईटीबीपी औसतन 173 पेट्रोलिंग प्रति माह करता था। यह संख्या 2023-24 में बढ़कर करीब 500 प्रति माह हो गई, यानी करीब 3 गुना बढ़ोतरी हुई है।

अमेठी में पुलिस ने सपा कार्यकर्ता के घर से 1400 लीटर पेट्रोल-डीजल किया जब्त

अमेठी। यूपी के अमेठी में डीजल-पेट्रोल की कमी की अफवाहों और पेट्रोल पंप पर लग रही भीड़ को लेकर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। मामले में सपा कार्यकर्ता के घर से भारी मात्रा में तेल बरामद किया गया है, जिसके बाद प्रशासन ने बरामद तेल को जब्त करते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पूरा मामला जनपद अमेठी कोतवाली क्षेत्र के भरेथा निधि के पुरवा गांव का है। जहां शनिवार को प्रशासन को सूचना मिली थी की कि किसी घर में बड़ी मात्रा में डीजल और पेट्रोल रखा है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने करीब 1400 लीटर डीजल-पेट्रोल बरामद किया है। तेल को चार नीले ड्रम, एक पानी की टंकी और चार छोटे डिब्बों में भरकर अवैध रूप से डंप किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर तेल जमा करने वाले दयाराम यादव के खिलाफ विधिक कार्यवाही शुरू कर तेल जब्त कर लिया है। वहीं दयाराम यादव समाजवादी पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता और पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति का करीबी बताया जा रहा है। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद सप्लाई विभाग के अधिकारी की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं इस मामले को लेकर सप्लाई इंस्पेक्टर शुभम चौधरी ने बताया की सूचना पर पहुंचकर छापा मारा गया।

बिना पट्टे के कुत्ते को घुमाया, सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधा तो लगेगा जुर्माना

-दिल्ली नगर निगम के बदलेंगे नियम, लोकसभा में जन विश्वास विधेयक हुआ पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम ने पुराने नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर ली गई है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में जन विश्वास विधेयक, 2026 पेश किया है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य छोटे अपराधों के लिए जुर्माने की राशि को बढ़ाना और पुराने कानूनों को आज के समय के मुताबिक प्रासंगिक बनाना है। नए विधेयक में यदि कोई मालिक अपने पालतू कुत्ते को बिना पट्टे के सड़क पर घुमाता है, तो उसे अब 50 रुपए के बजाय 1,000 रुपए जुर्माना देना होगा। इसी तरह सड़कों पर गायों या भैंसों को बांधने पर भी जुर्माने की राशि 100 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और पेशाब करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। पहले इसके लिए 50 रुपये का जुर्माना लगता था, जिसे अब बढ़ाकर 500 रुपए किया जा रहा है। गंदगी न हटाने पर पहली बार पकड़े जाने पर चेतावनी दी जाएगी, लेकिन दूसरी बार उल्लंघन करने पर सीधे 500 रुपए का जुर्माना लगेगा। कूड़ा फेंकने या सड़क पर गंदगी बहाने पर भी अब 50 के बजाय 200 रुपए देने होंगे।

विधेयक में कई अन्य नागरिक नियमों के उल्लंघन पर भी दंड बढ़ाया गया है। मकान नंबर मिटाने पर जुर्माना 50 से बढ़ाकर 1,000 रुपए करने का प्रस्ताव है। खतरनाक आतिशबाजी पर 50 की जगह पर अब 500 रुपए देने होंगे। निगम अधिकारी को परिसर में आने से रोकने पर जुर्माना 50 से बढ़कर 500 रुपए किया जा रहा है। आदेश के बाद भी असुरक्षित इमारत में रहने पर जुर्माना 200 से बढ़ाकर 1,000 रुपए किया गया है। विधेयक में एक मानवीय बदलाव भी किया गया है। पुराने नियम के तहत, यदि कोई सफाईकर्मी बिना सूचना दिए काम से गायब रहता था, तो उसे एक महीने की जेल हो सकती थी। नए प्रस्ताव में इस अपराध की श्रेणी को खत्म कर दिया गया है और जेल की जगह केवल 500 रुपए का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य करने बने कानून

-आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से किया आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के सांसद मालविंदर सिंह कंग ने केंद्र सरकार से आग्रह किया था कि शादी के समय लड़कों के डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच को अनिवार्य बनाने के लिए कानून बनाया जाए। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान यह मांग उठाई थी। कंग ने कहा था कि आज हमारे समाज में तलाक और घरेलू हिंसा के मामले बढ़ रहे हैं। जब नया रिश्ता जुड़ता है तो लड़की के बारे में बहुत जांच-पड़ताल की जाती है, लेकिन लड़कों को लेकर उतनी जांच-पड़ताल नहीं होती। उनका कहना था कि शादी के समय लोग इस तरह की चीजें छिपा लेते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि सरकार से मांग है कि एक कानून बनाया जाए कि शादी के समय डोप टेस्ट और चिकित्सा जांच अनिवार्य हो। उन्होंने कहा कि शादी के बाद कई बार सामने आता है कि लड़का गंभीर रूप से बीमार है या फिर वह आपराधिक प्रवृत्ति का है। इससे महिलाओं के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कंग ने कहा कि दूल्हे के लिए अनिवार्य कर दिया जाना चाहिए कि वह मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट और डोप टेस्ट का सर्टिफिकेट लड़की वालों के सामने पेश करे और तभी शादी हो।

कांग्रेस के उज्जवल रमण सिंह ने सरकार से ऑनलाइन कारोबार पर अंकुश लगाने और छोटे एवं मझौले व्यापारियों के हितों के संरक्षण की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को शून्य काल में इस बारे में नियम बनाने और छोटे दुकानदारों और मझौले व्यापारियों का व्यवसाय को बचाने के उपाय करने की सरकार से मांग की। वहीं सपा के वीरेन्द्र सिंह ने किसानों के घरों में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने पर बिल बढ़कर आने तथा प्रीपेड मीटर लगाने से उन्हें हो रही कठिनाइयों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए उनकी समस्यायें दूर करने की मांग की।

बीजेपी के निशिकांत दुबे ने मुस्लिमों और ईसाइयों से विवाह करने वाली आदिवासी युवतियों का अनुसूचित जनजाति का दर्जा समाप्त करने की मांग की। बीजेपी के ही चन्दूभाई छगनभाई शिहोरा ने गुजरात के सुरेन्द्र नगर इलाके के नमक किसानों को बारिश से हुए नुकसान की भरपाई करने और उन्हें भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत सहायता उपलब्ध कराने की मांग की। सपा के आनंद भदौरिया ने यूपी में शहीदों और संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त किये जाने का मुद्दा उठाया और इसके दोषियों को सजा देने की मांग की। कांग्रेस के डॉ. प्रशांत यादव राव पडोले ने 2027 की जनगणना के लिए तय प्रारूप के कॉलम में अन्य पिछड़ा वर्ग को भी जोड़ने की मांग की।

25 साल पुराना सपना सच, भारत के सबसे बड़े एयरपोर्ट से अगले 60 दिनों में शुरू होंगी उड़ानें

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के औपचारिक उद्घाटन के साथ ही भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शनिवार को किए गए इस उद्घाटन के बाद अब सभी की निगाहें कमर्शियल ऑपरेशंस शुरू होने पर टिकी हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया है कि नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो से हवाई अड्डा सुरक्षा कार्यक्रम की अंतिम मंजूरी मिलते ही यहाँ से व्यावसायिक उड़ानें पूरी तरह शुरू हो जाएंगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले 45 से 60 दिनों के भीतर सभी सुरक्षा मानक पूरे कर लिए जाएंगे और एयरपोर्ट एंट्री पास जारी होने के बाद स्टेकहोल्डर्स अपना काम शुरू कर सकेंगे।

लगभग 6,200 हेक्टेयर भूमि पर पांच चरणों में विकसित किए जा रहे इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का पहला चरण 11,200 करोड़ रुपये की लागत से सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल पर तैयार हुआ है। शुरुआत में यहाँ से घरेलू उड़ानों का परिचालन होगा, जिसमें दिल्ली और मुंबई जैसे मेट्रो शहरों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए सेवाएं विस्तार लेंगी। जहाँ तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का सवाल है, इसमें थोड़ा अधिक समय लग सकता है क्योंकि इसके लिए आव्रजन और सीमा शुल्क विभाग की गहन समीक्षा और मंजूरी अनिवार्य है। हालांकि, इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइन कंपनियां अंतरराष्ट्रीय परिचालन के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कनेक्टिविटी के मामले में यह एयरपोर्ट देश के सबसे सुगम हवाई अड्डों में से एक होगा। इसे यमुना एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल और गंगा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े सड़क मार्गों से जोड़ा गया है। साथ ही रेल और मेट्रो कनेक्टिविटी पर भी तेजी से काम चल रहा है। एयरपोर्ट के आसपास फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क और सेमीकंडक्टर पार्क जैसी औद्योगिक इकाइयां विकसित की जा रही हैं। इस परियोजना से सीधे तौर पर 50,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि लाखों अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। तकनीकी रूप से यह एयरपोर्ट वैश्विक स्तर का है। पहले चरण में 3,900 मीटर लंबा रनवे तैयार किया गया है, जो आधुनिक नेविगेशन सिस्टम और हर मौसम में उड़ान भरने की सुविधा से लैस है। यहाँ 40 एकड़ में विमानों की मरम्मत के लिए विशेष केंद्र बनाया गया है। भविष्य में यहाँ कुल 8 रनवे बनाने की योजना है। एयरपोर्ट का डिजाइन बनारस के घाटों और भारतीय हवेलियों की वास्तुकला से प्रेरित है, जो इसे सांस्कृतिक पहचान भी देता है। फार्म टू ग्लोबल मार्केट मॉडल के तहत यहाँ से पश्चिमी यूपी के किसानों के उत्पाद और राज्य के करीब 1 करोड़ एमएसएमई उद्योगों का सामान सीधे वैश्विक बाजारों तक पहुँच सकेगा।

बाबा खरात ने पति को किया बाहर, महिला को नशीला पदार्थ पिलाकर किया रेप

-ज्योतिषी खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज, व्यापारी से ठगे लाखों

मुंबई, (एजेंसी)। नासिक के स्वयंभू बाबा और ज्योतिषी अशोक खरात के खिलाफ रेप का आठवां मामला दर्ज हुआ है। सरकारवाड़ा पुलिस थाने में दो नए केस दर्ज किए गए हैं। एक शिकायत में कहा गया है कि खरात ने नेवासा फाटा अहिल्यानगर के एक व्यापारी से 2.6 लाख रुपए ठगने का आरोप है। वहीं दूसरा मामला महिला के यौन शोषण का है। आरोप है कि अगस्त 2024 से दिसंबर 2024 के बीच अशोक खरात ने महिला को अपनी हवस का शिकार बनाया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला का आरोप है कि चार महीने के अंदर अशोक खरात ने चार बार उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत में कहा गया है कि पीड़िता की शादी 2013 में हुई थी। एक बेटी का जन्म हुआ और फिर पति से अनबन हो गई। 2022 में एक रिश्तेदार ने दंपती को अशोक खरात से मिलवाया। उनकी सलाह के बाद पति-पत्नी साथ रहने लगे। अगस्त में दंपती खरात से मिलने गया था। खरात ने पति से बाहर इंतजार करने को कहा और इसके बाद महिला को अंदर ले गया। तांबे के बर्तन में कोई नशीला पदार्थ दिया।

पुलिस ने बताया कि खरात ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और धमकी भी दी कि अगर यह बात किसी से बताई तो दैवीय शक्तियां जीवन तबाह कर देंगी। इसके बाद खरात ने कई बार उसे बुलाकर रेप किया और जीवन खराब होने के डर से महिला चुप रही। रेप मामले में खरात की गिरफ्तारी के बाद पीड़िता सब कुछ बताने की हिम्मत जुटा पाई। महाराष्ट्र में नासिक के स्वयंभू बाबा अशोक खरात के खिलाफ पुलिस हेल्पलाइन के जरिए 100 से ज्यादा शिकायतें दर्ज की गई हैं जिनमें लगभग 70 फीसदी शिकायतकर्ता महिलाएं हैं।

पुलिस सूत्रों ने शनिवार को कहा कि कई पीड़ित, विशेष रूप से महिलाएं, बदनामी के डर, सामाजिक कलंक और आरोपी के राजनीतिक संबंधों के कारण शिकायत देने में संकोच कर रहे थे। इसे हल करने के लिए अधिकारियों ने पीड़ितों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक गोपनीय हेल्पलाइन शुरू की, जिसे काफी प्रतिक्रिया मिली है। खरात के खिलाफ आरोपों में धोखाधड़ी और यौन शोषण दोनों शामिल हैं। पुलिस जांच कर रही है और अधिकारियों ने सभी पीड़ितों से बिना किसी डर के आगे आने का आग्रह किया है। इसके साथ ही खरात के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

चुनावों में जमकर बंट रहीं मुफ्त की रेबड़ियां, महिलाओं के खाते में सीधे 24,500 करोड़ रुपये होंगे जमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेताओं ने वोट खरीदने का एक आसान और सरल रास्ता अपना लिया है। ये बात कोई और नहीं बल्कि आम आदमी कहता सुना जा रहा है। इस बार के चुनावों में राज्यों में होड़ लगी हुई है मुफ्त में रेबड़ियां बांटने की। नतीजा आम आदमी की जेब से निकलकर सीधे साढ़े 24 सौ करोड़ रुपए महिलाओं को बांट दिए जाएंगे। ताकि उन्हे वोट मिले और सत्ता पर काबिज हो जाएं।

5 राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की आहट के साथ ही राजनीतिक दलों ने सत्ता की चाबी हासिल करने के लिए कैश ट्रांसफर यानी सीधे नकद सहायता को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया है। एक विश्लेषण के अनुसार, चुनावी राज्यों में चार प्रमुख सरकारें महिलाओं के बैंक खातों में सीधे 24,500 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर रही हैं।

इन दलों का चुनावी वादा भी यही है कि यदि वे दोबारा सत्ता में आते हैं, तो अगले पांच वर्षों तक यह वित्तीय सहायता निर्बाध रूप से जारी रहेगी। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो इन चार राज्यों में कुल 17.89 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 4.1 करोड़ महिलाएं इन नकद योजनाओं की सीधी लाभार्थी हैं। यानी कुल वोटरों का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा सीधे तौर पर इन योजनाओं से जुड़ा है। विभिन्न राज्यों में इस नकद राजनीति के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ सरकार ने स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खातों में 2-2 हजार रुपये डाल दिए हैं। वहीं, असम में बिहू उत्सव के उपलक्ष्य में महिलाओं को 4-4 हजार रुपये की सहायता दी गई है। केरल की वामपंथी सरकार स्त्री सुखम नकद योजना के जरिए करीब 10 लाख महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये दे रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार ने अपनी प्रसिद्ध लक्ष्मी भंडार योजना की राशि में 500 रुपये की बढ़ोतरी की है। दिलचस्प बात यह है कि खस्ताहाल अर्थव्यवस्था के बावजूद बंगाल सरकार को इस योजना के लिए अगले साल 5,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ उठाना पड़ेगा।

पिछले पांच वर्षों के चुनावी रुझान बताते हैं कि महिलाओं को नकद सहायता देने वाले राज्यों की संख्या 1 से बढ़कर अब 15 हो गई है। ये राज्य सालाना लगभग 2.46 लाख करोड़ रुपये 13 करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में भेज रहे हैं। हालांकि, विशेषज्ञों ने इस रेवड़ी संस्कृति के दुष्प्रभावों पर भी चिंता जताई है। आंकड़ों के अनुसार, झारखंड जैसा राज्य अपने ग्रामीण विकास बजट का 81 प्रतिशत हिस्सा नकद ट्रांसफर में खर्च कर रहा है। इसके चलते महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों को बुनियादी विकास कार्यों और अन्य महत्वपूर्ण खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है। कई विकास परियोजनाएं धन के अभाव में अधूरी पड़ी हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल नकद योजनाओं के दम पर चुनाव जीतना हमेशा संभव नहीं होता। सीएसडीएस के निदेशक प्रो. संजय कुमार के अनुसार, अलग-अलग विचारधारा वाली पार्टियां एक ही फॉर्मूले पर चल रही हैं, लेकिन यह हमेशा सफल नहीं होता।

उदाहरण के तौर पर, आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस और राजस्थान में कांग्रेस की सरकारें भारी-भरकम नकद योजनाओं के बावजूद सत्ता बचाने में विफल रहीं। इसके उलट, मध्य प्रदेश में लाड़ली बहना और कर्नाटक में गृह लक्ष्मी जैसी योजनाओं को गेमचेंजर माना गया। वर्तमान में चुनावी राज्यों में मुफ्त राशन, मुफ्त गैस सिलेंडर और बेरोजगारी भत्ते जैसे वादों की झड़ी लगी हुई है, जिसने मतदाताओं को लुभाने की जंग को और तेज कर दिया है।

सड़क हादसा : आइसक्रीम लेकर घर लौट रहे चार साल के मासूम की बाइक से टक्कर में मौत, ग्रामीणों में पसरा मातम

बिभा संवाददाता

राजमहल । राजमहल थाना क्षेत्र के घाट जमनी पंचायत अंतर्गत बुधबरिया के पास फोरलेन मुख्य सड़क पर रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बाइक के धक्के से चार साल के एक बच्चे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। वही मिली जानकारी के अनुसार, टपुआ निवासी झगरू मंडल का पुत्र राजकुमार मंडल (4) अपने भाई के साथ घर के पास सड़क पार कर आइसक्रीम लेकर वापस लौट रहा था। इसी दौरान शोभापुर निवासी प्रहलाद मंडल साहेबगंज की ओर से बाइक से अपने घर जा रहा था। तेज रफ्तार बाइक ने मासूम राजकुमार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह बुरी तरह घायल होकर सड़क पर गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वही हादसे में बाइक चालक प्रहलाद मंडल भी गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों और परिजनों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। वही घटना की सूचना मिलते ही पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन और थाना प्रभारी हसनैन अंसारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल भेज दिया है, जबकि बाइक को जब्त कर लिया गया है। वही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा किया। इस दौरान जिला परिषद सदस्य राजेश मंडल, बिंदेश्वरी मंडल आदि ने मामले में पहल करने का आश्वासन दिया।वही इस हृदयविदारक घटना ने मासूम के परिजनों को तोड़कर रख दिया है। बच्चे के माता - पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतक के पिता ने बताया कि उनके कुल पांच बच्चे हैं। जिसमें तीन पुत्र और दो पुत्रियां, जिनमें राजकुमार सबसे छोटा था। इस दुखद घटना से पूरा परिवार सदमे में है।

राधानगर में सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने दिखाया जलवा

बिभा संवाददाता

उधवा । रामनवमी तथा चैती दुर्गा पूजा के अवसर पर उधवा प्रखंड अंतर्गत राधानगर हाईस्कूल परिसर में शनिवार की रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डु,थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज,थाना प्रभारी राजमहल हसनैन अंसारी ने संयुक्त रूप दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजन समिति ने अंग वस्त्र देकर व फुल माला पहनाकर सभी अतिथियों को सम्मानित किया। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्थानीय कालाकरो ने नित्य प्रस्तुत किया। जिसमें मुख्य रूप से देशभक्ति व धार्मिक गीत व संगीत से श्रोताओं का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि मो.मारुफ ने कहा कि इस तरह के सामुहिक कार्यक्रम से लोगों के बीच एकजुटता को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि राधानगर में आपसी भाईचारा और सौहार्दपूर्ण माहौल में त्यौहार मनाया जा रहा है। यह समाजिक एकता का प्रतीक है। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद उठाया। मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली, सचिव विश्वजीत मंडल, झामुमो जिला सह सचिव काजू मल्लिक, मोहम्मद अजीरुद्दीन शेख, सिद्धार्थ मंडल, मंजूर आलम, मो. नईम अख्तर सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

उधवा में दस बकायादारों का कटा विद्युत कनेक्शन

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड के विभिन्न इलाकों में बिजली विभाग की टीम के द्वारा लगातार अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काटा जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को विद्युत कनीय अभियंता चंदन कुमार के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उधवा,पियारपुर एवं मध्य पियारपुर में अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले 10 उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काट दिया है। बिजली विभाग की टीम ने बताया कि अभियान के दौरान पांच हजार से अधिक बकाया वाले 10 उपभोक्ताओं का कनेक्शन काटा गया है। साथ ही उनलोगों को बकाया राशि जल्द-जल्द भुगतान करने के साथ-साथ विद्युत कार्यालय से आरसीडीसी रशीद लेकर ही बिजली उपयोग करने को कहा गया। मौके पर लाइनमैन रविन्द्र मंडल,अरूण मंडल,प्रकाश मंडल,पूरन साहा, इस्लाम शेख,शौकत शेख,दिपक मंडल सहित अन्य मौजूद थे।

श्रद्धा और आस्था के साथ मां दुर्गा को दी विदाई, चैती दुर्गा पूजा का हुआ समापन

साहेबगंज (बिभा)। शहर में रविवार दोपहर बाद भारतीय कला मंदिर सकरूगढ़ चैती दुर्गा पूजा समिति, रसूलपुर दहला चैती दुर्गा पूजा समिति, चौक बाजार चैती दुर्गा पूजा समिति ओर जीरवाबाड़ी तुरी टोला चैती दुर्गा पूजा समिति का प्रतिमा विसर्जन जुलूस धूमधाम से गाजे बाजे ढोल नगाड़ा ओर पारंपरिक हथियार के साथ निकला। मंदिर से विधिवत रूप से पूजन आरती करके दुर्गा प्रतिमा शोभा यात्रा निकलकर तय मुख्य मार्गो का भ्रमण करके गोपालपुल, महाजन पट्टी, चौक बाजार, बाटा रोड, एलसी रोड, सब्जी मंडी रोड, पटेल चौक, स्टेशन चौक, कृष्णनगर, बड़तल्ला स्ट्रीट होते हुए स्थानीय गंगा तट पहुंचकर प्रतिमा विसर्जन किया गया। भारतीय कला मंदिर सकरूगढ़ चैती दुर्गा पूजा समिति की ओर से मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन रथ को श्रद्धालु रस्सी से खींचकर शहर भ्रमण कराया। विसर्जन जुलूस में श्रद्धालु पारंपरिक हथियार के साथ करतब दिखाते हुए ढोल बाजा में झूमते नाचते नम आंखों से मां दुर्गा को विदा किया। वही विसर्जन मार्ग में महिला पुरुष श्रद्धालु जगह जगह फूल माला चुनरी पहनाकर ओर पुष्प वर्षा करके मां दुर्गा का स्वागत पूजन आरती किया गया। विसर्जन के दौरान एलसी रोड, सब्जी मंडी रोड, कुलीपाड़ा, गुल्ली भट्टा, गोराबाड़ी चौक, पश्चिम फाटक, रेलवे लाइन किनारे सहित विसर्जन जुलूस मार्ग में मजिस्ट्रेड व पुलिस बल की तैनाती की तैनाती की गई थी, सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद थी। ड्रोन कैमरा व सीसीटीवी कैमरा से विसर्जन जुलूस पर पैनी नजर रखी गई। वही जिला के सभी थाना प्रभारी, सभी एसडीपीओ, व्रज वाहन के साथ सुरक्षा व्यवस्था में तैनात किया गया था। वही नियंत्रण कक्ष पूरी तरह से एक्टिव था। डीसी व एसपी पल पल की अपडेट ले रहे थे। बाइक पेट्रोलिंग संवेदनशील व विसर्जन रूट क्षेत्रों के गली मुहल्ले में गश्त लगाते दिखे।

कुडू में भाजपा प्रशिक्षण वर्ग को लेकर योजना बैठक आयोजित

लोहरदगा(बिभा)। भारतीय जनता पार्टी के कुडू मंडल द्वारा आगामी प्रशिक्षण वर्ग के सफल आयोजन को लेकर रविवार को एक महत्वपूर्ण योजना बैठक आयोजित की गई। बैठक कुडू बरहानिया स्थित शिशु विद्या मंदिर में मंडल अध्यक्ष कृष्णा मोदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यक्रम की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर तथा वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ हुई। बैठक में मंडल प्रशिक्षण वर्ग के प्रभारी प्रकाश नायक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रशिक्षण वर्ग के महत्व पर प्रकाश डाला और संगठन को मजबूत करने में इसकी भूमिका को विस्तार से समझाया। बैठक के दौरान प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियों, कार्यकताओं की भागीदारी, आवश्यक व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कृष्णा मोदी ने कहा कि यह एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग सभी कार्यकताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान रात्रि विश्राम की व्यवस्था भी निर्धारित स्थल पर की जाएगी।?उन्होंने सभी कार्यकताओं से अपील की कि वे पूरे समर्पण और निष्ठा के साथ प्रशिक्षण वर्ग में भाग लें और संगठन को सशक्त बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने संगठन हित में एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर निवर्तमान अध्यक्ष विश्वजीत भारती, धीरज प्रसाद, सुदामा प्रसाद, पंकज भारती, राजेश प्रसाद, प्रकाश सिंह, वरुण बैठा, सरजू कुमार साहु, विनय कुमार, जतन मुंडा, शशि कुमार, सूरज प्रसाद साहु, सुनील यादव, कृष्णा कुमार, श्रवण यादव सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झामुमो असम में पेश करेगी विकास का खाका : विधायक

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । झारखंड के मुख्यमंत्री सह झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष हेमंत सोरेन के नेतृत्व में असम राज्य में हो रही चुनाव में 21 विधानसभा सीट में झारखंड मुक्ति मोर्चा अपने प्रत्याशी को चुनावी मैदान में उतारी है। वहीं असम की जनता झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति अपने अटूट आस्था को व्यक्त करते हुए लाखों की जैन सैलाब के साथ चुनावी सभा में पहुंच रहे हैं। उपरोक्त बातें राजमहल विधानसभा के विधायक सह झामुमो स्टार प्रचारक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने कही। साथ ही उन्होंने कहा कि असम डेलीगेट के मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री के निर्देशन अनुसार चार सदस्य टीम का गठन किया गया था। जिसमें राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा, मंत्री झारखंड सरकार चमरा लिंडा, विधायक भूषण तिर्की एवं उनका स्वयं शामिल किया गया था। वहीं असम में आदिवासी एवं अल्पसंख्यकों की स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। वहीं मुख्यमंत्री ने असम में रह रहे आदिवासी झारखंड से जुड़े टी ट्राइब जो अपने हक और अधिकार की लड़ाई लगातार लड़ रहे हैं, अल्पसंख्यक समाज, राजवंशी समाज सभी के हित में चुनाव लड़ने का निर्णय लिए और पूरी दमखम के साथ चुनाव लड़ा जा रहा है। वहीं झारखंड के विकास का समीकरण असम में भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड मुक्ति मोर्चा स्थापित करेगी। वहीं वर्षों से अपने हक और अधिकार की लड़ाई लड़ रहे ट्राइब और आदिवासी समाज को एक नई ऊर्जा मिली है। क्योंकि सभी का लगाव झारखंड से भी है। सभी अपना समर्थन बढ़- चढ़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा के पक्ष में दे रहे हैं। सामाजिक एकता और सर्वधर्म सम्मान के साथ झारखंड में सरकार चल रही है यहां कोई जाति भेदभाव नहीं है उसी तरह असम में भी कोई भेदभाव नहीं दिखेगी। झारखंड मुक्ति मोर्चा असम में भी सामाजिक एकता की मिसाल पेश करेगी।

आमजन को राज्य सरकार की योजनाओं से कराया गया अवगत

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । सदर प्रखंड के पंचायत हाजीपुर पूर्व स्थित बड़ी कोदरजन्ना सामुदायिक भवन में रविवार को पंचायत अध्यक्ष देवदत्त मंडल की अध्यक्षता में झारखंड मुक्ति मोर्चा की बैठक की गई। बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह शामिल हुए। बैठक में अमरदीप सिंह ने कहा कि राज्य सरकार की चल रही सभी जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में भी मिले इसके लिए सभी कार्यकर्ता लोगों को जानकारी उपलब्ध कराएं। प्रखंड अध्यक्ष ने आम लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं से रूबरू हुए एवं जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। मौके पर शंभू कुमार, विजय बहादुर सिंह, भोला मंडल, श्रीकांत मंडल, बाल्मीकि यादव, विलास महालदार, अखिलेश कुमार, संतोष कुमार आदित्य कुमार निरंजन मंडल आदि अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मन की बात में जनता से सीधे जुड़ते हैं प्रधानमंत्री : भाजपा

रामगढ़। प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी की ओर से महीने के अंतिम रविवार को मन की बात करते हुए जनता से सीधे जुड़ाव बनाया जाता है। रामगढ़ शहर के बूथ नंबर 46 पर मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए सैकड़े लोग जुटे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री ने देश की जनता को जो संदेश दिया वह काबिल-ए-तारीफ थी। भाजपा जिला उपाध्यक्ष रंजन फौजी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए जिला उपाध्यक्ष रंजन फौजी ने कहा कि प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी का यह संवाद कार्यक्रम अत्यंत उत्प्रेरक और प्रेरणादायक है। यह कार्यक्रम देश के विकास में आम नागरिकों की भागीदारी और उनकी उपलब्धियों को रेखांकित करता है। उन्होंने आगे कहा कि 'मन की बात' समाज के अंतिम व्यक्ति तक सकारात्मक विचार पहुँचाने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन की मजबूती पर भी चर्चा की गई। सामूहिक श्रवण के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से शारदा देवी, जवाहर राय, मुन्ना मिश्रा, सूरज सिंह, विकास कुमार, ललित सिंह, सौरभ सिंह, शैलेंद्र राय, शिखा चक्रवर्ती सहित दर्जनों कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स: जिले के 3 खिलाड़ी तैयार, आज से मुकाबला

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । खेल एवं युवा मामले में भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा 25 मार्च से 03 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ के तीन शहरों रायपुर, जगदलपुर एवं सरगुजा में आयोजित हो रहे प्रथम खेलो इंडिया जनजातिय (ट्राइवल) गेम्स के लिए खेल विभाग द्वारा जिले में संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षु एथलीट एमानुएल किस्कू का चयन 110 मीटर हर्डल्स एवं 4 गुणा 100 मीटर रिले तथा रायपुर में हो रहे प्रदर्शनी कबड्डी मैच में राहुल कुमार , प्रीति कुमारी कल से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। वहीं प्रशिक्षक योगेश यादव एथलेटिक्स स्पर्धा में नेशनल टेक्निकल ऑफिशियल तथा कुश्ती प्रशिक्षक प्रकाश सिंह बादल झारखंड राज्य कुश्ती टीम कोच का दायित्व निभाएंगे। वहीं इस उपलब्धि पर उपायुक्त हेमंत सती, उपविकास आयुक्त सतीश चंद्रा,आई.टी.डी. ए. निदेशक संजय कुमार,अपर समाहर्ता गौतम भगत, जिला शिक्षा पदाधिकारी दुर्गा नंद झा,जिला खेल पदाधिकारी सह जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष,जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष राजेश यादव,सचिव माधव चंद्र घोष, कल्याण श्रीवास्तव,ओम ततसत,संतोष उर्फ टिंकू, खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी, जिला कबड्डी संघ के सचिव नवनीत उर्फ सोनू, बिरेंद्र कुमार,आदित्य कुमार, कोच अशोक साहनी, निमाई चौधरी समेत जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

राधानगर की खुशी कुमारी ने बिहार के पूर्णिया मैराथन में लहराया जीत का परचम

उज्जवल घोष

राधानगर/उधवा। प्रतिभा किसी संसाधनों की मोहताज नहीं होती है। इसे एक बार फिर सच कर दिखाया है राधानगर स्थित निःशुल्क संचालित शारीरिक प्रशिक्षण केंद्र जुनून अड्डा की होनहार खिलाड़ी खुशी कुमारी। दरअसल बिहार के पूर्णिया जिले में आयोजित भव्य 5 किलोमीटर मैराथन दौड़ में खुशी कुमारी ने अपनी अद्भुत खेल क्षमता और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर पदक व ट्रॉफी अपने नाम किया है। पूर्णिया में आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के सैकड़ों धावकों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता के प्रारंभ से ही खुशी कुमारी ने अपनी लक्ष्य बनाए रखी और अंतिम क्षणों में जबरदस्त रफ्तार दिखाते हुए अपने प्रतिद्वंदियों को पीछे छोड़ दिया। जैसे ही खुशी कुमारी ने फिनिशिंग लाइन पार की,पूरा मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। आयोजकों ने बताया कि खुशी कुमारी जिस ऊर्जा और रफ्तार के साथ दौड़ को फिनिशिंग किया है,काबिल ए तारीफ है। उन्होंने मंगल कामनाओं के साथ विजेताओं का उत्साह वर्धन किया।

जुनून अड्डा, निखार रही है ग्रामीण प्रतिभा

खुशी कुमारी की इस सफलता के पीछे जुनून अड्डा राधानगर का विशेष योगदान है। यह केंद्र ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं विशेषकर युवतियों को बिना किसी शुल्क के शारीरिक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें सेना,पुलिस और खेल जगत के लिए तैयार कर रहा है। केंद्र के प्रशिक्षकों ने खुशी की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उसकी मेहनत और अनुशासन ही आज उसे इस मुकाम पर ले आया है। अपनी जीत से उत्साहित खुशी कुमारी ने बताया कि उनका लक्ष्य आने वाले समय में राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर अपने राज्य और संस्थान का नाम रोशन करना है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय जुनून अड्डा के मार्गदर्शकों,सदस्यों और अपने माता-पिता के सहयोग को दिया। खुशी कुमारी ने कहा कि मैदान पर बहाया गया पसीना कभी बेकार नहीं जाता। जुनून अड्डा ने मुझे वह मंच दिया। जहां मैंने अपने सपनों को दौड़ना सिखाया। खुशी कुमारी की इस शानदार जीत पर जुनून अड्डा के सभी सदस्यों और खेल प्रेमियों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

सीओ ने तेतुलिया पंचायत के मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण, बीएलओ कार्यों की जांच

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल अंचल अधिकारी सह सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी मो. यूसुफ सर के नेतृत्व में चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआरई) अभियान के तहत मतदाता सूची के परिशोधन को लेकर बुधवार को पंचायत तेतुलिया के विभिन्न मतदान केंद्रों का गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारी ने जमीनी स्तर पर बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा किए जा रहे सर्वेक्षण की गुणवत्ता को परखा और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वही निरीक्षण के पहले चरण में मतदान केंद्र संख्या 173, तेतुलिया पंचायत में बीएलओ काजल कुमारी द्वारा किए गए सर्वेक्षण की बारीकी से समीक्षा की गई। मौके पर नोडल पदाधिकारी गगन बापू, बीएलओ सुपरवाइजर श्रवण कुमार यादव सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे। मो. यूसुफ ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने तथा संशोधन से जुड़े दस्तावेजों का मिलान किया और बीएलओ को घर-घर सर्वेक्षण में पूरी सावधानी बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटना नहीं चाहिए और निर्वाचन प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखना सर्वोपरि है। वहीं, मतदान केंद्र संख्या 174 पर भी अधिकारियों ने पहुंचकर निरीक्षण किया। इस केंद्र की बीएलओ मुनिता देवी उपस्थित रहीं और उन्होंने अब तक किए गए कार्यों से अवगत कराया। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने केंद्रवार मतदाताओं के आंकड़ों का अवलोकन किया और फॉर्म-6, 7, 8 आदि के निस्तारण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है, जिसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वही निरीक्षण के दौरान अंचल अधिकारी ने बीएलओ सुपरवाइजर को निर्देश दिया कि सभी बीएलओ समय-सीमा के भीतर सर्वेक्षण पूरा करना सुनिश्चित करें और प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाता जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। इस अवसर पर उपस्थित कर्मियों को आवश्यक दिशानिर्देश देते हुए कहा गया कि आगामी चुनाव को देखते हुए मतदाता सूची का परिशोधन अत्यंत महत्वपूर्ण है, और इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

एफसीआई गोदाम के ठेकेदार का रेलवे लाइन पर मिला शव, परिजनों ने हत्या की जताई आशंका

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । महादेवगंज पेट्रोल पंप डीजल भराने गए एफसीआई गोदाम के ठेकेदार का शव रविवार को महादेवगंज स्थित रेल पटरी किनारे से मिला है। हलांकि यह हत्या है या सिर्फ एक हादसा यह जांच का विषय है। जानकारी के मुताबिक एफसीआई गोदाम के ठेकेदार सह मैनेजर हजारीबाग के मनोज कुमार (56) था। मृतक साहेबगंज के आजाद नगर में किराए के मकान में रहता था। ठेकेदार कि पत्नी सजोज देवी ने बताया कि शनिवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे वे अपने डीजल भराने महादेवगंज गये थे। देर शाम तक जब में वापस नहीं लौटा। तो करीब 8 बजे फोन किये तो उनका मोबाइल ऑफ बताया जिसके बाद यहां वहां काफी खोज बिन किये। कहा सुबह थाना गये तो पता चल कि रेलवे ट्रैक पर किसी का शव है। वहीं जब वहां पहुंचे तो देखे को उनकी मौत हो गई है। वही उन्होंने कही कि किसी साजिश के तहत इसे मारा गया है। कहा यह दुर्धटना नहीं हो सकता है।वहीं मृतक के सर में गंभीर चोट लगी है व चेहरा में भी जख्म है। इधर पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया किसी ट्रेन की चपेट में आने से मौत होने की आशंका जता रही है। हालांकि जांच के बाद ही हकीकत समाने आएगी। पुलिस गहराई से जांच में जुटी है।

आईपीएल में आज होगा सीएसके और राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला

गुवाहाटी (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सोमवार को पांच बार की विजेता रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का पहला मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। रॉयल्स की कप्तानी युवा रियान पराग करेंगे। वहीं सीएसके की कप्तानी रूतुराज गायकवाड़ के पास है। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के सीएसके जाने के बाद पराग को कप्तानी दी गयी है। वहीं सीएसके नये नेतृत्व के तहत ही रूतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में उतरेंगी।

इस मैच में दोनो ही टीमों में शामिल कुछ स्टार खिलाड़ी अपनी ही पुरानी टीमों से टकराते दिखें। लंबे समय तक रॉयल्स में रहे विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन इस बार सीएसके की ओर से खेलेंगे जबकि सीएसके के रविन्द्र जडेजा रॉयल्स की ओर से उतरेंगे। ऐसे में दोनों ही टीमों का रोमांचक मुकाबला होगा। सीएसके को सैमसन के आने से एक अच्छा बल्लेबाज और विकेट कीपर मिलेगा। वहीं जडेजा के आने से रॉयल्स की गेंदबाजी और बल्लेबाजी बेहतर होगी। सामने अपनी पुरानी टीमों को चुनौती देने की बारी होगी।

सैमसन ने हाल में टी20 विश्व कप में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में उनके फार्म में होने का लाभ सीएसके को मिलेगा। वह सीएसके टीम के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ के साथ पारी शुरु करेंगे। सैमसन के पास लंबी पारी खेलने का अनुभव है जिसका लाभ सीएसके को मिलेगा। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। ऐसे में सैमसन को उनकी कमी पूरी करनी होगी। धोनी के बार होने से बायें हाथ के युवा स्पिन ऑलराउंडर प्रशांत वीर को टीम में अवसर मिल सकता है। इसके अलावा युवा कार्तिक शर्मा पर भी सबकी नजरें रहेंगी। कार्तिक तेजी से खेलने के लिए जोन जाते हैं।

सीएसके के पास मजबूत बल्लेबाजी क्रम है। युव बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस अब पहले से बेहतर हो चले हैं। वहीं शिवम दुबे मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन गए हैं। युवा आयुष म्हात्रे भी अच्छी बल्लेबाजी करते हैं। वहीं

सीएसएस की गेंदबाजी कुछ कमजोर नजर आती है। गेंदबाजी की जिम्मेदारी नूर अहमद, अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद के पास रहेगी।

वहीं रॉयल्स की बात करें तो जडेजा के आने से टीम का अनुभव और संतुलन बढ़ा है। टीम की बल्लेबाजी की कमान यशस्वी जायसवाल के पास रहेगी। टीम में युवा वैभव सूर्यवंशी भी नये रिकार्ड बनाना चाहेंगे। वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायेर के होने से भी टीम को लाभ मिलेगा। रॉयल्स की गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर के अलावा कोई भी ऐसा गेंदबाज नहीं है जो विशेष हो। पिछले सत्र के बाद टीम में कई बदलाव हुए हैं पर वह बेहतर गेंदबाज शामिल नहीं कर पायी है। स्पिन गेंदबाजी की कमान जडेजा और रवि बिश्नोई के पास रहेगी।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

चेन्नई सुपर किंग्स: रूतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे , आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

सबालेंका ने मियामी ओपन खिताब जीता, सनशाइन डबल भी हासिल किया

मियामी (एजेंसी)। बेलारुस की स्टार खिलाड़ी आर्यंका सबालेंका ने मियामी ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। सबालेंका ने महिला एकल मुकाबले के फाइनल में अमेरिका की कोको गाफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा और इस जीत के साथ ही सबालेंका ने लगातार दूसरी बार मियामी खिबाब जीतने के साथ ही सनशाइन डबल की उपलब्धि भी हासिल कर ली। सनशाइन डबल तब होता है जब कोई खिलाड़ी एक ही सत्र में इंडियन वेल्स और मियामी में जीत हासिल करता है। सबालेंका ने इससे पहले इंडियन वेल्स में भी खिताब जीता था। सबालेंका अब साल 2022 में पोलैंड की इगा स्वीटेक के बाद सनशाइन डबल पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले स्टेफी ग्राफ , किम क्लीजिस्टस और विक्टोरिया अजारेंका ने ही ये खिताब जीता है। इस प्रकार सबालेंका सनशाइन डबल जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं।सबालेंका ने खिताब मुकाबले का पहला सेट 6-2 से जीत लिया पर दूसरे सेट में गॉफ़ ने 6-4 से सेट जीतकर अच्छी वापसी की पर तीसरे सेट में सबालेंका ने एक बार फिर बाजी मार ली और शानदार सर्विस और विनर्स की सहायता से मैच जीत लिया। यह सबालेंका के करियर का 24वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब है। वहीं कुल मिलाकर उनका 30वां खिताब है। इसमें चार ग्रैंड स्लैम एकल, दो ग्रैंड स्लैम डबल्स और कई डब्लयूटीए 1000 टाइटल शामिल हैं।

ओलंपिक पदक जीतना हर खिलाड़ी का होता है सपना : अनाहत

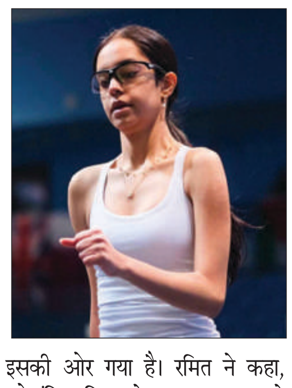

मुंबई (एजेंसी)। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह का कहना है कि उनकी लक्ष्य 2028 लॉस एंजिलिस 2028 खेलों में पदक जीतना है। अनाहत ने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने की चाहत हर खिलाड़ी में होती है। अनाहत ने कहा, यह पहली बार है जब इस खेल कोओलंपिक में जगह मिली है सभी खिलाड़ी इस अवसर का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे पहले कोई भी स्क्वाश खिलाड़ी अधिक से अधिक राष्ट्रमंडल खेलों में खेल सकता था पर अब ओलंपिक में भी वह अपनी प्रतिभा दिखा सकता है। अनाहत ने कहा, अगले कुछ साल में मेरा लक्ष्य देश के लिए पदक जीतना रहेगा। अभी वह जेएसडब्ल्यू इंडियन ओपन में खेलेंगी। इससे खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक हासिल करने का भी अवसर मिलेगा। इससे इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों के लिए लय बनाने में सहायता मिलेगी। अनाहत ने कहा कि वह एक समय में एक ही टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। वहीं पुरुष वर्ग में स्टार खिलाड़ी रमित टंडन ने कहा कि इस खेल को ओलंपिक में शामिल किए जाने से अब कारपोरेट जगत का ध्यान भी इसकी ओर गया है। रमित ने कहा, ओलंपिक विश्व खेल जगत का सबसे बड़ा आयोजन है और उसमें खेलना सभी का सपना होता है। साथ ही कहा कि हमारे खेल को जेएसडब्ल्यू और अन्य कारपोरेट घरानों के जुड़ने से भी लाभ हुआ है। ये ओलंपिक में शामिल होने से ही संभव हो पाया है। रमित ने कहा कि इसके ठीक बाद मैं लंदन में अगला टूर्नामेंट खेलने जा रहा हूं। रमित ने कहा, तैयारी के लिहाज से विश्व चैंपियनशिप काहिरा में है जो एक प्रभावित इलाका है। हमें पीएसए से संदेश मिल रहे हैं जिनमें कहा गया है कि वे स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। वे तारीखों में थोड़ा-बहुत फेरबदल करने पर भी विचार कर रहे हैं।

आईपीएल के शुरुआती मैच में ही बने कई रिकार्ड

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल के पहले ही मैच में एक साथ कई रिकार्ड बने हैं। इस मैच में आरसीबी ने 15.4 ओवर में ही 202 रन बनाकर आईपीएल में सबसे तेजी से 200 रन बनाने का लक्ष्य अपने नाम किया। इससे पहले सबसे तेज 200 रनों का रिकार्ड राजस्थान रॉयल्स के नाम था जो उसने पिछले सत्र में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 15.5 ओवर में 212 रन बनाये थे। वहीं इस मैच में विराट कोहली ने नाबाद 69 रन बनाये। स प्रकार वह एक स्थल पर सबसे ज्यादा अर्घशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान ने

80 रनों की पारी के साथ ही अपने 3000 आईपीएल रन पूरे किये।

विराट ने बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 28 बार पचास रन बनाए हैं। वहीं एक ही मैदान पर सबसे ज्यादा अर्धशतक के मामले में इंग्लैंड के जेम्स विंस दूसरे नंबर पर हैं। विंस के नाम द रोज बाउल, साउथैम्प्टन में 27 अर्धशतक का रिकार्ड है। कोहली ने आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए 4000 रन बनाने का रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इसके अलावा वह टी-20 क्रिकेट में 13,572 रन के साथ पाकिस्तान के शोएब मालिक को पीछे छोड़ते हुए छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने।वहीं सनराइजर्स ने इस मैच में 201 रन बनाने के साथ ही आरसीबी के खिलाफ खिलाफ सातवीं बार 200 से अधिक रन बनये हैं। वहीं सनराइजर्स के ईशान किशन ने कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाए। इस पारी के साथ वह आईपीएल में कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं।

कप्तान स्टोक्स चोटिल कोने के कारण अगले दो माह तक खेल से बाहर हुए , गाल की हड्डी टूटी

लंदन ।इंग्लैंड की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल होने के कारण अगले दो महीने के लिए खेल से बाहर हो गये हैं। स्टोक्स के गाल की हड्डी एक थ्रो लगने से टूट गयी है।ऐसे में अब वह दो माह बाद ही खेल के मैदान में वापसी कर सकेंगे। स्टोक्स की फरवरी में ही सर्जरी भी हुई थी।इसी कारण वह डरहम के लिए काउंटी सीजन के पहले महीने में उपलब्ध नहीं थे।डरहम अकादमी में स्टोक्स जब सर्जरी से उबरकर अभ्यास कर रहे थे तभी नेट्स में गेंद उनके चेहरे पर लग गयी। स्टोक्स इंग्लैंड लायंस की कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे।पाकिस्तान शाहीन्स के खिलाफ यूएई में व्हाइट-बॉल सीरीज में भी वह फिटनेस टेस्ट में असफल रहे थे। स्टोक्स डरहम की ओ से अगले सप्ताह केंट के खिलाफ सीजन ओपनर में खेलने वाले थे पर अब उनके सपनों पर पारी फिर गय है।टीम के मुख्य कोच ने कहा कि स्टोक्स शायद 8 मई से वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ पांचवें मैच से पहले नहीं खेल पाएंगे। वहीं डरहम के मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने कहा कि इस प्रकार लगातार चोटिल होने से इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं।कैंपबेल ने कहा, 'यह घटना और भी खतरनाक हो सकती थी। अगर गेंद कुछ सेंटीमीटर अलग दिशा में लगती और उनकी आंख पर लग जाती, तो परिणाम क्या होता। इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। राहत की बात ये रही कि वह बच गये हैं।'

धोनी के बाहर होने से मिल सकता है युवा कार्तिक को अवसर

गुवाहाटी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआती मैचों से बाहर होने के कारण सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने पहले मुकाबले में युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा को अवसर दे सकती है। धोनी फिलहाल पिंडली की चोट से उबर रहे हैं और रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। ऐसे में वह शुरुआती मैचों से बाहर रहेंगे। कार्तिक को सीएसके ने नीलामी में 14.2 करोड़ रुपये में खरीदा है। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ियों में से एक बन गये हैं। सीएसके पिछले सत्र से ही इस खिलाड़ी को खरीदना चाहती थी। इसी कारण उसे हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अभ्यास के लिए भेजा गया। कार्तिक मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने के साथ विकेटकीपिंग भी करते हैं। ऐमें में टीम उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना चाहेगी। कार्तिक ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के पहले ही मैच में शतक लगाया था और इसके बाद लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे। विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में उन्होंने 445 रन बनाए और टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये। वहीं सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उन्होंने 11 पारियों में 334 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 162.92 रहा। कार्तिक भी धोनी की तरत मैच फिनिशर बनना चाहते हैं।

आईपीएल से हटने वालों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरुरत : गावस्कर

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है आईपीएल से हटने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ केवल दो साल का प्रतिबंध ही काफी नहीं है।हससे भी अधिक सख्त कदम उठाने चाहिये जिससे कि कोई भी भविष्य में इस प्रकार से धोखा न करे।गावस्कर ने कहा कि जिस प्रकार से कई खिलाड़ी बहानेबाजी करते हैं उसे रोकने के लिए आईपीएल आयोजकों का कठोर नियम बनाने चाहिये। आईपीएल शुरु होने के ठीक पहले कुछ विदेशी खिलाड़ियों के अचानक वापस नाम लेने से टीमों की रणनीति बिखर गयी है। नाम वापस लेने वालों में इंग्लैंड के बेन डकेट और हैरी ब्रूक भी शामिल है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार अगर कोई खिलाड़ी नीलामी में बिकने के बाद टूर्नामेंट से नाम वापस लेता है तो उस पर 2 साल का प्रतिबंध लगता है पर गावस्कर का मानना है कि इससे अधिक अधिक कठोर कदमों की जरुरत है। गावस्कर ने कहा, 卐यह एक कठिन मामला है। डकेट की एशेज सीरीज बहुत अच्छी रही थी, और अगर उन्हें 'द हंड्रेड' की नीलामी में उतनी बड़ी रकम में नहीं खरीदा गया होता, तो वह आईपीएल खेल रहे होते।'द हंड्रेड' में अच्छी कीमत पर खरीदे जाने के बाद, वह आईपीएल को छोड़ने और यह कहने में काफी खुश थे कि वह अपने टेस्ट करियर पर ध्यान देना चाहते हैं।' उन्होंने साथ ही कहा, 'लेकिन हां, इस बारे में बीसीसी को भी सोचना चाहिए कि क्या किया जाना चाहिए, क्योंकि दो साल का प्रतिबंध साफ तौर पर काम नहीं कर रहा है। आपको कुछ ऐसा करना होगा जिसका असर हो। जब तक इसका खिलाड़ी पर और उसके आईपीएल में वापसी के अवसरों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, तब तक यह नियम काम नहीं करेगा।卐 डकेट के लीग से हटने के फैसले ने खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता और लीग के नियमों पर सवाल उठने लगे हैं।

सैफ चैंपियनशिप 2026: बांग्लादेश से 1-1 से ड्रॉ खेलने के बावजूद ग्रुप में टॉप पर रहा भारत

माले (मालदीव) (एजेंसी)। भारतीय अंडर-20 पुरुष फुटबॉल टीम ने सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला और ग्रुप बी में टॉप पर जगह बनाई।

मैच की शुरुआत दोनों टीमों ने संभलकर की। बांग्लादेश ने मैदान की चौड़ाई का इस्तेमाल कर भारतीय डिफेंस को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन भारत का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया। धीरे-धीरे भारत ने खेल पर पकड़ बना ली और सेट-पीस (कॉर्नर, फ्री-किक) से मौके बनाने शुरू किए।

भारत के लिए मैच में पहला गोल विष्णु यादव ने 17वें मिनट में किया। उन्होंने कॉर्नर किक पर शानदार हेडर लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। यह इस टूर्नामेंट में उनका दूसरा

गोल था, हालांकि बांग्लादेश ने हार नहीं मानी और पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में ही वापसी कर ली। बांग्लादेश के लिए मोहम्मद अब्दुल रियाद फहीम ने शानदार गोल करते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद भारत और बांग्लादेश के फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने कई प्रयास किए, लेकिन दोनों टीमों का डिफेंस काफी मजबूत नजर आया।

पहले हाफ के अंत में एक फाउल के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों और स्टाफ के बीच जमकर बहस देखने को मिली। इस दौरान बांग्लादेश के कोच और भारत के गोलकीपिंग कोच को रेड कार्ड दिखाया गया।

दूसरे हाफ में भारत ने ज्यादा आक्रामक खेल दिखाया और कई मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं कर सका। टीम ने जीत के लिए आखिर तक कोशिश की, लेकिन बांग्लादेश के डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन किया। इस ड्रॉ के बावजूद भारत को कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि टीम पहले ही पाकिस्तान को 3-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना चुकी थी। बेहतर प्रदर्शन के चलते भारत ग्रुप में पहले, जबकि बांग्लादेश दूसरे स्थान पर रहा।

भारतीय टीम की अब सेमीफाइनल में भिड़ंत भूटान से होगी। वहीं, टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में बांग्लादेश का सामना नेपाल से होगा।

जापान ग्रांप्री : मर्सिडीज के 19 वर्षीय एंटोनेली ने लगातार दूसरी F1 रेस जीती

सुजुका ।मर्सिडीज के 19 वर्षीय ड्राइवर किमी एंटोनेली ने रविवार को जापानी ग्रांप्री में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए लगातार दूसरी फॉर्मूला वन (स्न1) रेस जीत ली।इटली के एंटोनेली ने ऑस्ट्रेलिया के ड्राइवर को 13.7 सेकंड के अच्छे अंतर से पछाड़ा।फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर्क तीसरे और मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे।मैकलारेन के लैंडो नॉरिस पांचवें और फेरारी के लुईस हैमिल्टन छठे स्थान पर रहे।एंटोनेली ने अपने करियर की पहली एफवन रेस दो सप्ताह पहले चीन में जीती थी और वह इतिहास के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता हैं। सबसे कम उम्र के विजेता का रिकॉर्ड मैक्स वेरस्टैपेन के नाम है।उन्होंने 2016 में 18 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी।एंटोनेली ने चीन में भी पोल पोजीशन (शीर्ष स्थान से रेस शुरू करने का अधिकार) से जीत दर्ज की थी। तीन रेस में एंटोनेली के 72 अंक हैं। वह अब सत्र की ड्राइवर की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं। एंटोनेली ने कहा, 'चैंपियनशिप के बारे में सोचना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं।' उन्होंने कहा कि इस जीत के बावजूद उन्हें अपनी शुरुआत को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा।इस युवा ड्राइवर ने कहा, 'मेरी शुरुआत खराब रही, मुझे बस यह देखना होगा कि क्या गलत हुआ। मुझे इसमें सुधार करना होगा क्योंकि इससे रेस में जीत या हार का बहुत बड़ा फर्क पड़ता है।'

विराट में अब भी किसी युवा बल्लेबाज जैसी रनों की भूख देखकर होती है हैरानी: अश्विन

बेंगलुरु (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की आईपीएल 2026 के पहले ही मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेली पारी की जमकर प्रशंसा की है। विराट इस मैच में पारी की शुरुआत से लेकर जीत का टिके रहे। इसी को लेकर अश्विन ने कहा है कि उनके अंदर आज भी रनों की पहले जैसी ही भूख है जो मुख्य रुप से युवा बल्लेबाजों में होती है।

अश्विन ने कहा, मुझे इस उम्र में वह काफी अजीब लगता है। मैं कभी-कभी हमारी बातचीत के दौरान उसे यह बताता हूं। वह 40 के आस-पास बल्लेबाज कर रहा था, एक साझेदारी चल रही थी और आरसीबी आराम से आगे बढ़ रही थी। वह पहला एक रन लेने के लिए दौड़ा, वहीं रुक गया जबकि दूसरा बल्लेबा अभी आधा भी नहीं पहुंचा था पर विराट पहले से ही दूसरा एक रन लेने का प्रयास कर रहा था। वह लेग साइड पर 57 मीटर की बाउंड्री थी और यह दिखाता है कि वह अभी भी गेम में कितना उत्साह लाता है।

अश्विन ने साथ ही कहा, वह जो कहता है, वही करता है। ऐसा लगता है जैसे वह लोगों को यह बताने के लिए एक शो कर रहा हो कि गेम कैसे खेलना चाहिए, इसे मेहनत से खेलना चाहिए और इसे वैसे ही खेलना चाहिए जैसा इसे खेला जाना चाहिए। विराट ने जो किया, उसके बारे में यह बात मेरे लिए सबसे अलग थी और अगर आससीबी इसी तरह बल्लेबाी करने वाली है, तो विराट को बस पूरे 20 ओवर खेलने की जरूरत है। विराट मैदाने पर टिके रहें तो रन आते रहंगे।

अब लीवरपूल को छोड़ रहे सालाह

लंदन ।स्टार फुटबॉलर मोहम्मद सालाह लंबे समय के साथ के बाद अब इंग्लैड के लीवरपूल क्लब को छोड़ रहे हैं।सालाह ने कहा कि ये उनका लिवरपूल एफसी के साथ अंतिम सत्र है। वह अगले सत्र में अब किसी नई टीम से खेलेंगे। सालाह ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में कहा है कि लीवरपूल के साथ उनका समय पूरा हो गया है। इस खिलाड़ी ने कहा कि अब मेरी विदायी का समय है। मैं क्लब में बिताये समय को हमेशा याद रखूंगा।सालाह का अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का अनुबंध हुआ था, वहीं क्लब की ओर कहा गया है कि उन दोनो के बीच सब कुछ तय हो गया है। इससे अब वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। सालाह ने क्लब की ओर से 34 मैचों में 10 गोल किए हैं। ये साल 2017 में क्लब में आने के बाद से उनके सत्र के सबसे कम गोल हैं। पिछले कुछ समय में मैदान के बाहर की परेशानियों से वह जूझते रहे हैं। दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रॉ के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें बाहर करने का प्रयास किया था। साथ ही कहा था कि मुख्य कोच आर्नेट स्लॉट के साथ भी उनके संबंध खराब हो गये थे।था।उनके इसी साल जनवरी में क्लब से बाहर होने की संभावनाएं थीं पर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शामिल होने के बाद उनको टीम में जगह मिल गयी।अब देखना होगा कि वह अगला सत्र किस टीम से खेलते हैं।

हमारा लक्ष्य खिताब फिर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर खिताब जीतना है : पाटीदार

-विराट अपने खेल के शिखर पर

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने सत्र के पहले ही मैच में जीत पर खुशी जताते हुए कहा है कि हम खिताब बचाने की मानसिकता के साथ नहीं उतरे हैं। पाटीदार के अनुसार आरसीबी लगातार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर फिर से खिताब जीतना चाहती है। आरसीबी ने अपने पहले ही (एसआरएत) को छह विकेट से हराय है जिससे उसके हौंसले बलंद हैं। पाटीदार ने कहा कि वह टीम के अभियान को खिताब की जगह खिताब हासिल करने वाला मानते हें।

उन्होंने कहा, हम इस मानसिकता के साथ नहीं खेल रहे हैं कि कुछ बचाना है। हमने 2025 में जो किया, वह बीती बात थी। अब हम इस बार फिर खिताब जीतने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। आरसीबी की जीत में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के अलावा देवदत्त पडिक्कल और जैकब डफी के अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। इसी को लेकर पाटीदार ने कहा, लक्ष्य का पीछा करने में कोहली शीर्ष पर हैं। मुझे हमेशा से ही उनकी बल्लेबाजी पसंद रही है और डगआउट से उन्हें खेलते देखना बहुत शानदार रहता है।

उन्होंने कहा, कोच एंडी फ्लावर और मुझे भी लगता है कि वह अपने खेल के सबसे उच्च स्तर पर हैं। उनकी पारी की प्रशंसा के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। वह मेरे आदर्श हैं और मैंने उन्हें नेट्स पर उसी ऊर्जा और तत्परता के साथ खेलते देखा है। मैं उन्हें नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखकर बहुत कुछ सीख रहा हूं। वहीं मैच में तीन विकेट लेकर सनराइजर्स पर अंकुश लगाने वाले डफी को लेकर उन्होंने कहा, वह टी20 का विशेषज्ञ गेंदबाज है और हमें उस पर काफी भरोसा है। जिस तरह से वह खेल रहा है, जबर्दस्त है।

ड्राई फ्रूट्स और दवाइयां महंगी, रेडी-टू-ईट फूड की मांग बढ़ी

– पिस्ता, आलूबुखारा, अंजीर और ममरा बादाम की कीमतें 30-40 फीसदी तक बढ़ी

नई दिल्ली ।

दिल्ली की खारी बावली मंडी में ड्राई फ्रूट्स और जड़ी-बूटियों की कीमतों में 20 फीसदी से 50 फीसदी तक उछाल आया है। व्यापारियों के अनुसार, काजू को छोड़कर ज्यादातर ड्राई फ्रूट्स मिडल ईस्ट, खासकर ईरान से आते हैं, जिसकी सप्लाई अब रुक गई है। पिस्ता, आलूबुखारा, अंजीर और ममरा बादाम की कीमतें 30-40 फीसदी तक बढ़ गई हैं। त्योहारों पर खजूर की मांग बढ़ने के बावजूद सीमित स्टॉक के कारण इसकी कीमतें भी बढ़ रही हैं। पैरासिटामोल जैसी दवाइयों में इस्तेमाल होने वाले जड़ी-बूटियों और अन्य कच्चे माल की कीमतें 47 फीसदी तक बढ़ गई हैं। खारी बावली के व्यापारी बताते हैं कि दवाइयों में प्रयुक्त जड़ी-बूटियों की सप्लाई भी मिडल ईस्ट संकट के कारण बाधित है। घरों में कुकिंग गैस की कमी और समय की कमी के कारण लोग रेडी-टू-ईट और पैक्ड फूड की ओर बढ़ रहे हैं। अमेज़न इंडिया पर इंस्टेंट नूडल्स, पैकेट बंद मील और स्नैक्स की मांग 15 फीसदी से अधिक बढ़ गई है। यह ट्रेंड सिर्फ मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि सोनीपत और पणजी जैसे टियर-2 शहरों में भी देखा जा रहा है। क्विक-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म अमेज़न नाउ पर मंथ-ऑन-मंथ 20 फीसदी सेल बढ़ी। वहीं दिल्ली के करीब 50,000 स्ट्रीट फूड वेंडर्स में से 20-30 फीसदी गैस की कमी और बढ़ती लागत के कारण बंद होने के कगार पर हैं। 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इज़राइल ने ईरान पर मिलकर हवाई हमले किए, जिनमें कई सैन्य ठिकाने और उच्च अधिकारी मारे गए। इससे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव बढ़ा, जो भारत का 80-85 फीसदी एलपीजी आयात मार्ग है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आयातक है, और 60 फीसदी से अधिक एलपीजी विदेश से आती है। सरकार ने कहा कि देश में एलपीजी और तेल की कोई कमी नहीं है और लोगों से अफवाहों से बचने की अपील की।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.82 लाख करोड़ से अधिक गिरावट

- वैश्विक तनाव और तेल की कीमतों ने बढ़ाई बाजार की बेचैनी

मुंबई ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों का लगभग 4 लाख करोड़ रुपये डूब गया। विशेषज्ञों का कहना है कि गिरावट के पीछे ईरान-अमेरिका तनाव और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें प्रमुख कारण हैं। रुपया भी दबाव में रहा और डॉलर के मुकाबले 94 के स्तर से नीचे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। ` पिछले सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2.82 लाख करोड़ से अधिक` गिरावट रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) ने शीर्ष स्थान बनाए रखा। हालांकि, इसके मार्केट वैल्यू में भी गिरावट दर्ज हुई। एचडीएफसी बैंक और टीसीएस ने सबसे ज्यादा नुकसान उठाया। इनके मार्केट कैप में भारी कमी आई, जिससे निवेशकों को बड़े स्तर पर नुकसान हुआ। भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी सभी ने मार्केट कैप में गिरावट दर्ज की। कुल मिलाकर शीर्ष 10 कंपनियों का मार्केट वैल्यू लगभग 2.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक घट गया। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक घटनाओं और कच्चे तेल की कीमतों के प्रभाव से भारतीय शेयर बाजार अस्थिर बना हुआ है।

एफपीआई ने मार्च में अब तक भारतीय शेयर बाजार से निकाले 1.14 लाख करोड़

- इस साल अब तक एफपीआई ने कुल 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी की

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च 2026 में अब तक 1.14 लाख करोड़ रुपये (लगभग 12.3 अरब डॉलर) भारतीय शेयर बाजार से निकाले हैं। यह अब तक की सबसे बड़ी मासिक निकासी है। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार इस साल अब तक एफपीआई ने कुल 1.27 लाख करोड़ रुपये की निकासी की है। 27 मार्च तक शेयरों की बिक्री 1,13,380 करोड़ रुपये रही। मार्च का एक कारोबारी सत्र अभी बचा है, इसलिए निकासी का आंकड़ा और बढ़ सकता है। एफपीआई ने इससे पहले अक्टूबर 2024 में एक महीने में सबसे अधिक 94,017 करोड़ रुपये की निकासी की थी। फरवरी 2026 में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो पिछले 17 महीनों का उच्चतम निवेश था। विशेषज्ञों के अनुसार इस बार की बिकवाली के पीछे कई कारक हैं। बाजार के`` विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिम एशिया में संघर्ष, रुपये की लगातार गिरावट, खाड़ी क्षेत्र से रेमिटेंस में कमी की आशंका और कच्चे तेल की ऊंची कीमतें भारत की आर्थिक वृद्धि और कंपनियों के लाभ पर दबाव डाल रही हैं। मेरिका में उच्च बॉन्ड प्रतिफल और वैश्विक स्तर पर कड़ी तरलता ने एफपीआई को विकसित बाजारों की ओर आकर्षित किया है। शेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और भू-राजनीतिक तनाव के चलते एफपीआई बिकवाल बने हुए हैं। अगर यह प्रवृत्ति जारी रही, तो भारतीय शेयर बाजार पर दबाव और बढ़ सकता है। निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

– वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 3.62 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे। हालांकि, कुछ कंपनियों ने मजबूती दिखाई। एलएंडटी के शेयर में 3.82 प्रतिशत की बढ़त रही। इसके अलावा एचसीएल टेक्नोलॉजीज 2.22 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.68 फीसदी, इंफोसिस 1.23 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.14 फीसदी और सनफार्मा 1.02 प्रतिशत ऊपर बंद हुए।

सीएमएस ने एफएसएस के एटीएम प्रबंधन कारोबार का 115 करोड़ में अधिग्रहण किया

मुंबई ।

सीएमएस इन्फो सिस्टम्स ने फाइनेंशियल सॉफ्टवेयर एंड सिस्टम्स (एफएसएस) के प्रबंधित सेवाओं के कारोबार का अधिग्रहण 115 करोड़ में करने की घोषणा की है। इस सौदे में एफएसएस की परिचालन परिसंपत्तियों और ग्राहक अनुबंधों का हस्तांतरण शामिल है। कंपनी का कहना है कि यह अधिग्रहण 2026-27 की पहली तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है। एफएसएस के 8,000 एटीएम जुड़ने के बाद सीएमएस के एटीएम पोर्टफोलियो की संख्या 39,000 हो जाएगी। यह कदम कंपनी को एंड-टू-एंड एटीएम प्रबंधन सेवाओं में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करेगा। इसके साथ ही नए निजी क्षेत्र के बैंक भी कंपनी के ग्राहक बनेंगे, जिससे ग्राहक आधार और व्यापक होगा। सीएमएस के एक कार्यकारी अे धिकारी ने कहा कि प्रबंधित सेवा उद्योग मजबूत हो रहा है और बैंक अब कम संख्या में भरोसेमंद भागीदारों के साथ काम करना पसंद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एफएसएस के ग्राहक वे हैं, जिनके साथ कंपनी अपने संबंध और मजबूत करना चाहती है। इस अधिग्रहण से सीएमएस की बाजार स्थिति, बैंकिंग प्रौद्योगिकी सेवाओं और ग्राहक आधार दोनों ही मजबूत होंगे, जिससे कंपनी को लंबी अवधि में लाभ होगा।

क्रेडिट कार्ड के नियमों में 1 अप्रैल से होंगे बड़े बदलाव

– बदलावों का मकसद बड़े खर्चों पर निगरानी बढ़ाना

नई दिन्ली

। अब वित्तीय वर्ष में अगर किसी कार्ड से 10 लाख रुपये या उससे अधिक खर्च होता है, तो बैंक इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को इसकी जानकारी दे सकता है। विदेश में किए गए बड़े खर्चों पर भी नजर रहेगी। यदि खर्च आपकी आय के अनुरूप नहीं है, तो नोटिस मिल सकता है। 1 अप्रैल से सभी नए और मौजूदा क्रेडिट कार्ड पेन नंबर से लिंक होंगे।

पेन के बिना कार्ड जारी नहीं होगा। इसका मतलब है कि आपका कार्ड आपकी टैक्स पहचान का हिस्सा बन जाएगा। अगर आप कंपनी कार्ड का निजी खर्च करते हैं, जैसे ट्रैवल या मनोरंजन, तो यह टैक्स योग्य लाभ माना जाएगा। खर्च के सबूत (बिल/इनवॉइस) रखना जरूरी होगा, वरना यह राशि आपके वेतन में जोड़कर टैक्स लगेगा। अब इनकम टैक्स का भुगतान क्रेडिट कार्ड से भी किया जा सकेगा। यह सुविधा तब मददगार है जब तुरंत नकदी उपलब्ध न हो।

हालांकि, प्रोसेसिंग फीस और बिल देर से चुकाने पर ब्याज देना पड़ सकता है।

क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट अब पेन कार्ड के पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार होगा। यह नए आवेदन या पते अपडेट करने में आसान बनाता है।

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

– शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली ।

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्रे ति` किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्रे ति` किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्रे ति` किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्रे ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। तेजी के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान-यूएस संघर्ष से तेल की कीमतों में उछाल, महंगाई का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली ।

ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव ने दुनिया भर में महंगाई के खतरे को बढ़ा दिया है। एक ब्रोकरेज फर्म के अनुसार, अगर संघर्ष जून तक चलता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद रहता है, तो कच्चे तेल की कीमतें 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुँच सकती हैं, जिसकी संभावना 40 फीसदी है। दूसरी ओर, कंपनी ने 60 फीसदी आशावादी संभावना भी जताई है, जिसमें संघर्ष जल्द ही कम हो सकता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के प्रमुख तेल मार्गों में से एक है, और ईरान द्वारा इसका नियंत्रण तेल आपूर्ति को प्रभावित कर रहा है। 27 मार्च को दो चीनी जहाजों को मार्ग से रोकने के बाद ब्रेंट क्रूड 111.06 डॉलर और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई 97.01 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। मेरीन ट्रे फिक की रिपोर्ट के अनुसार, यह इस मार्ग को पार करने वाले बड़े कंटेनर जहाजों पर पहला प्रतिबंध है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को इस मार्ग को खोलने के लिए 10 दिन का समय दिया और इस अवधि में ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले से रोकने का ऐलान किया। ट्रंप के अनुसार, बातचीत सकारात्मक दिशा में चल रही है। अगर संघर्ष जल्दी हल होता है, तो तेल की कीमतों में स्थिरीकरण संभव है और वैश्विक महंगाई पर नियंत्रण आ सकता है।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति संकट में, आईएमएफ से जुटाएगा 1.2 अरब डॉलर लोन

नई दिल्ली।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था संकट की स्थिति में है। फरवरी 2026 में महंगाई दर बढ़कर 7 फीसदी हो गई, जबकि जनवरी में यह 5.8 फीसदी थी। महंगाई के मुख्य कारण खाद्य पदार्थ, बिजली और ईंधन की बढ़ती कीमतें हैं। मार्च में पेट्रोल की कीमत लगभग 321 पाकिस्तानी रुपये प्रति लीटर और डीजल 335 रुपये प्रति लीटर हो गई। मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण वैश्विक ईंधन आपूर्ति प्रभावित होने से यह बढ़ोतरी हुई है। अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान के साथ स्टाफ-स्तरीय समझौता किया है। इसके तहत पाकिस्तान को 1.2 अरब डॉलर का लोन मिल सकता है। इसमें 1 अरब डॉलर 'एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी' और 210 मिलियन डॉलर 'रेज़ीलियंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी' के तहत दिए जाएंगे। इससे पहले पाकिस्तान को आईएमएफ से 3.3 अरब डॉलर का लोन मिल चुका है। नई मंजूरी के बाद कुल लोन 4.5 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। आईएमएफ के अनुसार पाकिस्तान की जीडीपी ग्रोथ 2026 में लगभग 3.6 फीसदी रहने का अनुमान है। हालांकि, बढ़ती महंगाई और आर्थिक कमजोरी विकास को सीमित कर रही है। देश लगातार अपने बचाव के लिए विश्व बैंक और आईएमएफ से वित्तीय सहायता मांगता रहा है।

सोने में तेज उतार-चढ़ावः लंबी अवधि में चमक बरकरार, शॉर्ट टर्म में दबाव

सेंट्रल बैंकों की रिकॉर्ड खरीद से सपोर्ट, लेकिन ऊंची ब्याज दरें और बिकवाली से कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच सोने की कीमतों में इन दिनों भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। एक ओर जहां सेंट्रल बैंक लगातार बड़ी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हालिया गिरावट ने निवेशकों को असमंजस में डाल दिया है। ताजा विश्लेषण के अनुसार, ग्लोबल गोल्ड रिजर्व में सोने की हिस्सेदारी बढ़कर करीब 30 फीसदी तक पहुंच गई है, जो 1991 के बाद का उच्चतम स्तर है। अनुमान है कि इस साल सेंट्रल बैंक लगभग 800 टन सोने की खरीद कर सकते हैं, जो कुल वार्षिक उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा है। यह ट्रेंड लंबे समय में कीमतों को मजबूती देता है। हालांकि, शॉर्ट टर्म में सोने पर दबाव बना हुआ है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम होने से निवेशक सोने से दूरी बना रहे हैं।

रूस ने पेट्रोल निर्यात पर लगाई रोक, भारत पर इसका असर ज्यादा नहीं

– रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर रोक लगाई

मॉस्को ।

रूस ने 1 अप्रैल से 31 जुलाई तक पेट्रोल निर्यात पर अस्थायी रोक लगाने का निर्णय लिया है। उप-प्रधानमंत्री और ऊर्जा मंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने इस कदम को घरेलू सप्लाई सुनिश्चित करने और पेट्रोल की कीमतें नियंत्रित रखने के लिए जरूरी बताया। नोवाक ने कहा कि मिडिल ईस्ट में इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के कारण वैश्विक तेल और पेट्रोलियम बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है। रूस रोजाना लगभग 1.2 से 1.7 लाख बैरल पेट्रोल निर्यात करता है। रूस के पेट्रोल उत्पादों के बड़े खरीदार देशों में चीन, तुर्की, ब्राजील, अफ्रीका और सिंगापुर शामिल हैं। इन देशों को निर्यात रोकने से सप्लाई में कमी और कीमतों में उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। वैश्विक बाजार में इस कदम का असर तेल और पेट्रोलियम की कीमतों पर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत सीधा पेट्रोल आयात नहीं करता, बल्कि देश कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) आयात करता है, जिसे अपने रिफाइनरी नेटवर्क में प्रोसेस करके पेट्रोल और डीजल बनाया जाता है। भारत अपनी जरूरत का करीब 80 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें से लगभग 20 फीसदी रूस से आता है। भारत रोजाना लगभग 56 लाख बैरल कच्चा तेल रिफाइन करता है, जिससे न केवल घरेलू जरूरत पूरी होती है बल्कि तैयार ईंधन का निर्यात भी होता है। इसलिए, रूस की पेट्रोल निर्यात रोक का भारत पर सीधा असर बहुत कम होने की संभावना है। हालांकि, वैश्विक सप्लाई में कमी के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। पहले से ही तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई हैं, जिससे भारत को तेल महंगाई का अप्रत्यक्ष असर महसूस हो सकता है।

अरेस्ट के विरुद्ध खूंटी बंद, महासमिति के लोगों ने गिरफ्तारी देने के लिए पहुंचे खूंटी थाना

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के मुरहू में पथराव के बाद 144 धारा पूरी तरह लग गया है। जिसके बाद से मुरहू बंद कर दिया गया है। जिसके बाद लोगों को पुलिस गिरफ्तार करना शुरू कर दिया है। वहीं हिंदू और मुस्लिम समुदाय के कुल 10 लोगों की गिरफ्तारी की बात कही जा रही है। इस दौरान जो इस मामले में थे भी नहीं उन्हें भी गिरफ्तार करने की बात से हिंदू समुदाय के लोगों में आक्रोश और नाराजगी देखने को मिला। जिसके बाद रविवार को विहिप कार्यकताओं के उपर जानलेवा हमला करने व निर्दोष को पकड़ें जाने के विरोध में रविवार दो बजे के लगभग खूँटी शहर बंद करने का आवाहन किया गया। फिर देखते ही देखते शहर के दुकानें भी बंद हो गयी। इस मामले को लेकर खूंटी रामनवमी महासमिति भी घटना की निंदा की और फिर सनातनी समाज के लोगों के साथ सलाह मशविरा के पश्चात सारे लोग उग्र हो गये। मौके पर , निर्दोष हिंदुओं की गिरफ्तारी और जानलेवा हमला के विरोध में लगभग एक हजार लोगों ने गिरफ्तारी देने के लिए खूंटी थाना पहुंचे। और थाना के सामने जमीन पर ही बैठ गये। जिनका साफ कहना है कि या तो फिर निर्दोष को छोड़ा जाए या फिर हमें गिरफ्तार किया जाए। हम सभी उनके साथ हैं। जहाँ भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकण्ठ मुण्डा ने भी थाना पहुँचे।

मौके पर एसडीपीओ वरुण रजक खूंटी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अशोक सिंह, अंचल अधिकारी सह मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार आदि से बातें की गई। मौके पर रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष अनूप साहू ने बताया कि गिरफ्तार किए गए निर्देश लोगों को जल्द से जल्द बिना शर्त छोड़ दिया जाए। रामनवमी महासमिति के महामंत्री जितेंद्र कश्यप ने बताया कि कुछ बांग्लादेशी मुरहू में हैं वहीं लोगों से यह मामला शुरूआत हुई है। जिसकी पहचान पहले भी हो चुकी है उसमें से एक व्यक्ति को पकड़ा गया है और बाकी का कोई पता नहीं है सभी गायब हो गये। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता सह भुक्तभोगी प्रियंक भगत ने कहा कि हमारे ऊपर जानलेवा हमला हुआ पुलिस के सामने हुआ है लेकिन पुलिस मूकदर्शक बनी रही। डीएसपी वरुण रजक ने बताया कि रामनवमी जुलूस के दौरान पथराव के बाद मामला बढ़ा और फिर दो समुदाय उग्र हो गये। जिसके बाद मुरहू में 144 धारा लगाया गया है। और कुल 10 लोगों को अरेस्ट किया गया है। इसलिए आज रामनवमी महासमिति के लोग खूंटी थाना आये थे। जिन्हें समझाया गया है। वहीं उचित अनुसंधान करके कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। वहीं अनेक लोगों ने जानलेवा हमला करनेवाले मुस्लिम समुदाय के लोगों को अविलंब गिरफ्तार करने व दोषियों पर कार्रवाई करने के लिए आवेदन डीएसपी को दिया ।

चतुर्थ राजकीय गणतंत्र मेला महोत्सव का दीपिका पांडेय ने किया उद्घाटन, कहा

लोक परंपराओं और सामुदायिक एकता का सशक्त उत्सवः मंत्री

बिभा संवाददाता

गोड्डा : गोड्डा के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित चतुर्थ राजकीय गणतंत्र मेला महोत्सव 2026 का भव्य एवं विधिवत उद्घाटन राज्य की ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती सिंह ने कहा कि यह दो दिवसीय महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और सामुदायिक एकता का सशक्त उत्सव है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने के साथ-साथ स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का माध्यम बनते हैं।

29 और 30 मार्च 2026 को आयोजित यह महोत्सव सांस्कृतिक रंगों, मधुर संगीत और विविध मनोरंजन का भव्य संगम बनने जा रहा है। खास बात यह है कि इस बार देश के विभिन्न हिस्सों से ख्यातिप्राप्त सेलिब्रिटीज, गायक, कवि और नर्तक इस मंच पर अपनी प्रस्तुतियों से महोत्सव को और भी गौरवशाली बनाएंगे।

महोत्सव में रंग-बिरंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्य और पारंपरिक प्रस्तुतियों ने पहले ही दिन दर्शकों को आकर्षित किया, वहीं आने वाले कार्यक्रमों को लेकर शहरवासियों में जबरदस्त उत्साह और उत्सुकता देखने को मिल रही है।

श्रीमती सिंह ने कहा कि यह महोत्सव न केवल कला और संस्कृति को संरक्षित करने का माध्यम है, बल्कि स्थानीय कलाकारों, युवाओं और कारीगरों को सशक्त बनाने का एक प्रभावी मंच भी है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे बढ़-चढ़कर भाग लें और इस आयोजन को ऐतिहासिक सफलता दिलाएं।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

कोलकाता एवं मऊ के बीच ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें चलेंगी

आसनसोल(बिभा): आगामी ग्रीष्मकालीन अवधि में यात्रियों की संभावित भीड़ को कम करने हेतु रेलवे ने कोलकाता एवं मऊ के बीच ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। 05096 मऊ झ्र कोलकाता स्पेशल प्रत्येक बुधवार को 08.04.2026 से 15.07.2026 तक (15 ट्रिप) मऊ से 13:30 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 08:50 बजे कोलकाता पहुंचेगी। वापसी दिशा में, 05095 कोलकाता झ्र मऊ स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को 09.04.2026 से 16.07.2026 तक (15 ट्रिप) कोलकाता से 13:20 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 07:45 बजे मऊ पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में आसनसोल मंडल के अंतर्गत दुगार्पुर, आसनसोल, चित्तरंजन, मधुपुर एवं जसीडीह स्टेशनों पर ठहरेगी। इस ट्रेन में सामान्य द्वितीय श्रेणी, शयनयान श्रेणी एवं वातानुकूलित श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे।

टाटानगर रेलखंड के कई मेमू ट्रेन रद्द

जमशेदपुर(बिभा)। टाटानगर और आसपास के रेलखंड में परिचालन व्यवस्था के तहत कई कोचिंग ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया गया है। इसके तहत कुछ मेमू ट्रेनें रद्द रहेंगी, कुछ ट्रेनों का आंशिक संचालन किया जाएगा, जबकि कुछ एक्सप्रेस ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है। साथ ही पहले रद्द की गई कुछ लंबी दूरी की ट्रेनों को पुनः बहाल करने का निर्णय लिया गया है। रविवार को रेलवे की ओर से जारी सूचना के अनुसार आद्रा-मिदनापुर-आद्रा मेमू ट्रेन संख्या 68090/68089 31 मार्च, तीनअप्रैल और पांच अप्रैल 2026 को रद्द रहेगी। वहीं बोकारो-चंद्रपुरा-बराकर (बीजेई-सीआरपी-बीजेई) मार्ग पर चलने वाली मेमू ट्रेन संख्या 68079/68080 31 मार्च, तीन, चार और पांच अप्रैल को नहीं चलेगी। इसके अलावा आद्रा-बराभूम-आद्रा मेमू ट्रेन संख्या 68077/68078 पांच अप्रैल को रद्द कर दी गई है। टाटानगर से जुड़े यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि टाटा-आसनसोल-बराभूम मेमू पैसेंजर ट्रेन संख्या 68056/68060 का दो अप्रैल 2026 को आंशिक संचालन किया जाएगा। यह ट्रेन आद्रा तक ही चलेगी और आद्रा से आसनसोल के बीच का हिस्सा उस दिन रद्द रहेगा। वहीं टाटानगर से हटिया जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 18601 (टाटा-हटिया एक्सप्रेस) 31 मार्च, एक अप्रैल और चार अप्रैल को परिवर्तित मार्ग से चलेगी। यह ट्रेन चांडिल-गुंडा बिहार-मुरी के रास्ते चलाई जाएगी, जबकि सामान्यतः यह पुरुलिया मार्ग से संचालित होती है। इस बीच यात्रियों के लिए राहत की खबर यह है कि पहले जिन ट्रेनों के रद्द रहने की सूचना जारी की गई थी, उनमें से कुछ को बहाल कर दिया गया है। शालीमार-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस (18030) चार अप्रैल से 24 अप्रैल तक और लोकमान्य तिलक टर्मिनस-शालीमार एक्सप्रेस (18029) छह अप्रैल से 26 अप्रैल तक अपने निर्धारित समय पर चलेगी। इसके अलावा लोकमान्य तिलक टर्मिनस से शालीमार जाने वाली ट्रेन संख्या 12101 तथा शालीमार से लोकमान्य तिलक टर्मिनस जाने वाली ट्रेन संख्या 12102 भी अप्रैल माह में निर्धारित तिथियों पर पुनः संचालित की जाएंगी।

घर पहुंचने पर सिमडेगा के मनोज कोनबेगी का हुआ भव्य स्वागत

बिभा संवाददाता

सिमडेगा। हॉकी सिमडेगा के अध्यक्ष मनोज कोनबेगी को हॉकी इंडिया द्वारा जमन लाल शर्मा अमूल्य योगदान पुरस्कार 2025 से सम्मानित किए जाने के बाद सिमडेगा लौटने पर उनका भव्य स्वागत किया गया।

बस से उतरते ही हॉकी सिमडेगा के पदाधिकारियों, खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने पुष्प वर्षा, ढोल-नगाड़ों और नृत्य के साथ उनका जोरदार स्वागत किया। बस स्टैंड से लेकर हॉकी सिमडेगा कार्यालय तक जुलूस निकाला गया, जहां एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

दिल्ली में आयोजित हॉकी इंडिया के आठवें वार्षिक पुरस्कार समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, राज्य मंत्री रक्षा खडसे, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की सहित कई दिग्गज खिलाड़ियों और अधिकारियों की मौजूदगी में मनोज कोनबेगी को यह सम्मान प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार उन्हें भारतीय हॉकी में उनके आजीवन योगदान और प्रभाव के लिए दिया गया।

सिमडेगा में आयोजित स्वागत समारोह में खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने इसे जिले के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान सिमडेगा जैसे छोटे जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है और इससे स्थानीय खिलाड़ियों को नई प्रेरणा मिलेगी।

इस अवसर पर मनोज कोनबेगी ने कहा कि यह सम्मान उनकी जिम्मेदारी को और बढ़ाता है। उन्होंने कहा, यह पुरस्कार सिमडेगा के सभी खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और सहयोगियों को समर्पित है। हम खिलाड़ियों को बेहतर मंच और अवसर देने के लिए लगातार प्रयास करते रहेंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि पुरस्कार राशि को आय के स्रोत में निवेश कर उससे प्राप्त राशि खिलाड़ियों के विकास पर खर्च की जाएगी।

समारोह में हॉकी सिमडेगा के कोषाध्यक्ष कमलेश्वर मांझी, मनोज कुमार सिन्हा, राजनंद कुमार सिन्हा, तेजबल शुभम सहित कई पदाधिकारी, खिलाड़ी और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

जर्जर ढांचे को सुधार रही सरकार, भाजपा फैला रही भ्रम : कांग्रेस

बिभा संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की ओर से राज्य सरकार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर लगाए जा रहे आरोपों को निराधार बताया है। पार्टी के महासचिव आलोक दुबे ने रविवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि भाजपा नेता जिस तथाकथित शीश महल की बात कर रहे हैं, वह पूरी तरह से गलत तथ्यों पर आधारित है। झारखंड राज्य के अधिकांश सरकारी भवन और कार्यालय एकीकृत बिहार के समय के बने हुए हैं, जिन्हें आज के समय के अनुरूप विकसित और उन्नत करना जरूरी है। दुबे ने कहा कि जब झारखंड में भाजपा की सरकार थी, तब उन्होंने राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उस दौरान केवल भ्रष्टाचार, लूट-खसोट और कानून व्यवस्था की अनदेखी देखने को मिली। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री आवास, मंत्री आवास, विधायक आवास, झारखंड भवन का निर्माण किसी व्यक्तिगत उपयोग के लिए नहीं, बल्कि एक संस्थागत व्यवस्था के तहत किया जा रहा है। आने वाले समय में जो भी सरकार बनेगी, उसका मुख्यमंत्री और मंत्री इन आवासों का उपयोग करेंगे।

तमाड़ में ही पीजी कॉलेज निर्माण की मांग को लेकर किया गया बैठक

बिभा संवाददाता

तमाड़ । राधारानी मंदिर परिसर में क्षेत्र के जनहित मुद्दों को लेकर रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न सामाजिक और शैक्षणिक विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कई अहम निर्णय लिए गए।

बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि तमाड़ थाना के समीप स्थित फार्म की कुल भूमि में से 10 एकड़ जमीन उच्च शिक्षा विभाग को हस्तांतरित कर वहां प्रस्तावित सरकारी पीजी महाविद्यालय का निर्माण कराया जाए। उपस्थित ग्रामीणों और बुद्धिजीवियों ने इस प्रस्ताव का जोरदार समर्थन किया।

बैठक के उपरांत लोगों ने तमाड़ के मुख्य चौक-चौराहों से होकर जुलूस निकाला और जनसमर्थन जुटाने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी सहमति दर्ज कराई।

ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान में पीजी महाविद्यालय को मुख्यालय से दूर सुदूरवर्ती क्षेत्र में स्थापित करने की योजना बनाई जा रही है, जिसका उन्होंने विरोध किया। उनका कहना है कि तमाड़ मुख्यालय में कॉलेज बनने से आसपास के कई प्रखंडों के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सुविधा होगी।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से एकत्रित जनसमर्थन को राज्यपाल और मुख्यमंत्री के समक्ष जल्द ही प्रस्तुत किया जाएगा, ताकि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई हो सके।

गरीब-गुरबों को रहने का आवास नहीं, हेमंत सोरेन झारखंड में बनाएंगे शीश महलः आदित्य साहू

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने मुख्यमंत्री आवास निर्माण पर होने वाले खर्च को लेकर राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत से बनने वाला मुख्यमंत्री आवास ह्लशीश महलह्व की तरह है और यह जनता के पैसे की फिजूलखर्ची है।

रविवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में आदित्य साहू ने कहा कि खुद को गरीबों की सरकार बताने वाली सरकार इतनी बड़ी राशि अपने आवास पर खर्च कर रही है, जो झारखंड की आदिवासी और मूलवासी जनता की मेहनत की कमाई का दुरुपयोग है।

उन्होंने बताया कि भवन विभाग द्वारा जारी टेंडर की प्रारंभिक लागत 67 करोड़ रुपये है, जिसमें इंटीरियर और फर्नीचर का खर्च शामिल नहीं है। उनके अनुसार, निर्माण पूरा होने तक इसकी लागत 100 करोड़ रुपये से भी अधिक हो सकती है। टेंडर प्रक्रिया के अनुसार 2 अप्रैल को इसे वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा, 29 अप्रैल तक आवेदन लिए जाएंगे और 30 अप्रैल को टेंडर खोला जाएगा, जबकि 8 अप्रैल को प्री-बिड बैठक प्रस्तावित है।

आदित्य साहू ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री आवास में अत्यधिक विलासिता पर खर्च किया जा रहा है, जिसमें दो करोड़ रुपये का फव्वारा, ढाई करोड़ का गार्डन, विदेशी शीशों से सजा ड्राइंग रूम, इटली से मंगाए जाने वाले टाइल्स, जकूजी, सॉना बाथ और मसाज रूम जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

उन्होंने तुलना करते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल के दिल्ली स्थित आवास की लागत शुरूआत में 8.30 करोड़ रुपये थी, जो बाद में बढ़कर 33.66 करोड़ रुपये हो गई। साहू के अनुसार, झारखंड का प्रस्तावित आवास इससे भी कई गुना महंगा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य में गरीबों को आवास, वृद्धा पेंशन और किसानों को धान का भुगतान समय पर नहीं मिल रहा है, जबकि मुख्यमंत्री अपने लिए भव्य आवास बनवा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस परियोजना को नहीं रोका गया तो भाजपा लोकतांत्रिक तरीके से इसका विरोध करेगी और कार्यकर्ता सड़कों पर उतरेंगे।

खूंटी में महादशमी पर भव्य अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता आयोजित, विजयी मंडलियों को किया गया सम्मानित

बिभा संवाददाता

खूँटी । केंद्रीय रामनवमी महासमिति, खूंटी के तत्वावधान में महादशमी के शुभ अवसर पर शनिवार रात नेताजी चौक स्थित अखाड़े में भव्य अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से आई बड़ी संख्या में मंडलियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।प्रतियोगिता में अतिथि मंडली इटकी रोड, लालगुटवा (रांची) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, उन्हें प्रथम पुरस्कार स्वरूप ट्रॉफी एवं 21 हजार रुपये नगद देकर सम्मानित किया गया। द्वितीय पुरस्कार पश्चिम सिंहभूम की नारी शक्ति मंडली को ट्रॉफी एवं 11 हजार रुपये नगद प्रदान किया गया, जबकि तृतीय स्थान पर तुपुदाना (रांची) की नवयुवक संघ संघर्ष समिति रही, जिन्हें ट्रॉफी एवं 5100 रुपये देकर पुरस्कृत किया गया।

स्थानीय मंडलियों में जय मां शक्ति मंडली, श्रीराम सेना बड़ाईक टोली, खूंटी को प्रथम पुरस्कार के रूप में 15 हजार और ट्रॉफी प्रदान किया गया। द्वितीय स्थान क्लब यंग मोनार्क को ट्रॉफी एवं 11 हजार रुपये नगद के साथ दिया गया, जबकि जय श्रीराम तुलसी मंडली, शिवालय रोड को तृतीय पुरस्कार स्वरूप ट्रॉफी एवं 5100 रुपये देकर सम्मानित किया गया।

महोत्सव के दौरान आयोजित झांकी प्रतियोगिता में क्रांतिकारी युवा मोर्चा, मिश्रा टोली ने प्रथम स्थान हासिल करते हुए 21 हजार रुपये नगद एवं ट्रॉफी जीता। द्वितीय स्थान के लिए 11 हजार रुपये एवं ट्रॉफी रखा गया था, जिसमे विजेता के रूप में मिलन क्लब का चयन किया गया, जबकि विशाल शक्तिशाली युवा मोर्चा, डहगुटू को तृतीय पुरस्कार स्वरूप 5100 रुपये एवं ट्रॉफी दिया गया। बाजा-ताशा प्रतियोगिता में मिलन क्लब, नेताजी चौक को प्रथम, श्रीराम सेवा समिति (आरएसएस), खूंटी को द्वितीय तथा क्रांतिकारी युवा मोर्चा, मिश्रा टोली को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। नगर सज्जा प्रतियोगिता में श्रीराम सेवा समिति (आरएसएस) को प्रथम तथा क्लब यंग स्टार, मोहना टोली को द्वितीय पुरस्कार दिया गया। अनुशासन श्रेणी में जय भवानी समिति (विद्यार्थी कला संगम), नेताजी चौक एवं महावीर मंडल, भट्टी रोड को पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त, रामनवमी के दौरान पूरे शहर को राममय बनाने में विशेष योगदान एवं नवमी की शोभायात्रा में सबसे पहले शामिल होने के लिए क्लब यंग मोनार्क, देवी गुड़ी नेताजी चौक को सम्मानित किया गया। वहीं मंगलवारी शोभायात्रा में उत्कृष्ट सहयोग के लिए श्रीराम सेवा समिति, खूंटी को पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खूंटी थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपरा का प्रतीक बताया।

इस अवसर पर केंद्रीय रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष अनुप कुमार साहू एवं महामंत्री जितेंद्र कश्यप ने श्रीराम जन्मोत्सव के सफल आयोजन के लिए जिला प्रशासन, खूंटी पुलिस, नगर पंचायत, विद्युत विभाग एवं सभी रामभक्तों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का संचालन कुमार सौरभ और दामोदर प्रसाद ने किया, जबकि निर्णायक की भूमिका किशोर लहकार एवं विक्की गुप्ता ने निभाई।

पुरुलिया-आनंद विहार साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन का नियमित संचालन तय

पलामू। उद्घाटन के बाद ठप पड़ी पुरुलिया-आनंद विहार साप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन को लेकर यात्रियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। अब इस ट्रेन का नियमित संचालन तय कर दिया गया है और रेलवे ने इसकी समय सारणी भी जारी कर दी है। लंबे इंतजार के बाद क्षेत्रवासियों को दिल्ली, लखनऊ, अयोध्या और वाराणसी के लिए सीधी रेल सुविधा मिलने जा रही है। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 14022/14021 पुरुलिया-आनंद विहार साप्ताहिक एक्सप्रेस का संचालन नियमित रूप से किया जाएगा। यह ट्रेन 2 अप्रैल से आनंद विहार टर्मिनल से प्रत्येक गुरुवार को चलेगी, जबकि पुरुलिया से 3 अप्रैल से प्रत्येक शुक्रवार को रवाना होगी। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि यह एक नियमित ट्रेन होगी, जिससे यात्रियों को स्थायी सुविधा मिलेगी।

यह ट्रेन आनंद विहार और पुरुलिया के बीच सासाराम, डेहरी ऑन सोन, गढ़वा रोड, डालटनगंज और रांची के रास्ते संचालित होगी। इस रूट पर चलने से पलामू सहित आसपास के जिलों के यात्रियों को राजधानी दिल्ली तक सीधी और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा। उल्लेखनीय है कि ट्रेन के उद्घाटन के बाद परिचालन रुक जाने से यात्रियों में निराशा थी और लोग लगातार रेलवे ऐप पर इसकी स्थिति देख रहे थे। अब नियमित संचालन की घोषणा से क्षेत्र में खुशी का माहौल है और यात्रियों को बड़ी राहत मिली है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट, भोसले गली, हरिहर सिंह रोड, बरियातू, रांची-834009 (झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com